He Gazette of Indiana

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 7] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 17, 1979 (माघ 28, 1900) No. 7] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 17, 1979 (MAGHA 28, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—वाष । PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यारुयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं (Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा प्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 दिसम्बर 1978

सं० ए० 12019/1/75-प्रणा०-II-—मचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग एतद्द्वारा इस कार्यालय के स्थायी सहायक ग्राधीक्षक (हाँल) श्री एस० पी० बन्मल को, जो पहले दिल्ली दुग्ध योजना में प्रतिनियुक्ति पर थे, 12-12-1978 से 28-2-79 तक की ग्रवधि के लिए, ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेण तक, जो भी पहले हो, ग्रनुभाग ग्रिधकारी (त० मं०) के पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

समसंख्यक ग्रधिसूचना दिनांक 30-11-1978 ढारा श्री जगदीश लाल को ग्रनुभाग ग्रधिकारी (त० सं०) के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, उन्हें 12-12-1978 के पूर्वाह्म से सहायक ग्रधीक्षक (हॉल), के पद पर प्रत्यावर्तित कर दिया गया है।

> एस० बासचन्द्रन, भ्रवर सचिव कृते सचिव संघ लोक सेवा आयोग

नई मिल्ली-110011, दिनांक 8 जनवरी 1979 सं० ए० 32014/1/78-प्रणा०-III---संघ लोक सेवा ग्रायोग में केन्द्रीय मचिवालय सेवा संवर्ग के निम्नलिखित स्थायी सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा प्रस्येक के सामने दर्शायी गई प्रविध के लिये, श्रयवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त मेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से, तदर्थ श्राधार पर, कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

क मं	" "	स्रवधि जिसके लिए स्रनुभाग प्रधि- कारी नियुक्त किया गया
1.	श्री एस० भ्रार० खन्ना	17-11-1978 में 8-1-1979 तक की श्रवधि के लिए
2.	श्री एन० के० ढींगरा	13-11-1978 से 31-12-1978 तककी भ्रवधि केलिए
3.	श्री बी॰ एल॰ णर्मा	20-11-1978 सें 6-1-1979 तक की भवधि के लिए
4.	श्री कैलाश चन्द्र	7-11-1978 से 21-12-1978 तक की अवधि के लिए
5.	श्री एन० एम० एल० भटनागर	24-11-1978 से 31-12-1978 तक की भ्रवधि के लिए

दिनांक 9 जनवरी 1979

सं० ए० 12025 (II)/2/76-प्रणा०-III—-प्रपत्ने प्रणिक्षण की समाप्ति पर, जो सचिवालय प्रणिक्षण एवं प्रबन्ध संस्थान, दिल्ली में 1 जून, 1978 से प्रारम्भ हुई थी, कुमारी जयालक्ष्मी नायर ने, जिन्हें इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 6-7-78 द्वारा संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय मचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में परिवीक्षाधीन नियुक्त किया गयाथा, 1 जनवरी 1979 के पूर्वाह्म से उसी संवर्ग में अनुभाग अधिकारी (परिवीक्षाधीन) का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 18 जनवरी 1979

सं० ए० 19014/1/79-प्रशा०-I—भारतीय राजस्व सेवा (भ्रायकर) के श्रिधिकारी श्री हरदयाल सिंह को राष्ट्रपति द्वारा 15 जनवरी, 1979 के पूर्वाह्म से संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में श्रवर सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

> एस० बालचन्द्रन श्रवर सचिव संघ लोक सेवा आयोग

प्रवर्तन निवेशालय

(विदेशी मुद्रा विनियमन प्रधिनियम)

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 दिसम्बर 1978

सं० ए० 4/1/78—निम्निलिखित महायक प्रवर्तन श्रिधिकारी अपने-अपने पद का कार्यभार संभालने की तारीख से ग्रगले श्रादेशों तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किए गए हैं।

उनके नियुक्ति के स्थान श्रीर कार्यभार ग्रहण करने की तारीख उनके नाम के सामने दिए गए हैं:—

स (मेंदाबाद	
(213131)	7-12-78 (पूर्वाह्न)
मदुरै	28-11-78
जालन्धर	(पूर्वाह्म) 28-11-78
त्रिवेन्द्रम	(पूर्वाह्म) 8-11-78
कलकत्ता	(पूर्वाह्न) 18-11-78
जयपुर	(पूर्वाह्न) 29-11-78
जालन्धर	(पूर्वाह्न) 27-11-78 (पूर्वाह्न)
	मदुरैं जालन्धर जिवेन्द्रम कलकत्ता जयपुर

जे० एन० अरोड़ा जुप निदेशक (प्रशासन)

गृह मन्त्रालय कामिक एवं प्रशामनिक विभाग केन्द्रीय म्नन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी 1979

सं० ए० 1903 6/35/78-प्रणासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, हरियाणा राज्य पुलिस के श्रीधकारी श्री सुन्दर लाल मिलक, पुलिस उप-श्रधीक्षक, को दिनांक 5-1-79 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन्न पुलिस उप-श्रधीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 जनवरी 1979

सं० ए० 35018/6/78-प्रशा०-1—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, गुजरात राज्य पुलिस के निरीक्षक श्री एस० एम० ठाकुर को दिनांक 14-12-78 के पूर्वाह्न से भ्रगले श्रादेश तक के लिए केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, भ्रहमदाबाद शाखा में भ्रस्थायी रूप से प्रतिनिय्क्ति पर निरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

जरनैल सिंह प्रशासनिक म्रधिकारी (स्था०)

महानिदेशालय के० रि०पु० बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 25 जनवरी 1979

सं० श्रो० वो०-1102/78-स्थापना—राष्ट्रपति, आकटर वो० कृष्णाराव को श्रस्थाई रूप से श्रागामी श्रावेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० श्रो० ग्रेड-2 (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर 23 नवम्बर 1978 के भ्रमराह्म से नियुक्ति करते हैं।

दिनांक 30 जनवरी 1979

मं० ग्रा० दो० 1430/79-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर प्रकाश चन्द्र दूवे को ग्रस्थाई रूप से ग्रागामी ग्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में सिनियर मैंडिकल ग्राफिसर (कमांडेन्ट) के पद पर 1-1-1979 के पूर्वाह्म से नियुक्त करते हैं।

> ए० के० बन्दोपाध्याय सहायक निदेशक प्रशासन

महानिरीक्षककाकार्यालयं केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षाबल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 23 अनवरी 1979

सं० ई-38013(2)/1/78-कार्मिक—श्रीहारी कोटा रेंध से स्थानांतरण होने पर मेजर ब्रार० सी० रमेया के स्थान पर श्री देवासाहायम ने 22 दिसम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से कमांडेंट के० ग्री० सु० ब० ग्रुप मुख्यालय भद्रास के पद का कार्यभार संभाल लिया भौर मेजर म्नार० सी० रमैया ने श्रीहारी कोटा रेंज को स्थानान्तरण होने पर उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से छोड़ दिया।

> नरेन्द्र प्रसाद सहायक महानिरीक्षक (कार्मिक) के०औ०सु०ब० **मुख्यालय**

नई विल्ली—110019, दिनांक 20 जनवरी 1979 सं० ई-29020/12/77-सा० प्रशा०-I----राष्ट्रपित, श्री बलराज मेहता को 25 मार्च, 1977 से केन्द्रीय ग्रीधोगिक सुरक्षा बल में मूल रूप से ग्रग्निशमन सलाहकार नियुक्त करते हैं। ग्रमर भल्ला

सहायक महानिरीक्षक (प्रशासन)

गई दिल्ली 110019, दिनांक 26 जगलरी 1979 भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 जनवरी 1979

सं० 5/3/76-म० पं० (प्रणा०-1)—इस कार्यालय की तारीख 18 सितम्बर, 1978 की समसंख्यांक ग्रिधसूचना के ग्रनु-क्रम में राष्ट्रपति, निम्नलिखित श्रिधकारियों की नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में उनके समक्ष दिणात पदों पर तदर्थ नियुक्ति की ग्रविध को 30 जून, 1979 तक या ग्रनले ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं। उनका मुख्यालय दिल्ली में ही रहेगा।

क्र०सं० ग्रधिकारीकानाम	पद का नाम
1. डा० बी० के० राय	सहायक महापंजीकार (मान- चित्र)
2. डा॰ झार॰ झार० स्निपाठी	मानचित्र भ्रधिकारी
3. श्री एस० डी० त्यागी	ग्रनुसन्धान ग्रिधिकारी

उपर्युक्त तबर्थ नियुक्तियां, संबंधित श्रधिकारियों को उन पदों पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान कहीं करेंगी ! इन पदों पर तबर्थ श्राधार पर उनकी सेवायें उन गेडों में वरिष्ठता श्रीर किसी श्रन्थ उच्च पद पर पदोन्नित के लिए नहीं गिनी जाएगी । इन तबर्थ नियुक्तियों को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

सं 10/26/76-प्रणा०- (पार्ट) — राष्ट्रपति, नहैं दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेश जनगणना कार्य (तकनीकी) श्री कें के रस्तोगी को उसी कार्यालय में तारीख 22 दिसम्बर, 1978 से 28 फरवरी, 1979 तक या जब तक पद नियमित तौर पर भरा खाए, जो भी समय कम हो, पूर्णतः श्रस्थायी शौर तदर्थ श्राधार पर उप निदेशक अनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्री रस्तोगी का मुख्यालय नई दिल्ली में ही रहेगा।

2. उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री रस्तोगी को उस पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर तदर्थ श्राधार पर उनकी सेवायें उस ग्रेड में विष्ठता ग्रीर किसी श्रन्य उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी आएगी। इस तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय जिमा कोई कारण बताए रह ग्रया जा सकता है।

पी० **पर्**मनाभ भारत के महापंजीकार

सरुदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस ग्रकादमी हैदराबाद, दिनांक 22 जनवरी 1979

मं० 15017/77-स्थापना—सिविल एक्यिशन प्रशिक्षण केन्द्र, बमरोली, इलाहाबाद से स्थानान्तरित होकर केन्द्रीय स्वास्थ्य योजना के चिकित्सा ग्रधिकारी (भ्रवर प्रथम श्रेणी भ्रफ्तर) डा० एम० एफ० जेड श्रदेनी ने श्रकादमी में दिनांक 12-1-1979 को भ्रपराह्म में स्टाफ सर्जन का कार्यभार ग्रहण किया।

प्रेमधर भालवीय उपनिदेशक (प्रशासन)

मुद्रण निवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी 1979

सं० के (23)/प्रशासन-II—मुद्रण निदेशक ने श्री कृपाल मिह, श्रोवरिमयर को 8 जनवरी, 1979 के पूर्वाह्न से, श्रगले श्रादेश होने तक, भारत सरकार मुद्रणालय, रिंग रोड, नई दिल्ली में सहायक प्रबन्धक (तकनीकी) के पद पर स्थाना-पन्न रूप में नियुक्त किया है।

सं० डी॰ (26)/प्रशासन-II—मुद्रण निवेशक ने श्री रमेश कुमार कींगरा, श्रोवरसियर को 27 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से, श्रगले श्रादेश होने तक, भारत सरकार मुद्रणालय फरीवाबाद म सहायक प्रबन्धक (तकनीकी) के पद पर स्थानापन्श्र रुप में नियुक्त किया है।

सं० ए० (8)/प्रशासन-II—मुद्रण निदेशक ने श्री प्रशोक कुमार अग्निहोत्री, श्रोबरिसयर को 29 दिसम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से ग्रगले श्रादेश होने तक, भारत सरकार मुद्रणालय नीलोखेड़ी में सहायक प्रबन्धक (तकनीकी) के पद पर स्थाना-पन रुप में नियुक्त किया है।

पी० थी० कुलकर्णी संयुक्त निदेशक (प्रशासन)

भारतीय लेखा परीक्षा तया लेखा विभाग

कार्यालयः महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-110002, विनांक 15 जनवरी 1979

सं० प्रशासन-I कार्या० म्ना० सं० 503/5-34/76-79- 2248--श्रीमान महालेखाकार इस कार्यालय के स्थायी

श्रनुभाग श्रधिकारी तथा स्थानापस लेखाधिकारी श्री श्रार० बर्दाराजन को 1 मार्च, 1974 से ६० 840-1200 के समय वेतनमान में पूर्वव्यापी प्रभाव सहित मूलतः लेखाधिकारी के एक स्थायी पद के समक्ष नियुक्त करते हैं।

> ह्स्ताक्षर श्रस्पष्ट उप-महालेखाकार (श्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय केरल तिक्वनन्तपूरम, दिनांक 15 जनवरी 1979

सं० स्थापना प्र० VII/11/9-86/खण्ड 11/11--श्री एम० गोपिनाथन नायर प्रौर श्रीमती पी० के० एलियास्मा के स्थायीकरण को 1-4-78 को पूर्व दिनांकित करने के लिए महालेखाकार, केरल संतुष्ट हुए हैं।

इस कार्यालय के नीचे बताये स्थानापत्र लेखा प्रधिकारियों (लेखा ग्रीर लेखापरीक्षक को रु० 840-40-1000 द० रो०-40-1200 के लेखा ग्रिधकारियों के ग्रेड में प्रस्येक के माम के सामने लिखित तारीख से मौलिक क्षमता म नियुक्त करने के लिए भी महालेखाकार केरल संजुष्ट हुए हैं:——

श्री भ्रार० वेंकिट नारायणन 1-4-78
 श्रीमती बी० णांतकुमारी 1-5-78
 श्री पी० ताणू भ्रय्यर 9-5-78
 श्री भ्रार० लक्ष्मीनारायणन 1-12-78

एस० जयराभन उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार महाराष्ट्र-1 का कार्यालय बम्बई 400020 विनांक 23 जनवरी 1979

सं० प्रणा० I/जैनरल/3/चा० III/सी० 1(1)/12— महालेखाकार महाराष्ट्र-1 बम्बई श्रधिनस्थ लेखा सेवा के निम्त-लिखित सदस्थों को उनके नाम के सन्मुख निर्दिष्ट किए गए दिनांक से श्रागामी श्रादेण तक स्थानापन्न रूप से लेखा श्रीधकारी नियुक्त करते हैं।

क्रमांक नाम	दिनांक
1. श्री टी० एस० चन्द्रन	30-12-78 (ग्रपराह्म)
2. श्री एन० व्ही० राजन्	21-12-78 (पूर्वाह्न)
3. श्रीपी० टी० कुलकर्णी	1-1-79 (पूर्वाह्न)

रजनी कृ० कुट्टी वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय, पूरुसीर रेलवे, ग्वाहटी-11, दिनांक 14 जुन 1978

सं० 257--- छुट्टी से लौटने पर इस कार्यालय के एक स्थायी एस० ग्रार० ए० एस० सेक्णन ग्राधिकारी (ए) श्री एस० सी० दत्ता को दिनांक 14-6-78 (पूर्वाह्म) से लेखा परीक्षा ग्रिधकारी ग्रेड, वेतनमान 840-40-1000 दक्षता-रोध-40 1200/- २० में प्रोन्नत किया जाता है तथा मंडल लेखा-परीक्षा कार्यालय, पू० सी० रेलवे, लागांडिंग में श्री एस० एम० राय

लेखा-परीक्षा श्रधिकारी, जो विदेश-सेवा पर जा रहे हैं, के स्थान पर तैनात किया जाता है: श्री एन० सी० दत्ता, श्री एम० एम० राय, मंडल लेखा-परीक्षा श्रधिकारी, लागडिंग को दिनांक 20-6-78 को निश्चित रूप से मुक्त कर देंगे।

दिनांक 31 जुलाई 1978

सं० 258—-छुट्टी से लौंटने पर, कर्मणाला लेखा-परीक्षा कार्यालय, न्यू बगाईगांव के एक स्थायी सेक्शन श्रधिकारी (लेखा-परीक्षा) श्री जे० पी० दास को दिनांक 7-8-1978 (पूर्वाह्म) से लेखा-परीक्षा श्रिष्ठकारी ग्रेड, वेतनमान 840—40-1000 दक्षतारोध-40-1200/- रु०, में कर्मणाला लेखा परीक्षा श्रधिकारी, पू० सी० रेलवे, न्यू बंगाईगांव रूप में प्रोन्नत किया जाता है।

जी० एम० मणि मुख्य लेखा परीक्षक

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय पश्चिम रेलवे

बम्बई, दिनांक 29 जनवरी 1979

सं० एम० ए०/एच० क्यू०/प्रशासन/9/1/6703—इस कार्यालय के ग्रस्थायी लेखा परीक्षा ग्रधिकारी, श्री एस० एल० राजे को दिनांक 1-4-1978 से स्थायी रूप से लेखा परीक्षा ग्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

> भ्र० ना० बिस्वास मुख्य लेखा परीक्षक

कार्यालय निदेशक, लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी 1979

सं०ए० 5425/ए० प्रणासन/130/75-78-बाह्क्यि निवृत्ति प्रायु प्राप्त करने पर श्री पी० सी० प्रधीकारी प्रस्थायी लेखा परीक्षा प्रधिकारी, दिनांक 31-12-78 (प्रपराह्म) से लेखा परीक्षा रक्षा संवाएं विभाग से सेवा निवृत्त हुए।

के० बी० दास भौमिक वरिष्ठ उप निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं

रक्षा लेखा विभाग कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 24 जनवरी 1979

सं० 68012-ए० (5)/78/प्रशा०-II—-राष्ट्रपति, श्री खेमचन्द प्रग्रवाल स्थायी लेखा श्रधिकारी को, भारतीय रक्षा लेखा सेवा (रुपये 700-1300) के नियमित संवर्ग के किनष्ठ समयमान में, स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए दिनांक 4-1-1979 पूर्वाह्न से श्रागामी ग्रादेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

नई विल्ली-22, दिनांक 23 जनवरी 1979

स० 23012/79/प्रशा०-ए—-रक्षा लेखा महा नियंत्रक, निम्नलिखित, स्थायी ग्रनुभाग श्रधिकारियों (लेखा) को, मलपद धारी लेखा श्रधिकारियों के रूप में, प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के पूर्वाक्ष से एतद्द्वारा नियुक्त करते हैं।

ऋम सं	० नाम				_		संगठन जहां सेवारत है	प्रभावी तारीख
1	2						3	4
	 सर्वश्री	-	·				}	
1.	श्रमरीक सिंह पाल .	•	•		•	•	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	3-3-1977
2.	देश राज	ı					वायु सेना, देहरादून	19-5-1977
3.	श्रद्धैत प्रकाण गुलाटी .				•		मध्य कमान, मेरठ	12-5-1978
4.	वी० एस० फ़ुरुणामूर्थी .				•	•	(श्रन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	5-11-1977
5.	देवी राम	•					मध्य कमान, मेरठ	8-9-1978
6.	वी० एन० राम	•					(भ्रत्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	6-11-1977
7.	लक्षमण जोसेफ चौलिहा						(ग्रफसर) पूना	29-12-1977
8.	भगत राम गुप्ता	•					मध्य कमान, मेरठ	26-12-1977
	ग्रजित कुमार बसु						(फ <mark>ैक्ट्रीज</mark>), कलकत्ता	23-12-1977
10.	के० आर० सर्मा .						उत्तरी कमान, जम्मू	29-12-197
11.	गिरधारी लाल मित्तल						मध्य कमान, मेरठ	23-12-197
12.	राजेन्द्र सिंह ग्रहलुवालिय	T					मध्य कमान, मेरठ	31-12-197
	गोपाल नारायण भाटिया						वायु सेना, देहरादून	23-12-197
14.	एम० एन० बोस .						फॅक्ट्रीज, कलकत्ता	23-12-197
	एन० सी० कश्यपं,				•		पेंगन, इलाहाबाद	23-12-197
16.	एस० एन० बसु .					,	पटना, पटना	14-1-197
	पी० श्रार० मल्होत्रा .			•	•	•	मध्य कमान, मेरठ	23-12-197
18.	ग्रब्दुल वाजिद			•			पटना, पटना	23-12-197
19	धर्म देव हांडा .			•			पश्चिमी कमान, मेरठ	23-12-197
	विद्यासागर त्रिखा .			•	•	٠.	पश्चिमी कमान, मेरठ	12-1-197
21.	भ्रार० एन० उपाध्याय			•			(श्रन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	23-12-197
	एस० के० सोनी .			•			पटना, पटना	23-12-197
	लक्षमणदास .						पश्चिमी कमान, मेरठ	23-1-197
	नागरमल महाजन .				•		पश्चिमी कमान, मेरठ	9-2-197
	शान्ति स्वरूप शर्मा .				•		पेंगन, इलाहाबाद	23-12-197
26.	प्रीतम सिंह बवेजा .						पश्चिमी कमान मेरठ	23-12-197
	वी० एल० शर्मा .						फैक्ट्रीज, कलकत्ता	23-12-197
	एच० सी० दास .						पटना, पटना	13-1-197
	मदन गोपाल सूरी	•				_	विक्षणी कमान, पूना	23-12-197
	मनोहर लाल .			•	_		पेंशन, इलाहाबाद	23-12-197
	म्रोम प्रकाश वर्द .						वायु सना, देहरादून	23-12-197
	भगवत प्रसाद शर्मा .			•			मध्य कमान, मेरठ	23-12-197
	बिद्धूरामखरवाल .						वायु सेना, देहराषून	23-12-197
	एम० वी० मनदावाग्ने .			•			दक्षिणी कमान, पूना	29-12-197
	सोहन लाल कपूर .			•	•		पश्चिमी कमान, मेरठ	20-1-197
	पी०क०मुखर्जी .						फैक्ट्रीज, कलकत्ता	14-1-197
	म्रार०पी०भारक्षाज				•		पशन, इलाहाबाद	23-12-197
	हाकिम चन्द		•				वायु सेना, देहरादून	23-12-197
	एन० सी० फड़कं .		_		_	,	म्रफसर, पूना	12-1-197

1 2					3	4
सर्वेश्री	بند اسا که بیری بیر نکر		<u> </u>	·		
40. ए० के० सावर गावंकर	•				श्रफसर, पूना	23-12-197
41. नौरंग लाल गुप्ता .					ग्रन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	22-1-197
42 जे० ग्रार० बाली	•				श्रफसर, पूना	21-1-197
43. एस० एल० तिवारी .	•			4	वायु सेना, देहरादून	30-12-197
44. रामजी दास कपूर .					भ्रन्य रैक, वक्षिण, मद्रास	12-1-197
45. सुशील कुमार गांगुली .			•	٠.	फैक्ट्रीज, कलकत्ता 🕝	12-1-197
46 म्रोम प्रकाश शर्मा .			•		पश्चिमी कमान, मेरठ	31-1-197
47. अहादत्त	•				पटना, पटना	31-1-197
48. सी० ग्रार० सेन गु ^ए ता	•	•			फैक्ट्रीज, कलकत्ता	3-2-197
49. सी०सी०श्रीवास्तव .					ग्रफंसर, पूना	28-1-197
50. ग्रारदेव राजन .					भ्रफसर, पूना	3-2-197
51. भार० एल० शर्मा					पण्चिमी कमान, मेरठ	19-1-197
52. ग्रो०पी० शरन					ग्रन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	28-1-197
53. हेमराज शर्मा					भ्रन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	20-1-197
54. मदन लाल छिन्बर					पश्चिमी कमान, मेरठ	17-1-197
55. एम० कांडास्वामी .	•	•	-	•	ग्रफसर, पूना	23-1-197
56. वी० सुन्नह्मण्यन .	•	•		•	अफसर, पूना	18-6-197
57. मुकन्द ल(ल सहगल .	•	•	•	•	मध्य कमान, मेरठ	18-3-197
58. पी० सत्यानारायण राव	•	•	•	•	भ्रन्य रैंक, दक्षिण, मद्रास	2-2-197
59. मन मोहन सिंह .	•	•	•	•	उत्तरी कमान, जम्मू	23-2-197
60. ई० एम० वारियर .	•	•	•	•	नौ सेना, बम्बई	3-2-197
61. सी० म्रार० मजुमदार .	•	•	•	•	पटना, पटना	16-2-197
62. ई० ग्रार० चक्रवर्यी .	•	•	•	. •	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	22-3-197
02: ६० आ २० पत्तवमा . 63. सोहन लाल भसीन .	•	•	•	•	उत्तरी कमान, अम्मू	19-3-197
64. प्रताप सिंह .	į	•	•	•	पश्चिमी कमान, मेरठ	
	•	•	•	•	पश्चिमी कमान, मेरठ	23-3-197
65. ऋषि राम सरीन . 66. एस० एम० दूबे .	•	•	•	•		1-3-197
***	•	•	•	•	मध्य कमान, मेरठ फ ौकरिक सक्कार	2-3-1978
67. ई० भानुनय .	•	•	•		फैक्ट्रीज, कल्क्सा	4-3-197
68. एस० पी० कपिला .	•	•	•	•	पंशन, इलाहाबाद	1-4-197
69. सी० ग्रार० नायडू .	•	٠	•	•	भ्रफसर, पूना ————————————————————————————————————	29-4-197
70. ए० जम्बूनाथन .	•	•	•	•	श्रन्य रैंक, दक्षिण, मद्रास	12-5-197
71. ग्रमरीक सिंह चतरथ .	•	•	•	` •	पेंशन, इलाहाबाद	13-4-197
72. ई० एस० गावसकर .	٠	•	•	•	दक्षिणी कमान, पूना	6-4-197
73. वी०पी०मुत्रीकर .	•	•	•	•	नौ सेना, बम्बई	2-4-197
74. के० वी०वर्षीस .	•	•	•	•	फैक्ट्रीज, कलकसा	1-4-197
75. एम० पी० पद्मानाभा पिल्ले	•	•	•	•	ग्रफसर, पूना	1-4-197
76. वेद प्रकाश भ्रम्भवाल .	•	•	•	•	मन्य रैंक, उत्तर, भेरठ	31-5-197
77. परमाल सिंह .	•	•	•	4	फैक्ट्रीज, कलकत्ता	24-5 - 197
78. वी० वेन्यूगोपालन .	•	•	•	•	दक्षिणी कमाम्, पूना	2-6-197
79. मदन लाल कक्कड़ .		•	•	· •	मध्य कमान, मेरठ	1-5-197
80. जगदीश नाथ जैन .	•	•	•	•	मध्य कमान, मेरठ	1-5-197
81. कुलवंत सिंह .	•	•	•	•	मध्य कमान, मेरठ	20-7-197
82 चिन्तामणी जेटली .		•			मध्य कमान, मेरठ	5-7-197
83. डी०ए०रामकृष्णन .	•	•			नौ सेना, बम्बई	1-5-197
84. राम नन्दन प्रसाद .					पेंशन, इला हा बाद	1-6-197

1	2	,-			3	4
<u> </u>	सर्वश्री			— 		
85.	एम० जी० जगदाले .	•		•	. भ्रफसर, पूना	5-6-1978
86.	वी० शेषगिरि राव .				. दक्षिणी कमान, पूना	6-6-1978
87.	काली प्रकाश भ्रानन्द .				. उत्तरी कमान, जम्मू	14-6-1978
	रघुनाथ सहाय शर्मा .				. भ्रन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	7-6-1978
89.	जगमोहन लाल शर्मा .	•	•		. भ्रन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	5-7-1978
90.	एम० एम० सचदेवा .				. मध्य कमान, मेरठ	30-7-1978
91.	भोला नाथ नोटियाल	•			. पेंशन, इसाहाबाद	1-6-1978
92.	मदन लाल सेठ .	•	•		. फैक्ट्रीज, कलकत्ता	14-6-1978
93.	श्यामल देव ,				. पटना, पटना	22-7-1978
94.	बी० नारायण राव .				. वायु सेना, वेहरादून	1-6-1978
95.	अगजीत सिंह .				दक्षिणी कमान, पूना	14-6-1978
96.	कृष्ण लाल माकिन .				. मध्य कमान, मेरठ	30-6-1978
97.	एम० एम० गांगुली .				. फैक्ट्रीज, कलकत्ता	1-6-1978
98.	वेद प्रकाश भगत .				. भ्रफसर, पूना	31-7-1978
99.	बलदेव कृष्ण .				. भ्रफसर, पूना	14-6-1978
100.	सी० सूर्यं नारायणन .				. मध्य कमान, मेरठ	26-6-1978
	वीरेन्द्र वर्मा			•	. भ्रन्य रैंक, दक्षिण, मद्रास	28-6-1978
102.	ए० के ० नन्दी .			•	. पटना, पटना	21-6-1978
103.	ए० जानकी रामन .				. वायु सेना, देहरादून	1-6-1978
104.	रणधीर सिंह .				. मध्य कमान, मेरठ	9-8-1978
105.	ए० ग्रार० चन्द्रशेखर राज्				. श्रन्य रैंक, दक्षिण, मद्रास	13-8-1978
106.	श्रोम प्रकाश जयरथ .				. श्रन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	22-7-1978
107.	प्रवेश कुमार सहगल .			•	. वायु सेना, देहरादून	31-7-1978
	सरदारी लाल कुकरेजा	•		,	. भ्रन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	20-8-1978
109.	प्यारा लाल कुमार .				. दक्षिण कमान, पूना	26-7-1978
	वी०सम्पथ .				. वायु सेना, देहरादून	1-7-1978
111.	वेद प्रकाश शर्मा .				. भ्रन्य रैंक, दक्षिण, मद्रास	27-7-1978
112.	डी०के०कार .				. पटना, पटना	22-7-1978
113.	सी० राधांकृष्णन .				. फैक्ट्रीज, कलकत्ता	19-7-1978
114.	विलोक सिंह नैयर .				. ग्रन्य रैंक, दक्षिण, मद्रास	30-7-1978
115.	कंवल नयन मलहोता .				. मध्य कमान, मेरठ	29-7-1978
116.	मदन लाल गर्मा .			•	. भ्रन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	4-9-1978
117.	पी०एल०शर्मा .				. ग्रफसर, पूना	30-8-1978
	एस० एस० लाम्बा .				. उत्तरीकमान, जम्मू	18-10-1978
	सी०भार०गांगुली .		-		. पेंशन, इलाहाबाद	4-9-1978
	वी० वो० रामरथनम्				. दक्षिणी कमान, पूना	10-9-1978
	जी०एल०सरकार .	•			. पटना, पटना	13-9-1978
	वी० एस० ग्रठवले				. ग्रफसर, पूना	1-9-1978
	वी० स्वामी नाथन .	•		•	दक्षिणी कमान, पूना	8-9-1978
	एन० सी० चक्रवर्ती .			_	. फैक्ट्रीज, कलकत्ता	21-9-1978

एस० एम० चट्टोपाध्याय रक्षा लेखा उप महा नियंत्रक (कार्मिक) रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, श्रार्डनेन्स फैक्टरियां, भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा कलकत्ता, दिनांक 17 जनवरी, 1979

श् द्धिपत्न

सं० $2/\sqrt{30}$ ०/79—गजट ग्रधिसूचना संख्या $41/75/\sqrt{30}$ दिनांक 28-10-1975 के कम संख्या 1के सामने दर्ज प्रविष्टि के स्थान पर नीचे लिखे ग्रनुसार किया जाय।

श्री एन० के० पद्मनाभन् पहली ग्रर्पेल, 1974 स्थायी महाप्रबन्धक ग्रेड-Ш (निकटसम नीचे नियम के ग्रन्सर्गत)

> वी० के० मेहता महायक महानिदेशक ग्रार्डनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्य, नागरिक श्रापूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय (वाणिज्य विभाग) मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1979 श्रायात एवं निर्यात ज्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/1261/78-प्रणा० (रा०)/1092—संयुक्त मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में श्री के० एस० सहस्रानमन स्थानापन्न नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात को सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी लेने केपण्चात् 11 दिसम्बर, 1978 (ग्रपराह्म) से सरकारी सेवा से स्वेच्छापूर्वक सेवा-निवृत्ति होने की ग्रनुमति दी जाती है।

सं० 6/930/71-प्रणा० (रा०)/1100—उप मुख्य नियं-त्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, फरीवाबाद में श्री केवल कृष्ण, स्थानापन्न नियंत्रक, श्रायात-निर्यात को सेवा-निवृत्ति पूर्व छुट्टी लेने के पश्चात् 30 नवम्बर, 1978 (श्रपराह्न) से सरकारी सेवा में स्वेच्छापूर्वक सेवा-निवृत्त होने की श्रनु-मित दी जाती है।

> का० वें० शेषाद्रि मुख्य नियंत्रक ग्रायात-निर्यात

पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय (प्रशासन ग्रनुभाग-1)

नई दिल्ली, धिनांक 23 जनवरी 1979

सं प्र0-1/1 (509)——निवेशक पूर्ति तथा निपटान, कलकत्ता के कार्यालय में स्थानापन सहायक निवेशक श्री ए० सी० मोजुमदार निवृत्तमान श्रायु (58 वर्ष) होने पर दिनांक 31-12-78 के पूर्वाह्न से सरकारी मेवा से निवत हो गए। सूर्य प्रकाण उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक

> (प्रणासन ग्रनुभाग-6) नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1979

सं० ए०-17011/143/78-प्र०-6—महानिदेशकः, पूर्ति तथा निपटान ने निरीक्षण निदेशकः, उत्तरी निरीक्षण मंडल के कार्याल में भंडार परीक्षक (इंजी०) श्री जसवन्त सिंह को विनांक 29-12-78 के पूर्वाह्म से ग्रीर ग्रागामी ग्रादेशों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशकः, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निरीक्षण ग्राधिकारी के पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त कर दिया है।

सं० ए०-17011/144/78-प्र०-6---महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने निरीक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मंडि के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजी०) श्री ग्रार० एस० विश्वास को दिनांक 28-12-78 के पूर्वाह्म से श्रीर श्रागामी ग्रादेशों के जारी होने तक इस महानिदेशालय के ग्रधीन बम्बई निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षण श्रिकारी (इंजी०) के पद पर तवर्ष ग्राधर पर स्थानापन रूप से नियुक्त किया है।

पी० डी० सेठ उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक

इस्पात ग्रीर खान मंत्रालय इस्पात विभाग लोहा ग्रीर इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 26 दिसम्बर 1978

सं० ईस्की (मुग्रावजा/नीति)/5336(·)—भारतीय लोहा ग्रीर इस्पात कम्पनी (शेयर श्रर्जन) (1976 के केन्द्रीय प्रधिनियम 89) की धारा 5(2) के ग्रन्तर्गत भुगतान प्रायुक्त की हैस्यित से मुझे विये गये ग्रधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं श्री एस० के० हाजरा को, जिनकी नियुक्ति केन्द्रीय सरकार के ग्रधिकारों की हैस्यित से इस्पात विभाग की ग्रधिसूचना दिनांक 30-10-1978 के माध्यम से की गई थीं और जिसकी सूचना हमें 30-10-1978 के मंत्रालय के पत्नांक संख्या 8 (108)/76-के०-1 के ग्रन्तर्गत भेजी गई थीं, मैं एतद्द्रारा ग्रपने लिए ग्रीर ग्रपनी ग्रीर से भुगतान ग्रायुक्त के रूप में उक्त ग्रधिनियम की धारा 8 ग्रीर 10 में प्रदत्त सभी या किसी भी ग्रधिकार के सम्पादन के लिए ग्रीधकृत करता है।

सं०-ईस्की (मुम्रावजा/नीति)/5337(.)—भारतीय लोहा श्रीर इस्तात करपनी (शेयर धर्जन) (1976 के केन्द्रीय प्रधि-नियम 89) की धारा 5 (2) के ग्रन्तगंत भुगतान श्रायुक्त की हैसियत से मुझे दिये गए श्रधिकारों का प्रयोग करते हुए में श्री एच० एम० दास को, जिनकी नियुक्ति केन्द्रीय सरकार के श्रधिकारों की हैसियत से इस्तात विभाग की प्रधिस्तवना दिनांक 16-12-1978 के माध्यम से की गई थी ग्रीर जिसकी सूचना हमें 16-12-1978 के मंत्रालय के प्रकांक संख्या 8 (108)/76 के०-1 के श्रन्तगंत भेजी गयी थी, मैं एतद्द्रारा अपने लिए श्रीर श्रगनी श्रोर से भुगतान श्रायुक्त के रूप में उक्त प्रधिनियम की धारा 8 श्रीर 10 में प्रवत्त सभी या किसी भी श्रधिकार के सम्पादन के लिए प्राधिकृत करता है।

पी० के० सरकार भुगतान भ्रायुक्त

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 24 जनवरी 1979

सं० ए०-19011 (253)/76-स्था०-ए०—राष्ट्रपति, श्री एस० श्रार० काटे, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (खनिज यांशिकी) को सहायक खान नियंत्रक के पद पर र० 700-40-900-द०रो०-40-1100-50-1300 के वेतन पर भारतीय खान ब्यूरो में 6 माह के लिये तदर्थ श्राधार पर दिनांक 23-12-78 के यूत्रीस्न से श्रागामी श्रादेश होने तक नियुक्ति प्रवान करते हैं।

एस० ज्ञालगोराल कार्यालय ग्रध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय (शिक्षा विभाग)

मई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी 1979

सं० एफ० 8-58/78-प्रो० शि०-1--राष्ट्रीय शैक्षिक प्रमुसंद्यान एवं प्रशिक्षण परिषद से स्थान्तरण (प्रतिनियुक्ति पर) श्री सान्तीदत्त, सम्पादक को 1-1-1979 (पूर्वाह्न) से 1100-1600 रुपये के वेतनमान में प्रौढ़ शिक्षा निदे-शालय, नई दिल्ली में एक वर्ष की अवधि के लिए उप निदेशक के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है। एच० एच० पवार

उप शिक्षा सलाहकार

श्रकाशाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1979

आदेशों तक, दूरवर्शन केन्द्र, अम्बई में, सहायक अभियंता के पद पर, अस्थायी रूप से, नियुक्त करते हैं।

> जे० भ्रार० लिखी प्रमासन उपनिदेशक इस्ते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी 1979

सं० 4 (112)/77-स्टाफ-1—महानिवेशक, माकाशवाणी एतद्हारा श्री सलामुद्दीन बजद को 20 नवम्बर, 1978 से अगले म्रादेश होने तक ग्रस्थायी रूप से कार्यक्रम निष्पादक, रेडियो कश्मीर, जम्मू नियुक्त करते हैं।

> ए० के० बोस, प्रशासन उपनिवेशक कृते महानिवेशक

चिकित्सा ग्रधीक्षक का कार्यालय सफदरअंग ग्रह्मताल

नई दिल्ली-16, दिनांक 29 नवम्बर 1978

केन्द्रीय सिविज सेता (ग्रस्थायी) सेवा (नियम 1965) के नियम 5(1) के भ्रन्तर्गत जारी किया गया सेवा समाप्ति का नोटिस ।

सं० पी० एफ०-2587/78-प्रणा०-2-केन्द्रीय सिविल सेवा (ग्रस्थायी) सेवा नियम 1965 के नियम 5 के उप-नियम (1) के अनुसरण में मैं श्रीमती सोसम्मा थोमस, स्टाफ नर्स, रैंक नं० 2587 को नोटिस वेता हूं कि जिस तारीख को उन्हें इस नोटिस की तामील की जाती है या इसे पण किया जाता है, जैसी भी स्थित हो, उसके बाव एक महीने की श्रमधि जिस तारीख को समाप्त होती है उस तारीख से उनकी सेवा समाप्त हो जाएगी।

डा० नन्द लाल प्रमानिक चिकित्सा ग्रधीक्षक सफदरजंग ग्रस्थताल

कृषि ग्रौर सिचाई मंत्रालय (कृषि विभाग) विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, विनांक 6 जनवरी, 1979

सं० 5-36/78-स्था० (I)—श्री म्रोमप्रकाश गुप्त, उपसंपादक (हिन्दी) को विस्तार निदेशालय, कृषि मौर सिचाई मंत्रालय (कृषि विभाग) में स्थानापन्न सहायक संपादक (हिन्दी) समृह व (राजपितत) रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनपान में पूर्गतः तदर्थ रूप में 7 विसम्बर, 1978 से 3 महीने की भ्रवधि तक के लिए पदोन्नत किया गया।

दिनांक 31 जनवरी 1979

सं० 2-11/77-स्था० (1)—महायक प्रदर्शनी आधिकार। (कोटि प्रथम) के पद पर श्री एन० शिवारामा कृष्णन की तदर्थ नियुक्ति 26 जुलाई, 1978 में श्रामे श्रीर 28 फरवरी, 1979 तक बनी रहेगी।

बद्रीनाथ चढ्ठा निदेशक प्रशासन

(ग्रामीण विकास विभाग) विषणन एवं निरिक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 24 जनवरी 1979

सं० ए० 19025/119/78-प्र०(I)—-प्रंघ लोक सेवा प्रायोग की संस्तुतियों के प्रनुसार श्री ग्रम्बा दास सदाणिय वासनिक को इस निवेणालय में कलकत्ता में दिनांक 30-12-78 (पूर्वाह्म) से ग्रगले ग्रादेशों तक स्थानापन्न रूप में महायक विषणन ग्रीधिकारी (वर्ग-I) नियुक्त किया गया है।

> बी० एल० मनिहार, प्रशासन निदेशक इ.ते कृषि विपणन सलाहकार

भागा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 16 दिसम्बर, 1978

सं० पी० ए०/73(13)/78-ग्रार०-4—निदेशक, भाभा परमाणु ग्रनुसंधान केन्द्र, डा० (श्रीमती) चन्द्रप्रभा सत्य-प्रकाण मित्तल को, इसी ग्रनुसंधान केन्द्र के चिकित्सा प्रभाग में 7 दिसम्बर, 1978 के पूर्वाह्म से 5 जनवरी, 1979 के ग्रपराह्म तक, बिलकुल ग्रस्थायी रूप से स्थानिक चिकित्सा श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/73 (13)/78-प्रार०-4—-निदेशक, भामा परमाणु प्रनुसंधान केन्द्र, डा० (कुमारी) वरिन्दर बलवन्त सिंग कौर को, इस प्रनुसंधान केन्द्र के चिकित्सा प्रभाग में, 7 दिसम्बर, 1978 के पूर्वाह्म से 5 जनवरी, 1979 के प्रगरह्म तक, बिलकुल प्रस्थायी रूप से स्थानिक चिकित्मा प्रधकारी नियुक्त करते हैं।

विनांक 4 जनवरी, 1979

सं० पी० ए०/73 (13)/78-प्रार०-4-- तमसंख्यक ग्रिधि-सूचना दिनांक 16 दिसम्बर, 1978 के सिलिसिले में, निदेशक, भागा परमाणु प्रनुसंधान केन्द्र, डा० (श्रीमती) धन्द्रप्रभा सस्यप्रकाण मित्तल को, इस ध्रनुसंधान केंद्र के चिकित्सा प्रभाग में प्रतिरिक्त प्रविध 6 जनवरी, 1979 के पूर्वीह्न से 5 फरवरी, 1979 के प्रभराह्न तक, बिलकुल ग्रस्थायी रूप से स्थानिक चिकित्सा श्रिधिकरी नियुक्त करते हा

सं० पी० ए०/73 (13)/78-ग्रार०-4--समसंख्यक श्रधि-सूचना दिनांक 16 दिसम्बर, 1978 के सिलसिले में, निदेशक, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र, डा० (कुमारी) वरिन्दर बलबन्त सिंग कौर को, इस भ्रनुसंधान केन्द्र के चिकित्सा प्रभाग में, श्रतिरिक्त श्रवधि 6 जनवरी, 1979 के पूर्वाह्न में 5 फरवरी, 1979 के श्रपराह्म तक. बिल्कुल श्रस्थायी रूप से, स्थानिक चिकित्सा श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

> गसः रंगनाथन उप-स्थापना स्रधिकारी (स्नारः)

परमाणुउर्जाविभाग क्रय श्रीर भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, विनांक 24 जनवरी 1979

सं० डी० पी० एस०/2/1 (25)/77 प्रणासन/3386— इस निदेशालय की समसंख्यक ग्रिधिसूचना दिनांक 19 ग्रक्तूबर, 1978 के त(रतस्य में निदेशक, ऋय ग्रीर भंडार, परमाण् ऊर्जा विभाग इस निदेशालय के रेखाकार श्री नल्लूबाई हरिहर एँग्यर कृष्णन को स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा ग्रिधिक री के पद पर इसी निदेशालय में ग्रिग्रिम समय 31 मार्च, 1979 ग्रथवा ग्रिग्रिम ग्राहेशी तक, जो भी पहले हो, तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० डी० पी० एस०/2/1 (25)/77 प्रणासन/3392— निदेशक, ऋय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री के० एल० उपाध्याय, सहायक भंडार प्रधिकारी को श्रवकाण स्वीकृत होने के कारण, श्री टी० सी० मिलक, भंडारी को, महायक भंडार प्रधिकारी पद पर स्थानापन्न रूप से क्पये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के बेतन ऋम में विनांक 3-10-78 पूर्वाह्म से 3-11-78 श्रपराह्म तक इसी निदेशालय में नियुक्त करने हैं।

> भा० ग० कुलकर्णी सहायक कार्मिक श्रधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 25 जनवरी, 1979

सं० 05052/78/401—भारी पानी परियोजना के विशेष-कार्य-प्रधिकारी, श्री पच्चमपेट गोपालन श्रीनिवासन, प्रस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' भारी पानी परियोजना (तूलीकोरीन) को उसी परियोजना में एक प्रगस्त पूर्वाह 1978 से प्रागे श्रादेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक प्रधिकारी/प्रभियन्ता (ग्रेड एस० वी०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/78/402—भारी पानी परियोजना के विशेष कार्य प्रधिकारी, श्री श्रीनिवासन मनोनमनी, श्रस्थायी वैज्ञानिक सहायक मी, भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) को उसी परियोजना में एक अगस्त, पूर्वाह्न, 1978 से श्रामे श्रावेश होने तक के लिए स्थानापन्न बैज्ञानिक श्रिधकारी श्रीभयन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते है।

मं० 05052/78/इ०/403—भारी पानी परियोजना के विशेष कार्य ग्रधिकारी, श्री सेउगन ग्रलागप्पन, ग्रस्थायी वैज्ञानिक सहायक-सी, भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) को उसी परियोजना में एक ग्रगम्त, पूर्वाह्न 1978 से ग्रागे ग्रादेण होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक ग्रधिकारी/ग्रभियन्ता (ग्रेष्ट एम० बी०) नियुक्त करते हैं।

मं ० 05052/78/404—भारी पानी परियोजना के, विशेष कार्य ग्रिधकारी, श्री चिदाम्बरम् रामईया, ग्रस्थायी वैज्ञानिक महायक 'सी', भारी पानी परियोजना (तूतीकोरीन) को, उसी परियोजना में एक ग्रगस्त 1978 (पूर्वाह्न) से ग्रागे ग्रादेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक ग्रिधकारी/ग्रिभियन्ता (ग्रेड एस० वी०) नियुक्त करते हैं।

मं० 05052/78/405—भारी पानी परियोजना कें, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री रामचन्द्र वेंकटरामन, ग्रस्थायी फोरमैन, भारी पानी परियोजना (त्तीकोरीन) को, उसी परियोजना में एक श्रगस्त, 1978 पूर्वाह्न से श्रागे श्रादेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक श्रधिकारी/ग्रभियन्ता (ग्रेड एम० वी०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/78/406—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-ग्राधकारी, श्री नेलायपन रामस्वामी, ग्रस्थायी फोरमैन, भारी पानी परियोजना (तूतीकोरीन) को उसी परियोजना में 1 श्रगस्त, पूर्वाह्म, 1978 से ग्रामें आदेण होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक श्रधिकारी/ग्रभियन्ता (ग्रेड एम० बी०) नियुक्त करते हैं।

मं० 05052/78/407—भारी पानी परियोजना कें, विणेष कार्य अधिकारी, श्री नारायण स्वामी श्रीनिवासन, अस्थायी फोरमेन, भारी पानी परियोजना (तूतीकोरीन) को उसी परियोजना में एक अगस्त पूर्वाह्न, 1978 से आगे आदेण होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/ प्रभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन वरिष्ठ प्रशासन श्रधिकारी

श्रन्तरिक्ष विभाग

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन

भ्रहमदाबाद-380053, दिनांक 23 जनवरी 1979

सं० टी० ई० एस० सी०/62/79— ग्रन्सिरिक्ष उपयोग केन्द्र के निदेशक ने श्री मनजेरी रंगनाथन गोपालकृष्णन को इंजीनियर एस० बी० के पद पर ग्रस्थायी रूप में श्रन्तिरिक्ष विभाग, भारतीय श्रन्तिरिक्ष श्रनुसंधान संगठन के श्रन्तिरिक्ष उपयोग केन्द्र में 17 नवम्बर, 1978 पूर्वाह्न से 31 श्रगस्त, 1979 तक की श्रवधि के लिए नियुक्त किया है।

> एस० जी० नायर प्रधान कार्मिक ग्रौर सामान्य प्रशासन

पर्यटम ग्रीर नागर विमानन मन्द्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1979

सं० ए०-32013/19/78-बी० ई००—राष्ट्रपति ने ए मार्गाल जफर अहीर, पी० बी० एस० एम०, ए० बी० एस० एम०, को 20 जनवरी, 1979 (पूर्वाह्म) से, तथा अगले श्रादेशों तक, प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर नागर विमानन का महानिवेशक नियुक्त किया है।

> एस० एकाम्बरम उप स<mark>चिव</mark>

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 19 जनवरी 1979

सं० ए० 35018/2/78-ई०-I—इस विभाग की दिनांक 30 विसम्बर, 1978 की ग्रिधसूचना सं० ए० 35018/2/78-ई०-1 का श्रांशिक संगोधन करते हुए राष्ट्रपति ने श्री भवानी मल, श्राई० पी० एस० (राजस्थान, 1950) को दिनांक 27 नवम्बर, 1978 से प्रथमतः एक वर्ष की ग्रिषधि के लिए ६० 2500—125/2—2750 के वेतनमान में निदेशक नागर विमानन सुरक्षा व पदेन ग्रितिरिक्स महानिदेशक नागर विमानन के रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 20 जनवरी, 1979

सं० ए० 19012/1/79-हिन्दी—महानिदेशक नागर विमानन के श्री मन्तराम लिपाठी को दिनांक 26-12-1978 (पूर्वाह्म) से तथा अन्य श्रावेश होने तक नागर विमानन विभाग में तदर्थ श्राधार पर हिन्दी ग्रधिकारी के रूप में नियुक्त किया है श्रीर उन्हें उसी तारीख से प्रिंसिपल, नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद के कार्यालय में तैनात किया है।

दिनांक 22 जनवरी 1979

सं० ए०-19012/2/79-हिन्दी—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एन० सदाशियन को दिनांक 11 जनवरी. 1979 (पूर्वाह्म) से तथा ग्रन्य ग्रादेश होंने तक नागर विमानन विभाग में तदर्थ ग्राधार पर हिन्दी ग्रिधिकारी के रूप में नियुक्त किया है ग्रीर उन्हें उसी तारीख से क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, मद्रास क्षेत्र, मद्राम एयरपोर्ट, मद्राम में तैनात किया है।

हरबंस लाल कोहली निवेशक प्रशासन नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1979

सं० ए० 39013/1/79-ई० ए— महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एफ० एन० बुहारीयाला, सहायक विमानन क्षेत्र श्रीकारी बस्बई एयरपोर्ट, बस्बई का दिनांक 20 जनवरी, 1979 (पूर्वाह्म) से सरकारी सेवा से त्यागपत्र स्वीकार कर जिया है।

सी० के० वत्स सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, विनांक 25 जनवरी 1979

सं 1/8/78-स्था० — विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद् द्वारा श्री सुरेश दत्त श्रवस्थी को 25 श्रवतूबर, 1978 के पूर्वाह्न से श्रीर श्रागामी श्रादेशों तक देहरादून गाखा में अस्थायी रूप से सहायक श्रीभयंता नियुक्त करते हैं।

सं । 1/11/78-स्था - विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतव् द्वारा श्री जान सिरुवा को 30 श्रगस्त, 1978 के पूर्वाल्ल से श्रीर श्रागामी भादेशों तक श्रावीं शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक श्रीभयंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/430/78-स्था०—िविदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद् द्वारा देहरादून के अधीक्षक, श्री नारायण सिंह को एकदम तदर्थ आधार पर अल्पकालिक रिक्त स्थान पर 16 मई, 1977 से 8 जुलाई, 1977 (दोनों दिनों समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पा० कि० गोविंद नायर निदेशक (प्रशा०) **कृते** महानिशदेक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय इन्दौर-452001, दिनांक 2 जनवरी 1979

सं० 11/1978—मध्य प्रदेश केन्द्रीय उत्पाद णुल्क समाह-तालय इन्दौर के बहुपदीप घिषकारी रैंज गिहोरा तैनात श्री इ० ए० थिम्रोडोर, ग्राधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क 'ख) श्रेणी 'ख' ने निवर्तन की ग्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 31-10-1978 के ग्रपराह्म से सेवा मुक्त कर दिए गए हैं।

मध्य प्रदेश केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय इन्दौर के प्रभागीय कार्यालय जबलपुर में तैनात श्री पी० श्रार० सामा, श्रधीक्षक (नीवारक) के० उ० शुल्क, श्रेणी 'ख' ने निवर्तन की श्राय प्राप्त करने पर दिनांक 30-11-1978 के श्रपराह्म से सेवा मुक्त कर दिए गए हैं।

विनांक 20 जनवरी 1979

सं० 1/79—निम्नलिखित निरीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (प्र० श्रे०) की ग्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी "ख" के पद पर पदोन्नति होने पर उन्होंने उनके नाम के सामने ं दर्शार्य। तिथि से श्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद गुल्क श्रेणी 'खा'' के पद के कार्यभार ग्रहण किये हैं।

ग्रं० किं०	श्रधिकारी का नाम	तैनात का पद	कार्यंभार ग्रहण करने की तिथि
1.	श्री एच० एस० महात्मे	सिहोरा (जबलपुर प्रभाग)	29-11-78 पूर्वा स
2.	श्री ए० एन० खडालकर	मधीक्षक म्राउटर-1 रायपुर	23-12-78 पूर्वाह्य
3.	श्री व्ही० एस० सप्तर्षी	ग्रघीक्षक रेंज-I जबलपुर	26-12-78 भ्रप ाह्य

दिनांक 23 जनवरी 1979

सं० 2/79 मध्य प्रदेश केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहत्ती-लय के श्री टी० के० साधवानी, ग्रधिक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी "ख" इटारसी में तैनात ने निवर्तन की ग्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 30-11-78 के श्रपराह्म से सेवा मुक्स कर दिए गए हैं।

> मनजीत सिंह बिम्द्रा, समा**ह**सी

वक्षिण पूर्व रेलवे

कलकत्ता-43, दिनांक 27 जनवरी 1979

सं० पी०/जी०/14 डी/2/कान्फ/पार्ट-II—लेखा विभाग के निम्नांकित स्थानापन्न श्रेणी II श्रिधिकारियों का पुष्टीकरण इस रेलवे के उसी विभाग में सहायक लेखा श्रिधकारी (श्रेणी II) के रूप में प्रत्येक के सामने उल्लिखित तिथि से किया जा रहा है:—

——- ऋम सं∘	नाम	पुष्टीकरण की तिथि
	श्री ग्रार० एस० पाण्डेय श्री जी० रथ	1 नवम्बर, 1976 1 मा र्च , 1977

जे० एस० डी० डेविड महाप्रबन्धक विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय
कम्पनी कार्य विभाग
कम्पनी विधि बोर्ड
कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 ग्रौर के वीजयोर सेविंग्स एण्ड फाईनान्स कम्पनी प्राईवेट लि० के विषय में।

कटक, विनांक 18 जनवरी 1979

सं० एस० ग्रो० 727/3825 (2)—कम्पनी ग्रधि-नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतब्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवसान परवीबयोर सेविंग्स एण्ड फाईनान्स कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिणित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा ग्रौर उक्त कम्पनी विवटिस कर दी जाएगी ।

> दलीप कुमार पाल, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, उड़ीसा

कम्पनी अधिनियम 1956 पूर्व मेसर्स साहने होटल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 12 जनवरी 1979

सं० 13520/560 (3)—कम्पनी प्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारां (3) के प्रनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भ्रवसान पर मैंसर्स साहने होटल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जाएगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

> कम्पनी श्रधिनियम 1956 एवं मैसर्स डिस्पले एंड डेकोरेसंस प्राईनेट लिमिटेड के विषय में।

> > बम्बई, 12 जनवरी 1979

सं० 12266/560 (3)——कम्पनी प्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैंसमं डिस्पले एन्ड डेकोरेसन्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> एल० एम० गुप्ता, कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 ग्रौर हारठाबोरै टी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में। मद्रास, दिनांक 17 जनवरी 1979

सं० 4323/560(3)/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में एतदुद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर हारठादौरे टी-प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर करलायम ट्रान्सपोर्ट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में । मद्रास, दिनांक 17 जनवरी 1979

सं० 4363/560 (3)/79—कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ध्रनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ध्रवसान पर करलायम ट्रान्सपोर्टम प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर श्री विल्लयमे राईस मिल्स ट्रान्सपोर्टम प्राईवेट लिमिटेंड के विषय में

सं० 4102/560 (3)/79—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर श्री विल्लयमें राई मिल्स ट्रान्सपोर्टम प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

सी० अच्युतन, कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रीर प्रकाण पेन कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 23 जनवरी 1979

मं० 690/3360 एल० सी०—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुमरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के श्रवसान पर प्रकाश पेन कम्पनी प्राईवेट लिभिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 और लखनऊ काम-शियल चिट फण्ड एण्ड फाईनेन्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपूर, दिनांक 23 जनवरी 1979

सं० 697/3073 एल० सी०—कम्पनी स्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के स्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन माह के अवसान पर लखनऊ कार्माणयल चिट फण्ड एण्ड फाइनेन्स प्राहिवेट

लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशा न किया गया तो रिजस्टर से काट दिशा जावेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

> एस० नारायनन्, रजिस्ट्रार श्राफ कभ्पमीज यू० पी०, कानपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं प्रतापगढ़ ट्रस्ट प्राईपेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 29 जनवरी 1979

सं० 16308/560 (9)— कम्पनी स्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के घवसान पर प्रतापगढ़ ट्रस्ट प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशान न किया गया तो रजिस्टर में काट विया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एन० श्रार० सरकार कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रीर कार्रकाल कर्माणयल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

पांडिचेरी, दिनांक 27 जनवरी 1979

सं० 59—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसार एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि कारैकाल कर्माशयल्य प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से हटा दिया गया है श्रीर उक्स कम्पनी भंग हो गई है।

> एस० म्रार० वि० वि० सत्यनारायणाः कम्पनियों का रजिस्ट्रार, पांडिजेरी

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मायूरा केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलौर, दिनांक 29 जनवरी 1979

सं० 2639/560/78—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के खबसान पर मायूरा केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 भौर कामत एंड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के बिषय में ।

बंगलौर, दिनांक 29 जनवरी 1979

सं० 1145/560/78—-कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीखा से तीन मास
के श्रवसान पर कामत एंड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम
इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर
में काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी
जाएगी।

कम्पनी श्रृधिनियम, 1956 श्रौर प्लॉल्स केमिकल्म प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 29 जनवरी 1979

सं० 2483/560/78—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पलॉल्स केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 और माहको मेस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 29 जनवरी, 1979

मं० 2331/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीज से तीन मास के अवसान पर माइको मेस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी

एस० एन० गुहा, कम्पनियों का रजिस्ट्रार कर्नाटका

कार्यालय भ्रायकर भ्रयुक्त नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1979

प्रायकर

सं० जुरि/दिल्ली-4/78-79/38576—श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 42वां) की घारा 124 की उपधारा (1) डारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त श्रन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली निवेश देते हैं कि 10-1-1979 से निम्नलिखित श्रायकर सर्किल बनाया जायगा।

डि॰ 3-ए (10) म्रतिरिक्त नई दिल्ली।

मं० जुरि-दिस्सी/4/78-79/38717—प्रायकर प्रक्षितियम 1961 (1961 का 43वा) भी धारा 121 की जानारा (1) हारा प्रदत्त गक्तियों तथा ध्य विषय पर दिनाक 27-6-78 के अर्थिश संख्या जुरि-दिस्ती-4/78/79/96-12 में अंगिक मंगोधन करते हुए प्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली निदेश देंते हैं कि नीव दी गई श्रनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट श्रायकर श्रधिकारी उसी श्रनुसूची के कालम-3 में उल्जिखित व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गी, श्राय या ग्राय के वर्गी श्रीर मामलों या मामलों के वर्गी के बारे में श्रपने कार्य करेंगे? किन्तु वे उका श्रधिनियम की धारा 127 के श्रन्तर्गत सौंपे गए या इसके बाद मौंपे दिए जाने वाले व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गी कार्य नहीं करेंगे।

श्रनुसूची

क० मं०		श्रधिकार क्षेत्र
1	2	3

- श्रायकर श्रधिकारी डि० 3-ए(10) नई दिल्ली
- (क) भ्रायकर भ्रधिकारी डि० 3-ए (5), नई दिल्ली के श्रधिकार क्षेत्र में पड़ने वाले व्यक्तियों से भ्रन्य वे मभी व्यक्ति जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला एम से जेड (दोनों) के शामिल करके (से भ्रारम्भ होते हों)
- (ख) उपरोक्त (क) के श्रन्त-र्गत श्राने वाली फर्मों के सभी भागीदार व्यक्ति।
- म्रायकर म्रधिकारी डि०-3-ए (10) म्रति-रिक्त, नई दिल्ली
- (क) प्रायकर प्रधिकारी डि॰
 3ए (5) नई दिल्ली के
 प्रधिकार क्षेत्र में पड़ने
 वाले व्यक्तियों से प्रन्य के
 सभी व्यक्तियों से प्रन्य के
 सभी व्यक्ति जिनके नाम
 ग्रंगेजी की वर्णमाला के
 प्रक्षर ए से एल (दोनों

के णामिल करके) से श्रारम्भ होते हों। (ख) उपरोक्त (क) के अन्त-र्गत ग्राने वासी फर्मों के सभी भागीशर व्यक्ति।

यह ऋधिसूचना 10-1-1979 से लागू होगी।

सं० जुरि-दिल्ली/4/78-79/38857— श्रायकर श्रिधिनियम, 1961(1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गिक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त श्रन्य सभी शिक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले के सभी श्रादेशों में संशोधन करते हुए श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीवे दी गई श्रनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय महायक श्रायकर श्रायुक्त उसी श्रनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्टों/सर्किलों के श्रायकर श्रिकारियों के श्रिधकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या श्राय या श्राय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में उकत श्रिधिनियम के श्रंतर्गत निरीक्षीय महायक श्रायकर श्रायुक्त के सभी कार्य निष्पादित करेंगे।

श्रनुसूची

रेंज का नाम	भ्रायकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल
 निरीकीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त रेंज 3-ए० नई 	1. डि॰ 3-ए॰-1 2. डि॰ 3-ए॰ 2
विस्मी	3. डि॰ 3-ए॰ 3
	4. ভি০ 3-ए০ 4
	5. डि॰ 3-ए॰ 5
	6. डि॰ 3-ए० ६
	7. डि . 3-ए० 7
	8. डि॰ 3-ए० 8
	9. बिरं 3-ए० 9
	10. डि॰ 3-ए॰ 10
	11. डि॰ 3-ए॰ 10 (म्रतिरिक्त)

यह श्रिधिनिशम, 10-1-1979 से लागू होगी

रणवीर चन्द्र, श्रायकर श्रायुक्त दिल्ली-4, नई दिल्ली प्ररूप प्राई० टी० एन० एम०----

प्रायंकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सह।यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 22 सितम्बर, 1978

निदेश सं० 796—यतः मुझे एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- के० से अधिक है

श्रौँर जिसकी सं० 5/70 रैस मिल है, जो देन्द्रलूरू में स्थित है (श्रौँर इससे उपाबद्ध अनुसूधी में श्रौँर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भीमडोलू में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1-5-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रतरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के श्रतीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :--

- (1) श्री वी॰ सत्यन्नारायण, जि॰ पी॰ ए॰ होलडर वि॰ राधवेन्द्र राव, एलूर। (धन्तरक)
- (2) 1. बी॰ राजेश्वरी, 2. वी॰ नागश्रकुमारी एलुरु (श्रन्तरिती)
- (3) श्री बी॰ सुब्बय्या चौंधरी, बी॰ श्रीकृष्ण, एलुरू (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीय:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भ्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति, द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो जक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भीमडोलु रजिल्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रन्त 15-5-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 724/78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम ऋधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 22-8-78

प्ररूप प्राई• टी• एन• एस•-----

कारकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के ग्रिधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा काकीनाडा, दिनांक 20 ग्रक्तूबर, 1978

निदेश सं० 819—यतः मुझे एन० के० नागराजन प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 144/2 वी है, ओ मंनजेरू में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 8-5-1978

को पूर्वी श्व संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित ब'जार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा समा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बाक्त बिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त प्रकि-नियम, के प्रधीन कर बेने के प्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किनी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आएकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में ग्विधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त ाधिनियन की धारा 269-ग के सनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्थात्।—— 3---466GI78

- (1) 1. डी॰ मानिक्यम्मा, 2. डी॰ सत्यन्नारायण, 3. डी॰ वीरबद्राडु, 4. डी॰ सुब्रह्मन्यम, 5. डी॰ नातय्या, 6. डी॰ सन्तीबाबु, 7. डी॰ श्रीनिवास-राव, गोट्टीपूडी (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती 1 वेंकायम्मा, 2 सत्तार, नरेन्द्रपुरम। (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संपन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविकित द्वारा;
- (का) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किये जा सकेंगे।

स्वच्छोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीधितयम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्ष होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

काकीनाडा रिजस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 15-5-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1923/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

> ए० के० नागराजन, सक्षम ऋधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) एम० के० ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 20-10-78

प्रारूप आई० टी० एन० एस०--

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, विनांक 8 नवम्बर 1978

निदेण सं० 833—यतः मुझे एन० के नागराजन आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उकत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपए से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 12-13-54 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा

में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मई, 1978 को

16) क प्रधान मह, 1978 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रून से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 कया 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः म्रज, उक्त म्रिधिनियम की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, मैं, उक्त म्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के म्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, म्रर्थात्ः— (1) श्री के० दुरगा सांबसिया बेंकटा कृष्ण मूर्ती, 2. के० दुर्गानारायण राव, विजयवाडा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० गालिब, विजयवाडा

(ग्रन्तरिती)

(3) मैंसर्स भोक्का स्टील लिमिटेड, विजयवाड़ा (वह व्यक्ति, जिमके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजगत्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या नत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त णब्दों श्रीर पदों का, उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

म्रनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री श्रधिकारी मे पाक्षिक श्रन्त 31-5-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2481/78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन मक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), एम० वी० ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 8-11-78

प्ररूप ग्राई० टी॰ एन॰ एस॰---

भ्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा काकीनाडा, दिनांक 18 नवम्बर, 1978

निदेश सं० 839-यतः मुझे एन० के० नागराजन, स्नायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त स्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रिधीन सक्षम प्रिधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्यावर मन्पत्ति,जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से स्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 25403 है, जो मात्रवरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 18-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रति-फल के लियं अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत प्रधिक है श्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त ग्रन्तरण लिखन में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कम करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—

- (1) श्री के० सुवासचन्द्रबोस, विजयवाड़ा (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सी० एच० लिलताकुमारी, वैजाग। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त णब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसू ी

विजयवाड़ा रजिस्ट्री ग्रधिकारी में पॉक्षिक ग्रंत 31-5-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2299/78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

> एन०के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), एम० वि० श्रर्जन रेंज, काकीनाडा ।

नारीख: 18-11-78

प्ररूप : माई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के मिनीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 22 नवम्बर 1978

निदेश सं० 840—यतः मुझे, एन० के० नागराजन आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिधीन सञ्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० 198 श्रौर 198/3 है, जो जुडजुरू में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नंदिगामा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कुप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) श्रीमती श्रार० रानी प्रमिला, चिरवुरू। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पी० बापूजी, गाकराजुपल्ली। (म्रन्तरिती)

को यह यूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त , ग्रीधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नंदिगामा रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 31-5-78 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 1043/78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, काकीनाडा ।

तारीख: 22-11-1978

मोहर

प्ररूप भाई०टी • एन • एस • ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, काकीनाष्टा

काकीनाडा, दिनांक 22 नवम्बर, 1978

निदेश सं० 841--यतः मुझे, एन० के० नागराजन आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातु 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से मधिक है ग्रीर जिसकी सं० 198 एवं 198/3 है, जो जुडजुरू में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नंदिगामा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25-5-78 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भौर भन्तरक श्रीर शन्तरिती (शन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त ग्रन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित

(क) प्रत्नरण से हुई किसी प्राय की वाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए; और/या

नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी भाष या किसी घन या अन्य भास्तियों भी जिलीं भारतीय श्रायकर मिंघनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ प्रकारितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: मन, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त श्राधनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात:--

- (1) श्रीमती श्रार० रानी प्रमिला, चिरूवुरू। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पी० वेंकटारमण, गाकराजुपल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वीवत सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रज़ैन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विधा गया है।

अनुसुची

नंदीगामा रजिस्ट्री श्रधिकारी में पाक्षिक श्रंत 31-5-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1042/78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, काकीनाडा ।

दिनांक: 22-11-1978

प्रकप आई• टी• एत• एस•---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 23 नवम्बर, 1978

निदेश सं० 842—यतः मुझे, एन० के० नागराजन श्रायकर श्रिष्ठिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ४पये से प्रधिक है और जिसकी सं० 5/84 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 24-5-1978

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत से भिक्ष है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—
 - (क) भ्रग्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, इक्त अधिक नियम, के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (क्ष) ऐसी किसी घाय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः मन, उनतं मधिनियमं की घारा 269 ग के मनुसरण में, में, उन्त अधिनियमं की धारा 269 च की उपभारा (1) के मधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।——

- (1) श्री जी० रामा ब्रहम शास्त्री, विजयवाड़ा (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स पेपर इंजीनियरिंग भरवीसेम (पी०) लिमिटेड, विजयवाड़ा।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिये कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वधि, जो भी सर्वधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबा किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

रुम्बरीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदां का, जो उक्त प्रधि-नियम के भक्ष्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा जो उप सध्याय में दिया गया है।

धनुसची

विजयवाड़ा र्राजस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रन्त 31-5-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2431/78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा ।

तारीख : 23-11-1978

परूप प्राई • टी • एन • एस • —

षायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा 269 व (1) के प्रधीन मूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 23 नवस्बर, 1978

निदेश सं० 843—प्रतः मुझे, एत० के० नागराज्य भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/• इपए से प्रधिक है

न्नौर जिसकी सं० 5/81 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिश्रिकारी के कार्यात्वय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 24-5-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बायत, उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे उचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में युविधा के लिए;

अतः अव, उक्त ब्रधिनियम की घारः 260-ग के अनुसरण में, मैं उक्त ब्रधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) अञ्चीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री जी० वेंकटा श्रीनिवास, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- (2) पेपर इन्जीनियरिंग सर्विमेज (पी०) लिमिटेड, विजयवाड़ा। (ग्रन्तरिती)

को यह पूचना जारी करक पूर्वांता सम्मति के प्रजान के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्यति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप: —

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धर्माध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की धर्माध, जो भी धर्माध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (चा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा ग्रघोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदी का, जो उकत ग्रिधिनियम के श्रद्याय 20-क में परिभाषित है, बही भ्रष्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री ग्रधिकारी में पाक्षिक ग्रन्त 31-5-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2430/78 में निगमित ग्रनुसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा ।

नारीषा : 22-11-1979

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

म्नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ख (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, काकीनाडा काकीनाडा, दिनांक 23 नवम्बर, 1978

निदेश सं० 844—यतः मुझे, एन० के० नागराजन आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 5/84 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीज 24-5-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह किश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाम या किसी धन मा प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर धिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत्:—

- (1) श्री जी० वेंकटा म्रली कृष्णन. हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- (2) मैं भर्स पेपर इंजीनियरिंग मर्विसेज (प्रा०) निमि-टेंड, विजयवाड़ा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सम्पत्ति से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पब्हीकरण: --इसम प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त मधि-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय म दिया गया है।

ग्रनुसूची

विजयवाड़ा रिजिस्ट्री श्रीधकारी से पाक्षिक श्रन्त 31-5-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2429/78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन, मक्षम श्रधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रजने रेंज, काकीनाडा ।

तारीख । 28-11-78 मोहर। प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 23 नवम्बर, 1978

निदेश सं० 845—यतः मुझे, एन० के० नागराजन, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गमात्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ध्पए से श्रिधिक है

प्रौर जिसकी सं० 5/84 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 24-5-78 को

क श्रधान ताराख 24-5-78 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिगत से श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरितो (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रीविनियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) एपी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में में, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों, ग्रायीत:—

- (1) श्री जी० वेंकटारामाराव, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) मैंसर्स पेपर इन्जीनियरिंग सर्विसेज (प्राइवेट) निभिटेड, विजयवाड़ा। (ग्रन्तरिती)

(3001001)

यह सुनता जारी करके पूर्वेक्ति सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त नमानि के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकागन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ कियो अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में हिए जा सकेंगे।

स्वब्दोन्नरग:---इपर्ने प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, त्रहों श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

घनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री श्रधिकारी में पाक्षिक श्रन्त 31-5-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2428/78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक अचकर द्यायु**रत**्रें(निरीक्षण), अर्जन रेंज, काकीनाडा ।

तारीख : 23-11-1978

प्ररूप आई० टी० एन० एम०--

श्राय हर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 25 नवम्बर, 1978

निदेण सं० 846—यत: मुझे एन० के० न(गराजन प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० 294, 436, 304 एवं 305 है, जो कोश्नपेटा, गुन्टूर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गन्टूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 15-5-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्य से उबत श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है;—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या आन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती कारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीन:——

(1) श्री एन० चारलेस विकटर राबरटस, 2. एन० जान प्रदीप कुमार, गुन्टूर।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती जी० न(गेद्रम्मा, गुन्ट्र (श्रन्तरिती)
- (4) कुमारी एन० एस० बी० रोस्ट, गृन्टूर (बह् व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उत्तन सम्मत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों ।पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसो अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

हरा दो हरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का जो उनह ग्रिविनयम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित ह, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

गुन्टूर, रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक अन्त 15-5-78 में पंजीकृत दस्तावेज 1534/78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन मक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

नारीखा: 25-11-78

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

भायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भिधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 2 दिसम्बर, 1978

निवेण सं० 847—यतः मुझे एन० के० नागराजन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 5328 है, जो बोब्बिली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बोब्लिली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-5-1978 को

पूर्वोक्स सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रुप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अक्टि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: मन, उन्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, में, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्निखित व्यक्तियों भर्यात् :---

- (1) श्री बी॰ सीतारामामूर्ति, टी॰ चिन्नाम्भाई नायराल बोन्सिली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सी० एच० लीला भागव सूर्यकुमारी बोब्लिली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधिया सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

भनुसुची

बोब्लिली राजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रन्त 31-5-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2380/78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 2-12-1978

मीहर:

प्रकृप भाई० टी० एन० एस०---आयकर भिर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा
289-व(1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 दिसम्बर, 1978

निषेश सं० 848—यतः मुझे एन० के० न।गराजन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त मधिनियम' कहा गथा है), की धारा 269-व के मधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- ६० से अधिक ै

श्रीर जिसकी सं० 29-12-20 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 4-5-1978

16) क श्रधान 4-5-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य,
उतके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह्
प्रतिसत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) मौर अन्तरितो
(भन्तरितियों) के बोच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया स्था प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक
कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उस्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रश्यरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम' या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विधा गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान भें सुविधा के लिए;

भतः सम, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के सन्सरण में, में, उन्त सिधिनियम की घारा 269म की उपधारा (1) के बद्यीन निम्नलिखित स्पन्तियों सर्घति !---

- (1) श्रीमती जी० सीतारतनम, हैदराबाद। (भन्तरक)
- (2) श्रीमती जी० सरोजिमी देवी, विजयवाड़ा (श्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन क भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्स्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों गौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री श्रिधकारी में पाक्षिक श्रन्त 15-5-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2067/78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

> एन० कें० नागराजन सक्षम श्रधिकारी संहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) एम० वी० भ्रजेंन रेंज, काकीनाडा

तारी**ख**: 6-12-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भाषकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 जन वरी, 1979

निदेश सं० ए० ग्रार०-1/3074-4/जुलाई-78—-ग्रतः मुझे, थी० शेषाद्री,

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से धिक है

श्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 1178 है तथा जो फोर्ट डिवीजन नेताजी सुभाष नगर में स्थित है (श्रौर इनसे उनाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीकर्ता द्याध-कारी के कार्यालय, वस्बई में राजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5-7-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, अवके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरका (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिकल, निम्नलिकत नहीं किया गया है:—-

- (क) मन्तरण से हुई किसी माथ को वाजन, उक्त अधिनियम के अधीम कर देने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; मोर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय था किसी घन या भन्य भ्रास्तियां की जिम्हें भारतीय भायकर भिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती जारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपानें में सुविधा के लिए।

अत: अब, उस्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रमु-सरच म, मैं, उक्त प्रधिनियम की खारा 269-थ की खपवारा (1) के अधीन निम्निविखित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्रीमती श्ररुणा पृष्पराष्ट्रा मोइल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एफ० बी० ग्रजमेरा ग्रीर मिसेस गारदा एफ० ग्रजमेरा (ग्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजीन के निए कार्यशाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा भकेंगे।

स्पध्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० 2485/77/बम्बई उप-राजिस्ट्रार ग्रिधिकारी द्वारा दिनांक 5/7/78 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> वीं० एस० शेषाद्रि सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई ।

तारीख: 25-1-1978

प्ररूप भाई । टी । एन । एस ---

प्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्राम, दिनांक 24 अक्तूबर, 1978

निदेश सं 10/मं/78—यतः मुझे, श्रो० श्रानत्वम श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स्पए से श्रिधक है

श्रीर जिसकी सं० हैं, जो काकावेरी गांव, रामीपूरम ताल्क (डाक्यूमेंट सं० 565/78) में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, रासीपुरम में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 9-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः श्रन, उन्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त श्रिष्ठिनियम, की धारा 269 ध की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:-- (1) श्री वेंकटाचलम

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वीस्वनादन

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—्सम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ृभिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही शर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

प्रमुस्ची

2359 एकड़ एग्रीकल्चरल भूमि, रासीपुरम तालुक काकाबेरी गांव में।

> स्रो० झानन्दम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारी**ख**ः मोहरः प्रकृष आई० टी० एन० एस०-----

भायकर भिर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय महायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) अजन रेज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 2 फरवरी, 1979

निदेश सं० ल० डी० एच०/श्रार०/21/78-79——श्रतः मुझे नत्थु राम,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269—ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से भिधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल है श्रीर जो गांव नन्दपुर जिला लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण चप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख मई, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है शौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविकरूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भत: भन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:---

- (1) श्री हरजीत सिंह व श्री ग्रजमेर सिंह पुन्न श्री ननत. वासी गांव नन्दपुर, तहसील जुवियाना। (श्रन्तरक)
- (2) मैंसमें सागर इंजीनियरिंग वर्कम, यूनिट नं० 2, प्लाट नं० 419, इंडस्ट्रीयल एरिया, 'ए' लुधि-याना द्वारा, श्री क्रुपाल सिंह पुत्र स्नात्मा सिंह, 419, इंडस्ट्रियल एरिया 'ए' लुधियाना

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी स्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क' में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उस श्रध्याम में दिया गया है।

श्रनसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल है श्रीर जो गांव नन्द-पुर, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जयदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 746, मई, 1978 में दर्ज है)

> नत्थू राम, सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, लुधयाना

तारी**ख** : 2-2-1979. मोहर्] प्रकण आई० टी० एन० एम०~ -------

আমাণিক স্থানিক। 1961 (1961का ५५) পা আশ 269-ছ (1) हे স্থানি শুখন।

भारत सरकार

गार्थातय, महायक यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, कार्यालय दिनांक 1 फरवरी, 1979

निवेश सं० ए० पी०-524/एन० एस० उब्ल्य्०/78-79---यतः मुझे पी० एन० मलिक,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिपिनयम' कहा गया है), को द्वारा 26%-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/-र• से प्रधिक है

श्रीर जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो खाई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, तिहाल सिंह् वाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16), के श्रधीन, तारीख जून, 1978 की

पूर्वोक्त मध्यति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिता (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया पता प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अग्तरण से हुई किसी प्राय की बाबन उक्त अधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया या विधा साना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ातः अब, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थास्ः—

- (1) श्री बंचित सिंह पुत्र हरनाम सिंह पुत्र नत्या सिंह, गांव एवं डा॰ खाई, निहाल सिंह वाला। (श्रन्सरक)
- (2) श्री मक्खान सिंह पुत्र बीकर सिंह पुत्र बन्ता सिंह गांव खाई ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं ० 2 में लिखा है| (वह व्यक्ति, जिसके श्रभियोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
 में हितबद्ध हैं)

को यह सूवना जारी करके तुर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की धवधिया तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपश्च में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी श्रन्थ क्यिक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्यव्हीकरण :---इसम प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रव्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भयं होगा, जो उस भश्याय में दिया गया है।

भ्रमुसूची

खाई गांव में 20 क०, 6 म० कृषि भूमि जैसा कि विलेख सं० 471, जून, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी निहाल सिंह वाला में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज.

तारीख: 1-2-1979

प्ररूप धाई• टी• एन० एस०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कार्यालय

दिनांक 1 फरवरी, 1979

निदेश सं० ए० पी०-525/एन० एस० डब्ल्यू०/78-79— यतः मुझी पी० एन० मलिक, अध्यक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- द० से प्रधिक है

धौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो खाई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिधकारी के कार्यालय निहाल सिंह वाला में रजिस्ट्रीकरण घिधनियम, 1908 (1908 का 16) के घ्रधीन, तारीख जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिन्त बाजार मूक्य से कम के बृक्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नूस्य, उसके वृक्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृक्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकत्त से प्रधिक है, भीर अन्तरक (प्रन्तरकों) और धन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के निए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण शिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्थरण से हुई किसी धाय की बाबत डक्क अधिनियम के प्रधीन कर देने के ध्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रन्थ भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1357 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भन, उसत भिवितियम, की भारा 269-ग के मृत् सरण में, में, उक्त प्रधितियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के बाधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्।—— 5—15601/18

- (1) श्री बंचित सिंह पुत्र हरनाम सिंह पुत्र नत्था सिंह, गांव एवं डा० खाई, तह० निहाल सिंह वाला। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जागीर सिंह पुत्र विकर सिंह पुत्र बनता सिंह, गांव खाई।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में . सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
 में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इप सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी असे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबत किसी ग्रम्थ क्यक्ति द्वारा, अधोहरूताकारी के पास सिविक्ष में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धर्षिनियम, के घश्याय 20-क में परिभाषित हैं। बड़ी सर्वे दोगा जो उस संस्थाय में दिया गया है।

प्रनुसूची

खाई गांव में 20 क०, 6 म० कृषि भूमि जैसा कि विलेख सं० 472 में जून, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी निहाल सिंह वाला में लिखा है।

पी० एन० मलिक. मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त, (निरीक्षण) प्रजीन रेंग

तारीख: 1-2-1979.

प्रकृष भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रश्लीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कार्यालय दिनांक 1 फरवरी, 1979

निदेश सं० ए० पी०-562/एन० एस० डब्ल्यू०/78-79— यतः मुझे पी० एन० मिलक,

प्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो खाई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, निहाल सिंह वाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वसापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजित्ति उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधि-नियम के भ्रष्टीन कर देने के मन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः सब उक्त समिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में उक्त समिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मसिखित व्यक्तियों, प्रथातः—

- (1) श्री बंधित सिंह पुत हरनाम सिंह पुत्र नत्था सिंह, गांव एवं डा० खाई, तह० निहाल सिंह बाला। (श्रन्तरक)
- (2) श्री जगतार सिंह पुत्र बिकर सिंह पुत्र बन्ता सिंह, गांव खाई।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उनत सम्यति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ज से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्जोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाळाणिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिष्ठितियम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ृ खाई गांव में 20 क०, 6 म० कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 67 जून, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी निहाल सिंह वाला में लिखा है।

> पी० एन० मिलक. सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज

तारीख ; 1-2-1979.

प्ररूप आई० टी० एत० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा, कार्यालय भटिंडा, दिनांक 1 फरवरी, 1979

निदेश मं० ए० पी०-527/एफ० जेड० श्रार०/78-79---यतः मुझे पी० एन० मलिक,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रमुसूची में लिखा है तथा जो फिरोजपुर में स्थित है)श्रौर इससे उपावढ़ श्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्रा श्रिधकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशन से मिन्न है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर दने के प्रन्तरक के दापिस्व में कमी करने या उससे बचने में मुक्षिण के लिए; ग्रीर/बा
- (ख) एसी किसी श्राप या किसी घन या घन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रबं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के मन्-सरण में मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपध्यस्य (1) के ग्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रधीत्:- (1) श्री यणवंत राम पुत्र श्चनंत राम, धनवन्त राम मल्होत्रा श्रीर बलवंत राम, श्चनन्त राम, इंगलैण्ड, निवासी द्वारा यशवंत राम पुत्र श्चनत राम मुख्तयार ग्राम वासी, फिरोजपुर।

(ग्रतरक)

- (2) सर्वश्री बिहारी लाल, हीरा देवी, देस राज, शीला रानी, रिपन कुमार, चन्चल रानी, परस राम, शीला वंती, प्रणोत्तम लाल, प्रवेश कुमार, प्रमोद कुमार, राजन कुमार, वासी फिरोजपुर शहर। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० में में है। (वह व्यक्ति, जिसके क्रिंघभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को पह सूचना जारी करके पूर्वी≉न संपक्ति के अर्जन <mark>के</mark> लिएकार्यवाहियां करना हूं।

उक्त संपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्ठीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फिरोजपुर गहर में 85 कनाल भूमि/सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1704, जून, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 1-2-1979.

प्रकप बाई • टी • एन • एस • ----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज कार्यालय, पूना

पूना-411004, दिनांक 9 जनवरी 1979

निर्देश सं० सी० ए०-5/जलगोव/ग्रगस्त,78/398---यतः मुझे श्रीमती पी० जलवानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है,

श्रौर जिसकी संख्या सी० टी० एस० क०-1967 है श्रौर एस० के०-214/बी/12 तथा जो जलगांव में स्थित है) श्रौर इससे उपाबद्ध श्रानुपूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जलगांव में, रजिस्ट्रीकर्ण श्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7-8-78 को

पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिश्वल के लिये घरतित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भीषक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (ग्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण बिखित में वास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) सन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिख में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रीर/या।
- (आ) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर भिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सब, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ग के समुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपसारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकों, अवित :--- (1) थी इंडियन मिशन ऑफ द रब्रीस्लीयन धीर मिशनरी अत्रायन्स, मैथेडीस्ट सेंटर, 21, कल्ब बैंक रोड, मुंबई, ऋ-400008।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मिश्रीताल ग्रींकारदास जोशी एण्ड सन्स गणेश बिल्डिंग, नवीं पेठ, जलगांव।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:→→

- (क) इस मूचता के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित अब किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कोकरण: ---इसमें प्रपुक्त मध्यें भीर पदों का, जो उस्त प्रधिनियम, के श्रष्टपाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुष्षी

जलगांव सी० टी० सर्वे ऋ० 1967 ए० ग्रार० एस० 214 बी/1/2, जलगांव, क्षेत्रफल-102860 वर्ग फुट, 9955.9 वर्ग मीटर।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 1897 , दिनांक 2-8-78 को सब रजिस्ट्रार जलगांव के वक्तर में लिखा है)

> श्रीमती पी० जलवानी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जेन रेंज, पूना

तारीख: 9-1-1979

प्रकप बाई । दी । एन । एस । बायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 (1) के संबीत सूचता भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, कार्यालय ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 14 दिसम्बर, 1978

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रजीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जित्त बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 640/2 तथा 265 है। तथा जो 'कलाश भवन' बापूनगर, प्लट मं० 14. राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)रिज-स्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी को कार्यालय, राजकोट में, रिजस्ट्रीकरण ग्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, तारीख 19-5-1978 को

पृथींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्यमान प्रति-फल के लिये प्रस्तरित की गई है भीर मुने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तके वृत्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक कप ते कथित नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरन से हुई जिली मान की बाबत जनत घणि । नियम, के घंधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भ्रम्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना चाडियेथा, जिपाने में सुविधा के सिए।

श्रेत: धव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपघारा (1) के सभीण निकालियात व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री मणीवेन शिवराज भाई बसोया, 'श्रशोक सम्प्राट' बिल्डिंग नं० बी, ब्लाक नं० 2, भलाड, बम्बई-64। (श्रन्तरक)
- (2) न्यू फिल्प्सि मन्यूफेक्चर्स प्रोपाराईटर-श्री बचु-भाई बालजीभाई, कैलाश भवन, बापूनगर, राज-कोट।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भारीप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो। के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी भ्रत्य व्यक्ति हारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वत्धीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उवत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं भयं होगा, जो उस भ्रध्याय में विया गया है।

ग्र<u>न</u>ुसुची

कै लाग भवन' नाम से ख्यान मकान जिसका नं० सं०-640/2 तथा 265 है, जो बापूनर. 80'-0'' रोड, बापू-नगर राजकोट में स्थित है जिसका जमीन सिहत क्षेत्रफल 359 वर्ग गज है सथा जिसका पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रीकर्ण म्रिध-कारी राजकोट द्वारा ता०-19-5-1978 को रिजस्ट्रीकृत बिकी दस्तावेज नं० 1984 में दिया गया है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

विमांक 14-12-1978 । मोहर: प्ररूप बाई • टी • एन • एस • ---

आमकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269**प** (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निदेश सं० ए० मी० नयू०-23-I-1967 (761)/5-1/78-79—अतः मुझे एस० सी० परीख श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1870-ए, है। तथा जो श्राताभाई चौक, गोलीबार हनुमान मंदिर के पास, भावनगर में स्थित है (श्रौर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 3-5-78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर मृत्रो यह निश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के मधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी पाय या कियी बन या प्रत्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रत। ग्रव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269 ग के मनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की ग्रारा 269 व की उपवारा (1) के प्रधीन, किम्निलिखित व्यक्तियों, प्रवीत्।—

- (1) श्री प्राणकुंवरबेन छोटालाल बलीया पात्रर ध्रांफ श्रटेनी रोल्डर श्री परमानंददास छोटालाल बलीया के मारफत, श्रलका सिनेमा के सामने, गुजरात श्रोकमीजन एण्ड एसीटोलीन कां०, भावनगर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री पटेल कालुभाई जिणाभाई, प्लाट नं० 1102, रक्ष्यर फैंकट्री के पास, भावनगर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस शक्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन पर खड़ा मकान जिसका क्षेत्रफल 571-27 वर्गमीटर है तथा सर्वे नं० 1870 है, जो श्राताभाई चोक, गोलीबार हनुमान मंदिर के पास, भावनगर में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन ता० 3-5-78 को दिये गये रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्ताहेज नं० 601 में दिया गया है।

एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 14-12-1978

ंप्ररूप भाई।०टी∙ एन∙ एस०------

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदावाद श्रहमदाबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1968 (762)/5-1/ 78-79--- प्रतः मुझे एम० सी० परीख प्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' महा गया है), की धारा 269-ख के धधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाआर मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रिधिक है श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1870-बी०, तथा 1870-सी, है, तथा जो प्राताभाई चौक, गोलीबार हन्मान मंदिर के पास, भावनगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 4-5-1978 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह धिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सभ्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐमी कियो आय या कियो वा या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अविधा के लिए;

धतः ग्रथ, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अंधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, मर्गान:—-

- (1) श्री परमानंददास छोटालाल बलीया, प्रणकुंबरेबेन छोटालाल बलीया के पात्र ग्राफ एटार्नी होल्डर के रूप में श्रलका सिनेमा के सामने गुजरात ग्रोक्सीजन एण्ड एसीटीलीन का०, भावनगर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पटेल नरशीभाई झीणाभाई सवाणी, रबर फैंक्टरी के पास, प्लाट नं० 1132/बी/2, भॉब-नगर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ता- क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनसूची

जमीन पर स्थित मकान जिसका क्षेत्रफल 1049-10 वर्ग मीटर है जिसका प्लाट नं० 1870-बी तथा 1870-सी है, जो गोलीवार हनुमान मंदिर के पास , आताभाई चौक भावनगर में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकृत किये गये ता० 4-5-1978 वाले बिकी दस्तावेज नं० 602 में जिमका पूर्ण वर्णन किया गया है।

एम० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, प्रहमदाबाद

नारीख: 14-12-1978

प्रक्ष प्राई० टी • एत • एस •---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-घ (1) के घंधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जनवरी 1979

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्बी०/भोपाल/78-79/ 1222—म्बतः, मुझे, बी० एस० राव,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० खुली भूमि है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्री-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 3-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए सन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का वन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया चया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से छक्त घम्तरण लिखित में वास्तविक कि से कि से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत 'उक्त ध्रिष्टिनियम' के ध्रिष्टीन कर देने के ध्रन्तरक के दियस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रम्थ ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः भव, उक्त श्रिष्ठितियम, की धारा 269-व के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपवारा (1) के मधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, शर्वात्।---

(1) श्रीमती तीरथ बाई परनी श्री होत चन्द 13, उपार्गज, गली नं० 1, इन्दौर द्वारा सप्लीमेंट एटानीं श्री गोहीमल पुत्र श्री भोजूमल 13, उषारंज, गली नं० 1, इन्दौर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ज्योतिका पत्नी श्री हरीश, 13, उषागंज, गली नं० 1, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाषीप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थाधिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिश्चिम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस भग्याय में दिया गया है।

भनुषुची

खुली भूमि प्लाट नं० 2-धी व 2-सी माप 6910 वर्गफुट व 2800 वर्ग फुट (कुल ऐरिया सी-9310 वर्गफुट) जो कि सम्पत्ति वियर्रिंग ब्लाक नं० III व IV का भाग स्थित कंचन बाग रोड, इन्दौर।

> बी० एस० राव, मक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर ग्रायुक्त(निरीक्षण) म्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-1-1979

प्रस्य माई० ही० एन०एस०-----म्रायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की घारा 289व (1) के ब्रधीन सुचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाक, दिनांक 3 जनवरी 1979

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/ 1223-- ग्रतः मुझे, बी० एल० राव, मायकर प्रधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार महय 25,000/- वपये से मधिक है

ग्रीर जिसकी सं० खुली भूमि है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख 1-7-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिधक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रश्वरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरा में हुई किसी भाष की **बाब**त, उक्त श्रिषानियम के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्रास्टियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत भ्रधिनियम, या धन-कर घिंघिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्यं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

मत: ग्रव, उबत मधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में में, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित "यन्तियों, भर्पात्।— 466GI/78

- (1) श्रीमती डा॰ उषा पाले हरीमोहन सक्सेना द्वारा एटर्नी डा० रामचन्द्र जी रघुनाथरिषी 6/2 साउथ तुकोगंज, इन्दौर।
- (2) श्रीमती सोना बाई पत्नी श्री तुकाराम जी गायके 298, शिवाजी नगर, इन्दौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सुचना की सामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीवत भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद बन्य क्यक्ति द्वारा, बघोइस्ताशारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के शब्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस मध्याय पें दिया गया है।

धनुसूची

खुली भूमि प्लाट नं० 14-सी, विक्ट्री स्टेट कालोनी, इन्दौर। माप 5000 वर्गफुट।

> बी० एल० राव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 3-1-1979

प्रकप धोई॰ टी॰ एंस॰ एस॰---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कारमाँ नय, सहायक झायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1979

निदेश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्बी०/भोपाल/78-79--म्रतः, मुझे, बी० एल० राव भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 25,000/- रुपये से भिषक है, ग्रौर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो शिवपुरी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शिवपूरी में, रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 8-5-1978 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशन से अधिक .है और मन्तरक (म्रन्तरकों) मोर (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निक्निलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं कियागया है:→→

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (च) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठितियम, या बन-कर मधिनियम, या बन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः यव उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपित्:— (1) श्री गोविन्द वास गोयल पुत्र सेठ घनश्याम दास वैषय अग्रमाल, सदर बाजार, शिवपुरी।

(भ्रन्तरक

(2) श्री शंकर लाल गोविन्द दास वैश्य गुप्ता ग्राम बीरा, तहसील पिछोर, जिला शिवपुरी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उन्त सम्मति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की शबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शबधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोड्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरगः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भव्याय 20-क में परिचाषित हैं, वही प्रशं होगा जो उस प्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 665 का नीचे का भाग स्थित हुनुमान गली, शिवपुरी।

> बी॰ एल॰ राव, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीखा: 11 जनशरी, 1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज, भोपाल

केम्प ग्वालियर, दिनांक 11 जनवरी 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्वी/भोगाल/78-79----ग्रतः मुझे, बी० एल० राव, भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के ब्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने स्थावर सम्पत्ति, जिसका का कारण है कि रुपये से श्रधिक है 25,000/-श्रीर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो शिवपुरी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शिवपुरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 8-5-1978 सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर मन्तरक (प्रन्तरकों) भीर मन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त, श्रिधि-नियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें, भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, श्रब, उन्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं उन्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :--- 1. श्री गोविन्द दास गोयल पुत्न सेठ धनश्याम दास वैषय अग्रवाल, सदर बाजार, शिवपुरी ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती सिया बाई पत्नी श्री बाबू लाल वैषय गुप्ता ग्राम बीरा तह० पिछौर जिला शिवपुरी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उपत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 665 का ऊपर का भाग वार्ड नं० 18, स्थित हुनुमान गली, शिवपुरी।

> बी० एल० राव, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-1-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

> > हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1979

निर्देश सं० 283/78-79—यतः मुझें के० एस० वेंकट रामन ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'स्वतः बाधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बाधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- दे बाधिक है

श्रौर जिसकी सं० 18-7-24 का भाग है, जो की में ल गली धीतुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता

प्रधिकारी क कार्यालय, धीतुर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 22-5-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भौर
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भिष्क है भौर भन्तरक
(भन्तरकों) और मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे
भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किकत नहीं
किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वक्ते में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या धनकर प्रविनियम, या धनकर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः भव, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधाय (1) के अधीत निय्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- श्रीमती बी० बीशलाशमम्मा पत्नी पी० दोरास्वामी नायडू गुरप्पानायडू गली घीतुर।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री वी० रादाफ्रीशण्या च्वेटी।
- (2) श्री सत्यानारायण धेटी
- (3) श्री एस० पानडुरनरगय्या च्येटी-तमाम लोग

(प्रन्तरिती)

मैंसर्स भ्रान्ध्रा टीमबर कम्पनी घीतुर।
 (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (च) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के घीठर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

घर नं० 18-7-24 का वह भाग है पुनमकीमेंल गली धीतूर में है रिजस्ट्री दस्तावेंज नं० 2348/78 उपरजीस्ट्री कार्यालय धीतूर में।

> के०एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-1-1979

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1979

निर्देश सं० 284/78-79--यतः मुझे के० एम० वेंकट-रामन

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- पए से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० कार्यालय नं० 110 है, जो मागर वृधर हैंदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूत्री में ग्रार पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1978

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबस, उक्त ग्राध-नियम, के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दालित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधः के लिए; श्रीर/या
- (च) ऐसी किसी धाय या किसी धन या बन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या रक्ष्या जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए ;

अतः मन, उन्त अधिनियम की वारा 269-ग धनुसरण में, में, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :--- मैंसर्स स्वास्तीक बुलइमं घर नं० 1-2-524/3 दीमल-गुडा हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती मनेंपली कुमारी पत्नी एम० राजाराउ घर नं० 40-1-112 कमटस्म क्वादर्स काकीताडा-7।
 (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:~-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की प्रविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हास्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 110 पहीलीमता पर सागर बु० घर नं० नं० 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद राजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1991/78 उप राजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० एम० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी, स्रहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-1-1978

प्ररूप झाई० टी० एन० एस०----

भायकर भिर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की, धारा 269-ध (1) के भाधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1979

निर्देश सं० 285/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से भ्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मलगी नं० 13 है, जो सागर वु० घर हैदरा-बाद में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी कें कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उन्त ध्रिधिनयम के घ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रबं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्राचीत्:— मैसर्स स्वातीक बीलडर्स घर नं 1-2-524/3 दीमल गुडा हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुगणा ऊमावती राज पती उपापती राज 5-9-90 धापन रास्ता पतेंमेदान रास्ता हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

मलगी नं 13 (एसीलर) सागर बु का घर नं 1-2-524/3 दीमल गुड़ा हैदराबाद में वीस्तेंन 393 वर्ग फुट रजिस्ट्री दस्तावेंज नं 1992/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में। के०एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

याः श्रापार श्रानुताः (।।राजान) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 11-1-1979

श्रर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1979

निर्देश सं० 286/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269—ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भिधक है

श्रीर जिसकी सं० मलगी नं० 9 श्रीर 18 है, जो 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कें कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिंचत बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्थित व्यक्तियों श्रर्थातु:—

- 1. मैसर्स स्वास्तीक बुलडर्स 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद ।
- 2. श्री हरीकीशन सोनी घर नं ० 14-2-332/2 गायान बाग कालोनी हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिमाषित हैं, वही भ्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं । (रेंर सीलर) श्रीर नं । 18 समनेंका सीलर सागर बु । घर नं । 1-2-524/3 दीमलगुड़ा हैंदराबाद में रजीस्ट्री दस्तावेंज नं । 1993/78 उप । रजिस्ट्री कार्यालय हैंदराबाद में ।

के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीव: 11-1-1979

प्ररूप माई• टी॰ एन• एस•---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1979

निर्देण सं० 287/78-79—यतः मुझें के० एस० वेंकट रामन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० घर नं० 16/25 का भाग है, जो जोजलागुड़। गली तेंलूर में स्थित है (स्रौर इससे ज्याबद्ध श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी कें कार्यालय, नेंल्लूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) कें स्रधीन तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण सिखित में बाह्स-

- (क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत उक्त भवि-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या श्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-म के अमुसरण में, मैं उक्त भ्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपछारा (1) भ्रिधीन निम्नलिखिन अयक्तियों, अर्थोन् :-- 1. श्री श्रमीत चेंरलू मादवाराउ 1-8-702/29-2 नलागुहा हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती तुंमटी रमनमम्मा पत्नी श्री राम मूर्ती तुमेंटी-वारी पालम-कनीवीरीतालूक प्रकाशम-जीला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो≉त संपत्ति के **धर्जन** के लिए कार्यशहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त मधिनियम के मध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं मधं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 16/25 का बाग जोनला गुडा बारी गली नेलूर "मनजु होटल" कहा जाता है रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 1179/78 उप रिजस्ट्री कार्यालय नेलुर में।

के० एम ० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-1-1979

प्रकप ग्राई० टी० एन० एम०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 11 जनवरी, 1979 निर्देश मं० 288/78-79—-यतः मुझे कें० एस० वेंकट-रामन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्य 25,000/- द∘से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं 15-1-503/ए/71 है, जो फीलकाना हैदरा-बाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दूदबैली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 4 मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से प्रधिक है भीर प्रस्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रस्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण जिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय क बाबत, उनत भिधिनियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविज्ञा के लिए; भीर/या
- (का) ऐसी किसी भाष्य या किसी धन या अन्य भारितयों को जिम्हें भारतीय भाष-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उ॰त ग्रीविभयम, की व्राप्त 269-ग के ग्रन्सरण में मैं, उनत ग्रीविध्यम की धारा 269-ग की उपवारा (1) अधीन निम्नलिखितः व्यक्तियों, अर्थात् ।—— 7—466-GI/78 मैं समं भारत कलस्ट्रवशन कम्पनी मयानेजीनम भागीदार श्री बाबुलाल जन घर नं० 15-1-503 मीदीलुमबर बाजार हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्ग ब्राल इंण्डिया मोकश्वल ब्रमीन महासबा पुशक-राज नेतराम जी उपादीया घर नं० 15-8-105 फीलकाना हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्मन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संरत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा ध्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

रक्करीकरण: --इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सकिः नियम, के झड़्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस झड़याय में दिया गया है।

अनुमुखी

मलगी नं० $15-1-503|\pi|/71$ फीलकाना सीदीएमबर बाजार हैदराबाद में रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 449|78 उप रिजस्ट्री कार्यालय दूरबैली में हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ज्ञायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा : 11-1-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर भश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269म (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी, 1979

निर्देश मं० 289/78-79—यतः मुझे के० एम० वेंकट रामन

धायकर घिधिनायम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात जनत घिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-खा के अधीन सदाम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उ० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 4-1-917, 917/ए, 917/ए, है, जो तीलक रास्ता हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप सेवणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैंदराबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है भीर मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं प्रधिक है भीर मन्तरिक (मन्तरिक) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के नीच ऐसे मन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे करने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिक्षा के लिए;

सत: मन, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उस्त ग्राधिनयम की धारा 269-घ की, उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीत्:--- मनर्स शिव हरी होटलम लिमिटड कम्पनी भागीदार पी० प्रार० गोपाल कृष्णा रेड़ी 4-1-917 तीलक रासी हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री रादा कृष्ण काबरा
- (2) श्रीमती फुल क्कुंबर काबरा घर नं० 4-1-917 परमीगली निलक रास्ता हैदराबाद।

को यह सुजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्सति के भजेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन को तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रम्य क्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिक्ष-नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही सर्थ होगा जो उस शस्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला घर नं० 4-1-917, 917/ए, ग्रौर 4-1-917/1 का बाग पारसी गली तिलक रास्ता हैदराबाद में रजीस्ट्री दस्तावेज न० 2041/78 उप र्राजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

> के० एम० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-1-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जनवरी 1979

निर्देण मं० 299/78-79—यतः मुझे कें० एस० वेंकट रामन
ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम श्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० मलगी नं० 4-7-63 / 15 है, जो स्टेशन रास्ता नैजामाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्ट्रीकरण श्रिश्वकारी के कार्यालय, नैजामाबाद में भारतीय रिजर्ट्रीकरण श्रिश्वकारी के कार्यालय, नैजामाबाद में भारतीय रिजर्ट्रीकरण श्रिश्विसम, 1908 (1908 का 16) के अश्रीन दिनांक 1-5-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रतिफल से श्रीधक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,भीर/या
- (खा) ऐसी किसी म्राय या किसी घन या श्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या घन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उस्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के ब्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपवारा (1) श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात :——

- 1. (1) श्रीमती लक्ष्मी बाई पत्नी मदनलाल श्रग्रवाल
- (2) श्रीमती लीला बाई पत्नी एशंकर लाल अग्रवाल 15-1-1-ऊस्मान गंज हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० राज रेड्डी पुत्र एम नरिसम्मा रेड्डी बरवी-पूर गांब नैजामाबाव-तालुक।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न म प्रकाणन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के आध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रयं होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसुक्ती

मलग्गी नं० 5-7-637/15 मामनेका सता कामन सीड़ीयां पहली और दूसरी मनघले पर म्रार० सी० सी० **घर** जगदीशनी निकेतन का घर में मलग्गी स्टेंशन रास्ता नैजामाबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1527/78 उप र्राजस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन स**क्षम प्राधिकारी,** स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त** (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-1-1979

त्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जनवरी 1979

निर्देश सं० 300/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है।

श्रौर जिसकी सं० मलग़ी नं० 14, है, घर नं० 5-7-638/14 स्टेशन रास्ता नैजामाबाद में स्थित है (श्रौर इसमे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नैजामाबाद में भारतीय र्जिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, (1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिधक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण संहुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के ग्रिधीन कर देने से ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसा किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भ्राना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भ्रतः श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में; मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—-

- 1. श्रीमती लक्ष्मी बाई पत्नी मदनलाल ग्रग्नवाल
- (2) श्रीमती लीला बाई पत्नी शंकर लाल श्रग्रवाल 15-1-1 अस्मान गंज हैदराबाद। १ (श्रन्तरक)
- (2) श्री राज रेंड्डी मेम० पुत्र मेम नरसिम्मा रेड्डी बरवीपुर गांव नैजामाबाद तालुक। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के जारी लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समात्ति के प्रार्गन के सम्बन्ध म कोई भी प्राक्षीप :---

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविधया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन म प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित म है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलग़ी नं० 5-7-637/14 सामने की जगह सिड़ियां कामन पहली श्रौर दूसरी मत्ता पर है श्रार० सी० सी० तामीर वरानडा घर का नाम जगदीश निकेतन घर—स्टेशन रास्ता नैजामाबाद में है रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 1526/78 उप रिजस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद में हैं।

किं०एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 17-1-1979

प्ररूप ग्नाई० टी० एन० एस०----

भायकर म्रिमिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के म्रिमीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जनवरी 1979

निर्देश सं० 301/78-79---यतः मुझे के० एस० वेंकट राम्पन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० 1-1-154 श्रौर 155 है, जो एस० पी० रास्ता सिकीन्द्राबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यात्रक, सीकीन्द्रावाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 11-5-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित कगई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरिती) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितीं) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्रायकी बाबत, उक्त आयकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्थ श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए;

भतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भक्षीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत :--

- 1. श्रीमती जेंनीबीया रास्तमरानजी घर नं० 1-1-152 श्रौर 153 सरदार पटेल रास्ता सीकीन्द्राबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) मैसमं गाड हेज स्पीक्षेत 1-1-154, 155, सरदार पटेल रास्ता सीकीन्द्राबाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं:

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना केंगराजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रंधोहस्त क्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सपढदीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुपूची

खुली जमीन दणीन भाग का घर नं० 1-1-154, 155, कहा जाता है घर को ''दराब बीला'' मरदार पटेल रास्ता मीकीन्द्राबाद में र्जम्ट्री दस्ताबेज नं० 1329/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय मीकीन्द्राबाद म।

के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-1-1979

प्ररूप माई• टी॰ एन॰ एस॰-

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भ्रायुक्स (निरीक्षण)

श्चर्जन रज, हैंदराबाद हैदराबाद, दिनांक 17 जनवरी 1979

निर्देश मं० 302/78-79—यतः मुझे के० एम० वेंकट रामन

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है,

श्रौर जिसकी सं० 7-2-883 है, जो इसम गंज सीकीन्द्राबाद में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वाजा है), राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सीकीन्द्रः-बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन नारीख मई 1978

को पूर्वोक्त समात्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के तिए प्रत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनक दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से स्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) स्रोर यन्तरितो (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निखित में वास्तविक हुँप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरग में हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धनकर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः ग्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) प्रजीन, निम्मक्रिक्त व्यक्तियों, प्रयीत्:---

- (1) श्री बी० गयानेंशवर पृष्ठ वी० जेंगनादम घर नं० 7-1-272 मारूतीवीदी सीकीन्द्राबाद। (श्रन्तरक)
- (2) श्री सी० कवरी लाल जैन पुत्र धेनदनमल मारूती-वीदी सीकीन्द्राबाद।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध कोई भी धाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा जो उस श्रध्याय में दिया ण्या हैं।

अनुसूची

मलगी नं० 7-2-883 हीसम गंज सीकीन्द्राबाद रजिस्ट्री दस्तावेंज नं० 1178/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सीकीन्द्राबाद में।

के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी महायक भ्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-1-79

प्रकृप भाई• टी॰ एम॰ एस॰----

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जनवरी 1979

निर्देश सं० 303/78-79—यतः मुझें, के० एस० वेंकट रामन,

न्नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिनियम मिनियम करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- कु से भिन्न है

श्रौर जिमकी सं० पलाट नं० 10 हैं, जो एस० डीं० रोड में स्थित हैं (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सीकीन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 1978

क श्रधान ताराख 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान
श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उनित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किस्त
नहीं किया गया है:—-

- (का) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (धा) ऐसी किसी माय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखन व्यक्तियों, अर्थात् :—-

- (1) श्रीमिति सोना बाई घरनं० 83 ए० रामगोपाल पट।
- (2) श्रीमित सनतोश रोनी घर नं० 67-बी स्नार० पी० रास्ता।
- (3) एल लीना सेठी 4-2-50 सुभाष रास्ता सीकीन्द्रा-बाद।
- (4) श्री बी॰ प्रभु पिता रमास्वामी 4-2-289 महान काली गली।
- (5) श्री पी० मुत्यम पिना मलय्या तोटा बाई सुभाष नगर।
- (6) श्री धार० रमेण पुत्र शेजकरय्या 1-515 चैतनगर हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री बी० कृष्णा पुत्र राजेनशहा।
 - (2) श्री बी० नारीण पुत्र वी० कृष्णा।
 - (3) श्री वी० मत्यानारायन राउ।
 - (4) श्री सुरेंश (मैंनर) पुत्र श्री वी० कृष्णा ररवालें है, घर नं० 330 नयाबाई गुडा सीकीन्द्राबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना नारो करके पूर्वोका सम्पत्ति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीख से
 45 दिन के मीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
 किसी मन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास
 सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्यीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त शिक्षित्यम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्ष होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला घर प्लाट नं० 10 वीस्तेंन 311-65 वर्ग मीटर घर नं० $9-1-127/1/\mathbb{Q}/2$, $127/1/\mathbb{Q}$, $127/1/\mathbb{Q}/1$ मरोजीनी देवी रास्ता में है सीकीन्द्राबाद र्राजस्ट्री दस्तावज नं० 1284/78 उप र्जिस्ट्री कार्यालय मीकीन्द्राबाद में।

के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 17-1-1979

मोहर ;

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के भाषीन सुचन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजेन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 17 जनवरी, 1979

निदश सं० 304/78-79—यतः मुझे के० एम० बेंकट रामन

मारकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के पश्चीन सक्षय प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द के अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 7 घर नं० 1-11-252/1 बेगमपेट हैंदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कें कार्यालय, सीकीन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिष्टिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1978 पूर्वोक्त सम्पत्ति के बित्त बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए पन्नरित की गई है भीर मुझे यह विशास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिग्रत से ग्रिष्ट है, धीर धन्तरकों) धीर ग्रन्तरित (ग्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) धीर ग्रन्तरित (ग्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्यविक कप से क्षित नहीं किया गया है।—

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्राधिनियम के ग्राधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुखिश्वा के लिए। ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी आग या किसी घन या घन्य आस्तियों को. जिस्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की खपश्चारा (1) के बधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों, सर्वात्:--- मैंसर्स जब्बार रोयल स्टेट घर न० 54 नल्लागुडा सीकीन्द्राबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जी० वीरम्मा चीकड्पली हैंदराबाद। (ग्रन्सरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्प्रति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इ.स.सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीसर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितब द किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्वक्तीकरण:--इसमें प्रमुक्त शक्तों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही प्रयं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 7 पहली सता पर घर नं० 1-11-252/1 बेंगमपेंट हैंदराबाद में है रजिस्ट्री दस्ताबेज नं० 1280/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सीकीन्द्राबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर घायुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-1-1979

मोहर्

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी 1979

निर्देश सं० 290/78-79-(यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 3-3-934 है, जो कृतबीगुडा हैदराबाद में स्थिति है (भ्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 5-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से धिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भ्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उन्त भाष्ठितयम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, मैं, उन्त धिधितयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के भ्रधीत निम्त्रलिखित व्यक्तियों, भ्रयांत्:----8---466G1/78 (1) श्री अब्दुल खान 16-3-844/845 चेंनचल गुढ़ा हैदराबाध।

(श्रन्तरक)

- (1) श्री एम० पनडीत राउ
- (2) श्री एम नरसीलगराउ
- (3) श्री एम० गोपाल राज।
- (4) श्री एस० सुर्यनारायण घर नं० 3-3-934 कुतबी-गुडा हैदराबाद।

(ब्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पधों का, जो उक्त श्रिधिनियम] के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिमा गया हैं।

अनुसुची

चर नं० 3-3ब934 कृतबी गुडा हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेंज नं० 1683/78 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भायुक्स (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-1-79

प्रकृष माई॰ टी॰ एत॰ एस॰-----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के संधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी, 1979

निर्देश सं० 291/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

द्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पण्चान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 3 घर नं० है, जो 1-11-252/1 में बेंगमपेंट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, सीकीन्द्राबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-5-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रोर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रोर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त धन्तरक लिखन में बाहनीक का पे कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त धिवियम के घडीन कर देने के घन्तरक के दापित्व में कमी करने या उससे बबने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (च) ऐसी किसी घाय या किसी घन या प्रम्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

थनः सब, उक्त प्रक्षितियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, इक्त प्रक्षितियम की धारा 269-व की उपवादा (1) प्रवीत, तिमारिका वर्षति में अर्थात:---

- मैंसर्स जबार रीयल इस्टेट 54-नलागुङा सीकी-द्राबाद। (ग्रन्सरक)
- (2) श्री के० सुबा राउ, इंडियन फारेस्ट सर्विस प्राधिकट श्राफीसर ए० पी० फारस्ट डीवल्पमेंट कारपोरेशन लिमिटेड 12-84-प्रकाशनगर राजमेंनडरी। (भ्रन्तरिती)

 को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त तस्पनि के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उपत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो मी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, ओ उन्त अधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्म होंगा को उस धन्याय में दिया गया है।

प्रनुसू घी

सता नं० 3 जमीन के सता पर जिसका वीर्स्तन 1122 वर्ग फुट कमपाउन्ड वाला घर नं० 1-11-252/1 बेंगमपेट हैदराबाद रजस्ट्री दस्तावेंज नं० 1281/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सीकीन्द्राबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-1-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी 1970

निर्देश सं० 292/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से मधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 9 है, जो सर्वे नं० 13/1 ग्रमीरपेट हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 6-5-78 को

को 16) के अधान ताराख 6-5-78 का पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई भ्राय किसी की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के ग्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (■) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मब, उक्त भविनियम की घारा 269-म के भनुसरण में, में उक्त प्रविनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के भक्षीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात:—— श्री रामाजतार पुत्र स्वर्गीय मेरारीलाल घर नं०
 4-1-967 श्राबीद रास्ता हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० रामाराउ घर नं० 7-1-613/14 ग्रमीरपेट हैदराबाद।

(ग्रन्तरितीं)

उक्त सम्पति के प्रजंन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पट्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्स प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं प्रथं होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

मम् सूची

प्साट नं० 9 सर्वे नं० 17/1 18/5 में है बीर्स्तन 715 वर्ग गज श्रमीरपेट हैंबराबाद में रिजस्ट्री दस्तावंज नं० 1715/78 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैंबराबाद में।

के० एस० वेंकट रामम सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-1-1979

प्रकप धाई • टी • एन • एस •-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269 म (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद -

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी, 1979

निदेश सं० 293/78-79—यतः मुझेके० एस० वेंकट रामन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ख के भ्रिभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व्पए से भ्रिधिक है

भौर जिसकी सं० णाप नं० 16 घर है, जो नं० 5-8-522 जीरा गली लेन हैदराबाद में स्थित ह (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्याम करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्त्रविक कप से कथित नहीं किया गया
है !---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वायत, उक्त मिनियम, के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों की जिन्हें भारतीय धाय-कर घिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धिधिनयम, या धन-कर धिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाड़िए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त भ्रविनियम की घारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त प्रोधिनियम की घारा 269-ए की उपघारा (1) के भ्रधीन, निम्निनिखित अपवित्यों. धर्षात्:--- श्री जगदीश प्रसाद घर नं० 21-1-293 रीकाब गंज हैदराबाद।

(भ्रन्सरक)

2. डाक्टर मोर मसुद प्रली घर नं० 5-9-97 रजाक मंजिल पब्लिक गार्डेन रास्ता हैवराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के संबंध में कोई भी ग्रासीप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की झबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की झबिध, जो भी झबिध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा।
- (स) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य अ्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धतीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिश्चित्तयम के श्रष्ट्याय 20क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा जी उस ग्रद्याय में दिया गया है।

शमृस्ची

शाप नं 16 घर नं 5-8-522 में हैं—जीरागली लेन ग्राबीद रास्ता हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं 1578/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

सारीख: 16-1-1979

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269व (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी | 1979

निदेश सं० 294/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मलगी नं० 13 है जो धर नं० 5-8-522 जीरागली लेन--हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके कश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण किखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रीक्षितियम के बाबीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविक्षा के लिए; और/या
- (क्र) ऐसी किसी आगया किसा बन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर मिर्मिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त ध्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत्:—— श्री जगदीग प्रणाद धर नं० 21-1-293 रीकाबगंज हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मीर श्रजमत श्रली 18-8-4 मेदीबाजार हैदराबाद

(श्रन्तर्रती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्यति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्त्रंबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जो भी खबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में छे किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण:--इसमें अयुक्त शब्दों और पदी का, जा उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 13 धर नं० 5-8-522 का भाग जीरागली लेन ---श्राबीद रास्ता हैदराबाद में है । रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 1669/78 ऊप-रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक 16-1-1979 मोहर: प्रकृप प्राई• टी• एन• एस•------

ब्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 म (1) के ब्रघीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी 1979

निदेण सं० 295/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन प्रायकर धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ६० से धिक है और जिसकी सं० भाफ नं० 11-धर है जो नं० 5-9-522/2 जीरागली लेन हैदराबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद प्रमुस्ती में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है, भीर यह कि प्रन्तरक (अन्तरको) और प्रन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक इप से किया गया है :--

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भिध-नियम, के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुन्धि। के लिए:

भतः सम जनत प्रविनियम की छारा 269ग के अनुसरण में मैं, उन्त अधिनियम की घारा 269 घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात:----

- श्री गिरिराज गोयल
 धर नं० 5-3-1053 शनकर बाग, हैदराबाद
 (ग्रन्तरफ)
- 2. श्री सैयद इशाक हैमद धर नं० 19-3-175/1 जहानुमा, हैवराबाद। (अन्तरिती)

को यह पुथन। जारी करके पूर्वोक्त सन्यति के भ्रेजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपक्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर मूचन' की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी भ्रास्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठित्यम, के श्रध्याय 20-क में परिभावित है, वही श्रश्रंहोगा जो उस शब्याय में दियागवा है।

भनुसूची

मलणी नं० 11 धर नं० 5-8-522/2 में है जीरागली लेन में हैं। हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1983/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> कें॰ एस॰ वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख** 16-1-1979 मोहर: प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

आ ाहर यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी 1979

निर्देश सं० 296/78-79—यतः मुझे के० एम० वेंकट रामन भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'डक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 2 6 9-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25.00%/- द० से भश्चिक है भ्रौर जिसकी सं० गाप नं० 15 धर है जो नं० 5 - 8 - 522/1जीरागली लेन -हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इगयमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्य रान प्रतिफल से, ऐसे दृश्य मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भ्रस्तरक (भन्तरकों)भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित

(क) श्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियस के मधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औरं¹या

उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं

क्तिया गया हे :---

(ख) ऐसी किमी पाय या किसी घन या प्रत्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जम्ना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उरत प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त ग्रविनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्मिक्ति काक्तियों, अर्थात् ... श्री राज कुमार धर नं० 21-2-293 रीकाज गंज—हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

श्री गुलाम हैमद धर नं० 5-9-97
रैजममतलीले पश्चितक गार्डन रास्ता——हैदराबाद।
(श्चन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवादिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 किखित में किए जा सकेंगे।

ह्पाव्हीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, क भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रषं होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

मलगी नं० 15 धर नं० 5-8-522/1 में जीरागली लेनम हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1984/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० एम० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख 16-1-1979 मोहर: प्रकृप भाई० टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ं श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी 1979

निदेश सं० 297/78-79--यतः, मुझे, के० एस० वेंकट राभन, म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें म्रधिनियम' कहा गया इसके पश्चात 'उक्त की धारा 269-ख के ऋधीन सक्षम प्राधिकारी ो, यह िश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है, भ्रौर जिसकी सं० मलगी नं० 12 और -13 है जो 5-8-522/2 में जीर।गली लेन--हैदरावाद में स्थित है (श्रौर इसमे उप।बद्ध श्रनुमूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) र्राजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय हैवराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मई 1978 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य सेकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझेयहविश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और श्रन्तरक (भ्रन्त एकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे

अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित

उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिष्ठितियम, के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, ध्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुमरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-थ की सुपधारा (1) ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात् :→→ श्री गिरिराज गोयल धर नं० 5-3-1053 शेनकर बाग हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 डाक्टर मीर रशीद श्रली धर नं० 5-9-522/2 जीरागली लेन हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के श्रर्जन के मंबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं 0 12 धौर 13 धर नं 0 5-8-522/2 जीरागली लेन—हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं 0 1986/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में हैं।

> के० एम० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-1-1979

मोहरः

प्रकृप बाई • ही • एन • एस • --

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी, 1979

निदेश सं० 298/78-79—- ग्रतः मुझे के० एस० वेंकट-रामेन

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रश्निमम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मूक्ष 25,000/- द॰ से प्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० कार्यौलय नं० 9 है जो आबीद शार्पिंग सेंटर हैदराबाद में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद श्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णिन है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1978 को

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्यमान प्रतिफक्त के निए अन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके पृत्यमान प्रतिफल के, ऐसे वृत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नसिक्त उद्देश्य से जन्त अन्तरण लिखित में बाल्तिकल, निम्नसिक्त उद्देश्य से जन्त अन्तरण लिखित में बाल्तिकल कप से कवित सहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त स्रक्षिक निसम के स्थीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में कती करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ भास्तियों को जिन्हों, भारतीय ग्रायकर ग्रिश्चित्यम, 1922 (1922 का 11) या उभर ग्रिश्चित्यम, या श्रन-कर ग्रिश्चित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें ग्रन्थिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

प्रतः प्रव, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग के अनुवरण में, में, उक्त प्रविनियम की बारा 269-म की उपधारा (1) के संधीन निम्नशिक्ति स्वक्तियों, प्रचीत्:--- श्रीमती पुशकालता पार्टनर ग्रसोसीयटेड बुलडक्षं भौर रीयल इस्टेट एजेंट ग्राबीद रास्ता हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

श्री महमद ग्रारीफ पिता महमद इब्राहीम
 11-2-147 नामपली मारकीट हैदराबाद
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के खिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में नोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी वासे 45 दिन की घवछिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामीका से 30 दिन की घवछि, जो भी घवछि बाद में समाप्त होती हो, के भीशर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उस्त स्वावर सम्पत्ति में हितवदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, सक्षोड्स्ताक्षरी के पास विविध में किए जा सकेंगे।

स्पच्छी करण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, वहीं अर्च होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

कार्यालय नं० 9 दूसरा मंजिल धर प्राबीद शफीनम सेंटर जीरागली लेन हैवराबाद रंजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1924/78 उप रंजिस्ट्री कार्यालय हैवराबाद में।

> कै० एस० वेंकट रामक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख 16-1-1979 मोहर :

9-466 GI/78

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-

आयकर ग्रिमियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोच्चिन-16 कोचीन-16, दिनांक 27 सितम्बर 1978

निदेश सं० एल० सी० 240/78-79---यतः मुझे के० नारायण मेनोन

धायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है जो तिक्बल्ला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबच्च श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण कप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय तिक्वल्ला में रिजस्ट्रीकरण ॣृश्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 29-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण जिखात में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त मिंधनियम के भन्नीन कर देने के भन्तरक, के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के बिए;

भतः भव, उक्त मधिनियम की घारा 269-म के मनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, ग्रंथांत रू

- 1. (1) श्रीके० एम० णामुबल
 - (2) जेकब

(ग्रन्तरकह)

2. एम० जोर्ज एकाह्यम

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी माजेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
 भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (घ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुजुची

 $28\ cent_8$ 11 sq. links of land with buildings in Sy. No: 378/2 and 379/1 of Thiruvalla village.

कें० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 27-9-78 मोहर : प्रारूप भाई। टी • एत • एस • ----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के घाषीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, एणांकुलम कोच्चिन-16

कोचीन-16, दिनांक 23 श्रक्तूबर 1978

निदेश सं० एल० सी० 254/78-79---यतः मुझे, जी० मोहनलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- २० से प्रधिक है,

श्रीर जिसकी सं० श्रतुसूची के श्रनुसार है, जो मोहल्ला पन्चायत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ श्रतुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोड्डन्गलू में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 17-5-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्त- बिक कप से कबित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत पक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसक्ते बचने में सुविधा के किए; भीर/या
- (धा) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य द्यास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिषानियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिषानियम, या घनकर घिषानियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घनतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, खिपाने भें सुविद्या के लिए।

धतः अस उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सर्ण में, मैं उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन निम्निजित स्पितियों प्रचीत :--- 1. श्री हरिहरा भ्रय्यर

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती बीं० एन० वंलसला

(भ्रम्तरितीं)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त गंपित के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हित- के किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही ग्रथं होगा जो, उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रमुची

10 cents of land with buildings vide document No. 1245/78 of SRO, Kodungallur.

वी० मोहनलाल स**क्षम प्राधिकारी** सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 23-10-1978

प्रकप धाई - टी - एन - एत ---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, एरणाकुलम,

कोचीनब16, दिनांक 16 नवम्बर, 1978

निवेण सं० एल० सी० 267/78-79—यतः मुझे, के० नारायण मेनोन,

आयकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख से घिटीन मक्तम श्रीवकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25000/- क्या से घिटक है

जिसकी पं० अनुसूची के अनुसार है, जो विचुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विचुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-5-78 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिश्वत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अम्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया असि उन्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिय नहीं किया गया है:--

- (क) प्रस्तरण सं हुई िसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं प्रत्यति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिये था, खिपाने में प्रविधा के लिए;

भतः भव उत्त मधिनियमं की धारा 269-ग के सनुसरण में, मैं, उन्त सिधनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नीनिधात न्यिक्तयों, भ्रथाँस् :--- 1. श्री बी० जी० एन० मेनोन

(भ्रन्तरक)

2. श्री के० पी० रवीन्द्रन

(श्रन्तिरती)

को यंद्द सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भक्ति में हितबद्ध
 किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताकारी के पास
 निवात में किए जा सकेंगे ।

हाज्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीध-नियम के भ्रष्टवाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही भर्ष होगा, जो उन भ्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

Land and building as per schedule to document No. 2446 of SRO, Trichur.

के० नारायण मैनोन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

नारीख: 16-11-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 20 नवम्बर, 1978

निदेश सं० एल० सी० 268/78-79--- यत: मुझे के० नारायण मेनोन ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुगए से ग्रधिक है श्रौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो श्रालुवी में स्थित है (क्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रालुवा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 24-5-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के भ्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) एसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः प्रव, उन्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त श्रिष्ठिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) श्रिष्ठीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रिष्ठीत् :— श्री के० राधाकृष्ण रेक्कियार

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) जमीला
 - (2) एम० ए० राजन

(अन्तरिती)

3. कातिलिक सिरियन बैंक लिमिटेड, श्रालुवा (बह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वित सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ध्रजन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की भ्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

11 cents of land with buildings vide schedule to document No. 2168/78 of SRO, Alwaye.

के० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 20-11-79

माहर:

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की खारा 269-थ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर धायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 23 नवम्बर, 1978

निदेश सं० एल०सी० 269/78-79—यतः मुझे के० नारायण मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्वात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित थाजार मूल्य 25,000/-रुपए से मिधक है

ग्रौर जिसकी नं श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो तिक्वल्ला में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिक्वल्ला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 16-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि याषापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक हैं भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निश्चित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से क्षित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधां के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किनी श्राय या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों
 को जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रिधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या
 धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए , था छिनानें
 में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उन्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के **ग्रनुसरण** में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-**म की उपधारा (1)** के अधीन, निम्निस्थित ध्यक्तियों, अर्थास् :--- 1. श्री कें भी तोनाम

(भ्रन्तरक)

2. श्री के जोमफ

(भ्रन्तरिती)

रिसर्वे कार्यालय, तिरुवल्ला
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मूचना जारी फरकेपूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राभेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में न किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी धन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास
 जिख्यित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में विधा गया है।

श्रनुसूची

तिस्वल्ला रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पंजीकृत दस्तावेज नं० 1312/78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

> के० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजंन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 23-11-1978

प्ररूप धाई• टी• एत• एस•----

भासकर बिधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के बिधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 22 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० एल॰ सी० 273/78-79—यतः मुझे के० नारायण मेनोन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र• से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (श्रौर इससे उपाव अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-5-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) कोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिद्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिद्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिद्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रक्तरण कि बिद्य में बास्तविक का से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबस, उक्त भिक्षियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (खा) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रीविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीविनियम, या धनकर ग्रीविन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में स्विधा के लिए;

अतः सब, उक्त प्रशिनियम की बारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, 'उक्त प्रिधिनियम' की धारा 269-च (1)के अक्षीन, निम्नलिखित व्यक्तियों :— श्री फेटेरिक कोलिस

(ग्रन्तरक)

2. ऐवर लानमलोट जुट कोलिम

(भ्रन्तिरती)

- 3. (1) श्रीमती मेरी
 - (2) एँसल जोन
 - (3) फानिस

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माओन :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी सम्य व्यक्ति हारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए जा सकेंगे।

स्थानीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को उक्त बाधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिचाणिक हैं, बही प्रषं होगा जो उस प्रध्याय में विवा गया है।

मनुसूची

61.64 cents of land in Sy. No: 35/1(Part) together with Bungalow bearing Corporation No. XLVI/1152 in Ernakulam village—vide schedule to Doc. No.: 162/1/1978.

कें० नारायण मेनोत सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक भायकर श्रामुक्त श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 22-12-1978

ेप्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयक्षर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 2 जनवरी, 1979

निदेश सं० एन० सी० 274/78-79--यतः मुझे, के० नारायण मेनोन

शायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रवीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इपयें से श्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० अनुसूची के श्रनुसार है तथा जो गुरुवायुर विलेज, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय तिचुर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 29-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रमीन निक्तिलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:--

- श्री बी० रामस्यामी, ग्रय्यर तथा श्रन्य (श्रन्तरक)
- 2. के० के० शिवरामन

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रन्य ब्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

राष्ट्रीकरण:—-इसमें प्रयुक्त गड़दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

16 cents of land as per schedule to doc. No. 2440/78 of SRO Trichur

के० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 2-1-1979 मोहर: प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम,

कोचीन-16, दिनांक 2 जनवरी 1979

निदेश सं० एन० सी० 275/78-79—यतः मुझे, के० नारायण सेनोन,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० अनुसूची के श्रनुसार है, जो 'गुक्वायुर बिल्लेज मों स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है, रिजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय बिचुर मों भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 29-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबस, उक्त ग्रिधिनियम के भ्रमीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ध्रन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, ग्रर्थात्:— 10—466GI/78

- (1) श्री बी० रामस्वामी प्रय्यर और अन्य (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती ए० वी० विजयलकक्षमी श्रम्मा (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिये एतवृद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित म किए जा सकने।

स्पवटीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ द्वीगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रमुसूची

 $31\frac{2}{3}$ cents of land as per schedule to document No: 2435/78 of SRO, Trichur.

के० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 2-1-1979

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम,

कोच्चिन-16, दिनांक 2 जनवरी 1979

सं० निदेश सं० एल० सी० 276/78-79--यतः मुझे, के नारयण मेनोन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रु० से

श्रौर जिसकी सं० श्रनसूची के श्रनुसार है, जो गुरूवायुर विल्लेज में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय त्निचुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 29-5-1978

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उपत श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कियामया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी अ।य या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रम, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त, अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रयात्:-

(1) श्री वी० रामस्वामी ग्रय्यरर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सी० सी० जोस

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

16 3/5 cents of land as per schedule to document No.; 2434/78 of SRO, Trichur.

के० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, एरणाकूलम

तारीख: 2-1-1979

प्ररूप प्राई० टी• एन• एस•----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम,

कोच्चिन-16, दिनांक 2 जनवरी 1979

निदेश सं० एल० सी० 277/78-79—यतः मुझे, के० नारायण मनोन

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है) की प्रारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रौर जिसकी स० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो गुरूआयुर विल्लेज में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 29-5-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के जिन्त बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तिक स्प से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त प्रक्रितियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसके बचने में सुविद्या के सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना कादिए का, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के प्रमुसरण यें; में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीन; निम्मिलिखत व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) 1. श्री बी॰ राम स्वामी अय्यर और दूसरे (भ्रन्तरक)
- (2) श्री के० एस० प्रफाकरन

(भ्रन्तरिती)

(3) किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके <mark>श्रधिभोग में</mark> सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी **स सें** 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में द्वितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्व्हींकरण: ---इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त भिवित्यम के अध्याय 20क में परिभावित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

18.5 cents of land as per schedule to document No. 2439/78 of SRO, Trichur.

कें० नारायण मेनोज सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 2-1-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, एरणाकुलम,

कोच्चिन-16, दिनांक 2 जनवरी 1979

निदेश सं० एल० सी० 278/78-79---यतः मुझे, क० नारायण मेनोन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-

र० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो गुरूवायुर विल्लेख में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय विचुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 29-5-1978 को

के उचित बाजारमूल्य से कम के पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए ग्रन्तरित की गई है प्रतिफल यह विश्वास करने का कारण ग्रोर मुझे यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्श्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक म्रन्तरक (भन्तरकों) भौर (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त श्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) एसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय, श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

द्यतः अन उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्री रामस्वामी भ्रय्यर

(मन्तरक)

(2) श्री सी०पी० वरगीन

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

20.25 cents of land as per schedule to document No. 2437/78 of SRO, Trichur.

के० नारयण मेनोन सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर आयुक्त श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 2-1-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-भ(1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, एरणाकुलम,

को चिनन-16, दिनांक 2 जनवरी 1979

निदेश सं० एल० सी० 279/78-79—-वतः मुझे के० नारायण मेनोन

भायकर ग्रिश्वनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत ग्रिश्वनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिश्वन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मल्य 25,000/- क्पए से ग्रिशिक है

श्रीर जिसकी सं श्रानुसूची के श्रनुसार है, जो गुस्सावर विल्लेज में स्थित हैं (श्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्वालव तिचुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 29-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से स्थत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिश्चित्यम के ग्रिग्चीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐंसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनयम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविश्वा के लिए;

मतः मन, उक्त मिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में मैं, उक्त मिनियम की धारा 269-व की उपमारा (1) के मिनि निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:— (1) श्री बी० रामस्वामी अय्यर

(अन्तरिती)

(2) श्री में ०सी ● राजन

(ग्रन्तरक)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के श्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की मवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, को अक्त भिधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भयं होगा जो उस भ्रध्याय में विया गया है।

मनुसूची

19 cents of land as per schedule to document No. 2438/78 of SRO, Trichur.

कें० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकृतम

तारीच : 2-1-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम,

को (च्चन-16, दिनांक 2 जनवरी 1979

निदेश सं० एल० सी० 280/78-79---यतः मुझे के० नारायण मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द॰ से प्रसिक है

स्रोर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो गुरुवायूर विल्लेज में स्थित है (श्रोर इससे उबाबद श्रनसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय विचूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1980 (1908 का 16) के श्रधीन 29-5-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण विखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अग्नि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/था
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ प्रमारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया काना चाहिए था; दिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत। यब, उक्त ग्राधिनियम की ग्रारा 269ग के प्रमुसरण में; में, उक्त ग्राधिनियम की श्रारा 269थ की उपभारा (1)के ग्रामीन, मिक्नलिखित व्यक्तियों ग्रावीद :-- (1) श्री रामस्वामी श्रय्यर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० के० बाबु (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य क्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

श्यव्यक्तिकरण: --इसमें प्रयुक्त कव्यों धीर पदों का, जो उक्त सिक-नियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

22 cents of land as per schedule to document No. 2433/78 of SRO, Trichur.

कें० नारायण मनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकूलम

तारीख 2-1-1979 **मोहर**: प्रकृप भाई • टी • एन • एस • -----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 2 जनवरी 1979

निदेश सं० एल० सी० 281/78-79—यतः मुझे के० नारायण मेनोन

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार ह, जो गुरवायर विल्लेज म स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिचूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान, 29-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है घौर धन्तरक (धन्तरकों) घौर मन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त मिछ-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी फिसी धाय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धनकर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के सिए;

भता, भवः उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री बी० रामस्वामः ग्रय्यर (ग्रन्तरक)
- (2) श्रा के०वा० सदानन्दन (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पढ़ों का, जो उक्त भिक-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभावित हैं, वहीं भ्रथं होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

बनुसूची

30 cents of land as per schedule to document No. 2441/78 of SRO, Trichur.

कें० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज, एरणाकुलम

ताराख 2-1-1979

प्रकृष माई• टी• एन• एस•---

आयकर ग्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 2 जनवरी 1979

निदेश सं० एल० सी० 282/78-79---यत: मुक्ते, कें• नारायण मेनोन भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-वा के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्व 25,000/- र∙ के मिक है ग्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो सुरूबायुर विल्लेन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप ने र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विचुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 29-5-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर भूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके धृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिशत से ग्रधिक है और श्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तब पाया गवा प्रतिकल, निम्नलिखित **छदृश्य से उन्त प्रस्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित**

(क) धन्सरण से हुई किसी खान की नानत उक्त ग्रिशिनयम, के मधीन कर बेने के अन्तरक के द्यायश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

नहीं किम गमा है:---

(च) ऐसी किसी भाग या किसी अन वा मन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत मिधनियम, या भन-कर मिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

्धतः, भव उक्त ग्रीकिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मिलियम की घारा 269-म की उश्वारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री बी० रामस्वामी अय्यर
- (अन्तरक)
- (2) श्री पी० टी० विम्वमभरन (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगें।

स्पष्कीकरण:—इसमें प्रयुक्त कन्दों भीर पदों का, जो उक्त धिक्षियम के धध्याय 20-क में परिभावित है, वही भयं होगा जो उस धध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

31 cents of land as per schedule to document No. 2436/78 of SRO, Trichur.

के० नारावण मेनोन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजेन रेंज, एरणाकुलम

बारी**ब** 2-1-1979 मोहर : प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन मूचना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज एरणाकुलम, कोच्चिन -16, दिनांक 2 जनवरी 1979

निदेश सं० एल० सी० 283/78-79---यतः मृक्षे, के० नारायणमेनोन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भीर जिसकी सं० धनुसूची के धनुसार है, जो उरूमनयूर विस्लेज में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय चावककाड में भारतीय रस्ट्रिकरण ग्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन, 25-7-1978 को पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है शीर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक कप मे कियत नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी प्रायकी वाबत उक्त श्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर,या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या ध्रम्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर भाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त ग्रिशिनयम, की घारा 269-ग के अनुसरण म, उक्त ग्रिशिनयम की घारा 269-घ की उपहर्रा (1) के ग्रिशीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्:—— 11—46601/78

- (1) श्री के० एस० कृष्णा प्रध्यर (श्रन्तरक)
- (2) श्री पी० के० कमारू (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस ग्रम्थाय में दिया गया है।

श्रनुसूची

80 cents of land as per schedule to document No. 967/78 of SRO, Chawakkad.

के० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जंद रेंज, एरणाकुलम

तारी**ख** 2-1-1979 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन∙ एन०-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक म्रामकर म्रामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम,

कोचिन-16, दिनांक 3 जनवरी 1979

निदेण सं० एल० सी० 284/78-79—यतः मुझे के० नारायण मेनोन,

भायकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधितयम' कहा गया है, की धारा 269-ख के श्रिधीत मधान श्रिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो जिकान्टियूर विल्लेज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्सा श्रिधिकारी के कार्यालय तिस्टर में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 15-5-1978

को, पूर्वोक्त संपत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरिनों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय का बाबस उक्त धांधिनियम के घंधीन कर देने के धन्तरक के बायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के (बए; और/या
- (ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्नियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या ग्रम-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

अतः भन, उन्त अधिनियन की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त भिधिनियम की भारा 269-म की उपभारा(1) के अधीन, निम्नलिखित ग्यक्तियों, मर्थात्:——

- (1) श्री गोपालन नायर (श्राग्तरक)
- (2) डी॰ बालकुण्णन (ग्रस्तरिमी)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीका संत्रति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीर:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदीं का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्म होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2.14. acres of land as per schedule to document No: 1151/78 of SRO, Trichur,

के० नारायण मेनोन स**क्षम प्राधिकारी,** सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (नि**रीक्षण**), श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारी**ख** 3-1-1979 मोहर:

प्ररूप भाई व टी व एन व एस ----

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) को घारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-16, दिनांक 3 जनवरी 1979

निदेश सं० एल० सी० 285/78-79—यतः मुझे के० नारायण मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो एलयावूर विल्लेज में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कानसूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 31-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मिन्नक है भीर श्रन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक कष से किंबत नहीं किया गया हैं।—

- (क) अस्तरण में हुई किसो आय की बाबत उक्त अधिनियम, के मधीन कर देने के अस्तरक क दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के क्षिए; मीर/या
- (व) ऐसी किसी भाय या किसी धन या मन्य आस्तियो की, जिन्हें भारतीय भायकर भिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिधनियम, या धन-कर भिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उन्त भ्रिधनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती राजलक्ष्मी (ग्रस्तरक)
- (2) श्रीमती पी० पी० कून्जीबी (ग्रन्तरिती) को यह म्वना नारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंत के लिए कार्यवाहिया करना हूं।

उक्त मंपिल के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप: ~

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की प्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसा व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

म्पड्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गड्दों और पदों का, जो उन्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ⁸।

ध्रमुसूची

1.04 acres of land as per schedule to document No: . 1228/78 of SRO, Cannannore.

कें० नाायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 3-1-1979

मोहर ।

प्रकप प्राई० टी• एन० एस०-

आयकर मर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज कार्यालय पूना-5 दिनांक 27 जनवरी 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/हवेली II /पूना/जुरङ 78/400---यतः मझे, श्रीमती पी० ललवानी,

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या 12 ए एलिफिस्टर्न रोड है तथा जो बोपोडी, खड़की में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हवेली पूना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 24-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निब्बित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उनत अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रम्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मन, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के भनुतरण में, मैं, उन्त घिष्ठिनियम की घारा 269-च की उपजारा (1) के मधीन, निम्मलिखित अपनितयों. ग्रंथीत्:——

- 1. श्री जय विनशा कापिडिया 12 ए, कालिफस्टन रोड, खिड्डकी (ग्रन्तरक)
- 2. मेसर्स कनगराज तिवारी, श्रग्नवाल श्रंड भसोसिएटस 57, बोपोडी, बांम्बे पूना रोग, पूना (मतस्रिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रभोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उनन श्रिक्षितियम के भ्रष्टयाय 20क में परिभाषित है, वही श्रषं होगा जो उस श्रष्टयाय में सिया गया है।

प्रमुखी

प्रापर्टी 12 ए एलिफिस्टन रोड़, बोपोडी खिड़की पूना, 4000 वर्ग मीटर्स

(जैसे कि रजिस्ट्रोकृत विलेख कै० 1194, दिनांक 24-7-78 को सब रजिस्ट्रार हवेली II के दक्तर में लिखा है)

> श्रीमती पी० ललवानी सक्षम प्राध्किारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, पूना

तारीख 27-1-1979 मोहर : प्ररूप आहें। टी। एन०एम०--

म्रायंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) कं प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

भर्जन रज कार्यालय

पूना, दिनांक 27 जनवरी 1979

निदश सं० सी० ए० 5 /हवेली II /म्रगस्त 1978/402— यतः, मुझे, श्रीमती पी० ललवानी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- रु॰ से प्रधिक है

भौर जिसकी संख्या सर्वे 105 है तथा जो हडपसर पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय हबेली II पूना में, रजिस्ट्री करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29-8-1978

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृष्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसो भाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कभी करने बा उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्तिविश्व व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री रोहिदास बाबुराय मोरे हड्डपसर पूना, 411028 (ग्रन्तरक)
- 2. पूना इस्टेट डेंग्लपमेंट प्रायवेट लि॰ सोनिया 288, श्री को ग्रांपरेटिन्ह हौसिंग सोसायटी सहजीवननगर पूना 411009 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए भार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, धधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त श्रिधित्यम के शब्दाय 20क में तथा परिभा-षित है, बही श्रर्थ होगा जो उस श्रामाय में दिया गया है।

श्रनुसूची

जमीनका सबे ऋ०	टुकडाः	दिस्स कर	एरिया फ	tnau
नव कर		16/1 40	31/91 4	MAIM
			ह० ग्रार०	साटक
	105	20	0.78	9.33
	106	25 €	0.04	69.78
				
				0.82 म्रार०
				89298 वर्ग

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 1400 दिनांक 29-8-1978 की सब रजिस्ट्रार हवेली II वपतर में लिखा है)

> श्रीमति पी० ललवानी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, पूना

फुट

तारी**ख** 27-1-1979 मोहरः प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रष्ठीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कायलिय पूना, दिनांक 27 जनवरी 1979

निर्देश सं० मी० ए०/ह्वेली 11 /पूना/प्रगस्त 1978/404 यतः मुझे श्रीमित पी० ललवानी प्रायकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे कि 103, हिस्सा कि 7 फायनल प्लाट कि 407075 और 84 है तथा जो हडपमर पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय हबेली पूना में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 29-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) ग्रन्तरण से हूई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती ग्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रभीन निम्निश्चित व्यक्तियों, श्रयोत :—

- श्री निवृत्ती जानोबा मोरे हिस्सा क० 109, हुउपसर पूना 411028 (धन्तरक)
- 2. पूना इस्टेंट डेब्ह्लपममेंट प्राइवेट लि॰ सोनिया, 288, श्री को श्रापरेटिव हौंसिंग सोमायटी, महजविननगर पूना 411009, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त-सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त मध्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ाः−–		हडपसर पूना		
हिस्सा क०	एरिया	फायनाल		
	है० भ्रार०	हवाट ऋ०		
7	0.80	40, 70,75		
		श्रौर 84		
	हिस्सा कं०	हिस्साकं० एरिया है० फ्रार०		

(जैसे की राजिस्ट्री विलेख कि 1407 दिनांक 29-8-78 को सब राजिस्ट्रार हवेली के दक्तर में लिखा है)

श्रीमित पी० ललवानी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख 27-1-1979 मोहर:ं∤ प्रकप ग्राई॰ टी • एन • एस •----

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(1) के अधीत मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज कार्यालय पूना-6 दिनांक 27 जनवरी 1979

निर्देण सं० सी० ए० 5/हवेली [[/ग्रगस्त 1978-405---यतः मुझे श्रीमिन पी० ललवानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या सर्वे कि 103, हिस्सा क 19120-25,103 है तथा हड सपर पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी कार्यालय हबेली II पूना में, रिजिस्ट्री करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) । श्रिधीन, तारीख 29-8-78 के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितिकल के लिए श्रन्तरित की गई है और मृष्टे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्ध इप्रतिगन से अधिक है और शन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरितों (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण क लिए तय गया गया श्रिक्तल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण किखित वें वास्तविक क्या से कियन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिध-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ब) ऐसी किसी भाय या किसी यन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या भ्रमकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविद्या के लिए;

अत: शब, उन्त श्रधिनियम की द्वारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उन्त श्रधिनियम की द्वारा 269न की उपद्वारा (1) के अधीन निनलिखित श्यक्तियों, अर्थातः -

- श्री गंभाजी तुकाराम ग्रीर हिस्सा क० 199 इगमपमर पुन। 411028 (भ्रन्तरक)
- 2. श्री पूना इस्टेट इंब्ह्लपमेट प्रायव्हेट लिए सीनियाः 288, श्री कोग्रापरेटिव हौसिंग सोगायटी गहजविननगर, पूना 411009 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्योक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उदरा संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचनः की तामील से 30 दिन की भविधि जो भी भविधि जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बदा किसी सन्य क्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त ग्रिशिनयम के प्रव्याय 20-क में परि-भाषित हैं बही भर्च होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन: हडसपर पूना
सर्वे कः हिस्सा कः एरिया फायनल
ई॰ ग्रारः प्लाट
103 19+20 0.62 40,7075
103 25 ;.11 84

73 फ्रार० 79497 वर्ग फुट

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख करु 1405 दिनांक 29-8-78 को सब रजिस्ट्रार हवेली के दफ्फतर में लिखा है।

> श्रीमित पी० ललवानी सक्षम प्राधिकारी मह(यक ग्रायकर <mark>प्रायुक्त (</mark>निरीक्षण) भ्रार्गन रोज, पूना

तारीखा 27-1-1979 मोहर : परूप माई• टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना 5

पूना-5 दिनांक 27 जनवरी 1979

निदेश सं० सी० ए 5/ह्वेली-/ प्रिश्रगस्त 78/406:—यतः मुक्के श्रीमितिपी० ललवानी

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० कम 105 105 105 105 105 श्रौर हिस्सा क० 2 9 16+17 19 25 एच० है तथा जो हडपसर पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय हवेली-II पूना में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-8-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त भिधिक नियम के ग्राधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे अपने में सुविद्या के लिए; ग्रीर/या
- (व) ऐमो किनी भाग या किसी छन या अन्य भ्रास्तियों को, जिस्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या छन-वर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रत: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के ग्रनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 घ की उपबारा (1) के बद्रील निस्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत्:--- श्री ज्ञानोबा बार्ग्रह मोरे ग्रंड श्रादर्म हिस्मा क० 199 हडपमर पुना-411028 ।

(भ्रन्तरक)

2. पूना इस्टेट डेव्हलपमेंट प्रायवेट लि० सोनिया 288 श्री कोधापरेटिव्ह हौसिंग सोसायटी महजीवननगर पूना-411009।

(ग्रन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोश्व सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्पयाहियां करका हो।

उन्त संपत्ति के ग्रर्जन के मंग्रंथ में कोई भी पार्श्वप :--

- (क) इस मूचना के राज्यत्र में अकागन की नारीक से 45 दिन की प्रविध या तत्नंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पक्ष निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रद्राय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथं होगा, हो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन : हउसपसर पूना में

जमा	न ः हजसपसर	पूना म	
सर्व ऋ०	हिस्सा ऋ०	एरिम्रा ई०म्रार	फायनस [्] साट ऋ०
105	2	0.20	40.70
105	9	0.33	75 84
105	16-17	0.27	
105	19	0-27	
105	25एच	0-31	
105		0-14	
		115 भ्रार०	125 235 वर्ग
			फुट

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 1404 दिनांक 21-8-78 को सब रजिस्ट्रार हवेली II के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पीं० लसवानी सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, पूना

तारीख: 27-1-79.

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के ब्रिधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, पूना

पूना-5 दिनांक 27 जनवरी 1979

निदेण सं० सी ए 5/हवेली-II/पूना/ग्रगस्त 78/407:— यतः मुझे श्रीमति पी० ललवानी ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से ग्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मर्बे क० 105 हिस्सा क० 12 फायनल प्लाट क० 9 44 69 श्रीर 78 है तथा जो हडपसर पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय हवेली II पूना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन सारीख 29-8-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृयश्मान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत संग्रीय अन्तरित (अन्तरिक्त संग्रीय अन्तरिती (अन्तरिक्त के श्रीय अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भ्रव, उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त भ्रधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्यात्:--12 466GI/78

- श्री वामोदर बाबुराव मोरे हडपमर पूना-411028। (ग्रन्तरक)
- श्री पूना इस्टेट डेव्हलपमेंट प्रायवेट लि० सोनिया 288
 श्री को भ्रापरेटिव्ह हौंसिंग सोसायटी सहजीवनगर पूना-411009.

(भ्रन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के सबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के भ्रष्टवाय 20-क, में परिभाषित हैं, वहीं भ्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिवा गया है।

ग्रनुसूची

जमीन का टुकड़ा : हडपसर पूना

सर्वे ऋ०	हिस्सा क०	एरिया हे०भ्रार	फायनल प्लाट क्र
105	12	0.34	9 44 69
		37026 वर्ग फुट	

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत विलेख क० 1501 दिनांक 29-8-78 को सब रिजस्ट्रार हवेली Π के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमति पी० ललवानी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 27-1-79

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना 5

पूना-5 दिनांक 27 जनवरी 1979

निदेश सं० सी ए 5/हवेली II/पूना/ग्रगस्त 78/408:—यतः मुझे श्रीमित पी० ललवानी हैं शंकर ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से श्रिधिक है

भीर जिसकी सं० सर्वे क० 103 105 हिस्सा क० 22 ए 22 बी 5 ए फायनल प्लाट क० 81 है तथा जो हडपसर पूना में स्थित है (भीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय हवेली II पूना में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 176) के श्रधीन सारीख 29-8-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रवः, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, श्रथीत:—

- श्रीमती बागुबाई बाबू मोरे 48 हडपसर पूना-411028.
 (भ्रन्तरक)
- 2. श्री पूना इस्टेट डेव्हलपमेंट प्रायबेट लि० सोनिया 288 श्री को ग्रापरेटिव्ह हौंसिंग सोमायटी सहजीवनगनर पूना-411009.

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची जमीन : ह**ड**पसर पूना में :

सर्वे ऋ०	हिस्सा ऋ०	एरिया ह०भ्रार	फायनल प्लाट ऋ०
103	22 ए०	011	81
103	22 बी	0-11	
105	5 ए	012	
	-		

34 हैंक्टेयर या 37026 वर्ग फुट

(जैसे कि रजिस्ट्रीइत विलेख ऋ० 1399 दिनांक 29-8-78 की मब रजिस्ट्रार हवेली-II के दफ्तर में लिखा है)।

> श्रीमति पी० ललवानी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारी**ख** : 2**7-**1-79.

प्रका आई० टी० एन० एस•----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, पूना-5

पूना-5, दिनांक 27 जनवरी, 1979

निदेश मं० सी ए 5/हवेली-II/पूना/ग्रगस्त, 78/409:---यतः, म झे, श्रीमति पी० ललवानी,

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-क के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ध्रप्ये मे अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मर्बे ऋ० 105 हिस्सा ऋ० 23 बी, 22 ए, 4 बी, 25 ए, फायनल प्लाट ऋ० 81, है तथा जो हडपसर, पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, हवली II, पूना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, टारीख 29-8-78

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिज्ञत से प्रधिक है घोर घन्तरक (घन्तरकों) घोर घन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे घन्तरक के लिए तय वाया वया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखित में बास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरंग संदूई किसो भाग की वाबत, उत्कल्त प्रधिनियन के भन्नीन कर देने के भन्तरंक के दायित्व में कभी करने या उससे चचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (का) ऐती किसी भाष या किसी वन या अध्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः भ्रव, उक्त भ्रिशिनियम, की खारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त श्रिशिनियम, की खारा 269-च की उपधारा (1) के धीन निम्निलिखत व्यक्तियों, ग्रार्थात्रुः---

- श्री दत्तामय बाबू मोरे, ऋ० 48, हडपसर पूना-411028.
 (भ्रन्तरक)
- 2. श्री पूना इस्टेट डेब्ह्लपमेंट प्रायवेट लि०, सोनिया, 288, श्री को प्रापरेटिव्ह हौंसिंग सोमायटी सहजीवननगर, पूना-411009.

(म्रन्तरिती)

को यह सूत्रता जारी लरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजंत के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपुत में प्रकाशन की धारीख से
 45 दिन की अवधि या सस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूवना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबढ़ किसी भ्रन्य स्थित द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पादीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का जो उक्त प्रधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, बही धर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन काटुकड़ा

सर्वे क०	हिस्सा ऋ०	क्षेत्रफल	फायनल प्लाट ऋं०
105	23 बी	0—4	81
105	22 प+	0-25	
	4 बी⊹ श्रौर		•
	25 ए	0-29	
		भ्रार	
		31581 वर्ग फुट	

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 1398, दिनांक 29-8-78 को सब रजिस्ट्रार हवेली Π , के दक्तर में लिखा है)।

श्रीमति पी० ललवानी, स**क्षम मधिकारी** स**हायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 27-1-79.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना-5

पूना-5, दिनांक 27 जनवरी, 1979

निदेश सं० सी ए 5/हवेली-II/श्रगस्त 79/410 — यत मुझे, श्रीमित पी० ललवानी,

भायकर भिर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे अ० 103, 103, 105 हिस्सा क० 9ए, 9 बी, 6 ए है तथा जो हड़पमर, पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हवेली II, पूना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29-8-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी श्राय की **शबद उक्त** श्रिधिनियम के घ्रधीन कर देने के म्रम्बरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (थ) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनिमय, 1922 (1922 का 11) या उक्स भ्रधिनिमय, या भ्रनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रव: श्रब, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्त मधिनियम, की धारा 269-म की उपश्राद्य (1 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयाँत:--- श्री दणरथ लक्ष्मण मोरे ग्रंड श्रादर्स 48. हडपसर, पूना-28.

(श्रन्तरक)

 श्री पूना इस्टेट डेवलपमेंट प्रायवेट लि० 288, श्री को ग्रापरेटिव हौंसिंग सोसायटी लि०, सहजीवननगर, पूना-411009 (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इन पुराण के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

जमीन : हडपसरपूना :

सर्वे ऋ०	हिस्सा ऋ०	एरिया है० म्नार	फायनल प्लाट ऋ०
103	9 बी	0 1 1	
105	6 ए	0-12	
		34	
		37026 वर्ग फुट	

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० ऋ० 1395 दिनांक 29-8-78 को सब रजिस्ट्रार हवेली II, के दफ्तर में लिखा है) ;

> श्रीमति पी० ललवानी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

म्रर्जन रेंज, पूना

तारीखा: 27-1-79

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज 54, रफी अहमद किदवई रोड, कलकता-16

कलकत्ता, दिनांक 30 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एस० एल० नं० 471/टी० ग्रार०-327/मी०-414/कल०-1/78-79--ग्रतः मुझे ग्राई० वी० एम० जुनेजा, ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

भीर जिसकी सं० 3 है तथा जो, चेतन सैंट स्ट्रीट कलकता-7 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रक्षिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एशोयरेंसस, 5-गर्वन्मेंट प्लेस, नार्थ कलकता र्राजस्ट्री-करण भ्रक्षितियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 12-5-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत उक्क भिष्ठित्यम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविध के लिए ; भौर/या
- (सा) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य म्रास्तियो, को, जिन्हें भारतीय मायकर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रधिनियम या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियं। गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ग्रें मुविधा के लिए;

धत: भ्रब, उक्त धरिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित क्यिक्तियों, ग्रिथीत्:-- (1) 1. श्रीमती प्रांतमा मैंट, 2. माल्ती दाम, 3. रामा बसक, 4. रेनु बसका।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्रीमती राधा रानी साहा, 2. सुशील श्रार० साहा, 3. तुशार कान्ती साहा, 4. ऋष्ना साहा।

(ग्रन्तिरती)

(3) 1. श्रीमित राधा रानी साहा 2. सुणील ग्रार० साहा 3. तुणार कान्ति साहा 4. कृष्णा साहा (यह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20—क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रमुची

3. चैतन सेट स्ट्रीट, कलकत्ता-7 में स्थित 1 कट्टा 14 छटाक 27 स्को० फिट जमीन के 4/10 श्रंण तथा उस पर निर्मित स्ट्रक्वर जैसे कि रजिस्ट्रार श्राफ एशयोरेन्स द्वारा 12-5-78 में रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 2434 के अनुसार है।

म्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) रफी म्रहमद, किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 30-11-1978.

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 54, रफो श्रहमद किदबई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 30 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एस० एल० नं०-472/टी० आर०-328/मी०-415/कल०-1/78-79-प्रतः मुझे आई० वी० एस० जुनेजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 3 है तथा जो चेतन सेट स्ट्रीट, कलकता-7 में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता श्राधिकारी के कार्यालय राजस्ट्रार आफ एगां बरेन, 5-गर्बन्भेंट प्लेम, नार्थ करा० में राजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 12-5-78

को पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269ग के ग्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:—— (1) 1. वियस कुमार औट, 2. अगोक कुमार मैट,3. देवेन्द्र कुमार मैट, ।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. राधा रानी माहा, 2. मुशील ग्रार० माहा, 3. तुशार कान्ति माहा, 4. कृष्ना माहा।

(श्रन्तिरती)

(3) 1. राधा रानी साहा, 2. मुशील ग्रारं० माहा, 3. तुणार कान्ति साहा, 4. ऋष्ना माहा। (वह व्यक्ति, जसके श्रभियोग में सम्पत्ति है)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त मनाति के प्रजीत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षीर:--

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पुरता के राजात में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ कितो प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वरंडोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अवं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

3. चैतन सेठ स्ट्रीट, कलकता-7 में स्थित 9 कहा 14 छटाक 27 स्को० फिट जमीन के 6/10 ग्रंश तथा उस पर निर्मित स्ट्रक्चर जैसे कि रजिस्ट्रार ग्राफ एशोयरेंस द्वारा 12-5-78 में रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 2433 के ग्रनुसार है।

> श्राई० वी० एम० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 54, रफी, अहमद किदवई रोड,

> > कलकत्ता-16.

तारी**ख** : 30-11-1978. मोहर प्ररूप भाई ० टी ० एन ० एस ० —

श्रायकर श्रिप्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 दिसम्बर 1978

निदेण सं० 488/ग्रर्जन रें०-III/78-79/कल०:—-ग्रतः मुझे, वास्कर सेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इममें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन संज्ञम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उतित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से अधिक है और जिसकी सं० 59/2 है तथा जो महाराजा ठाकुर रोड़, कलकत्ता-31 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रसिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-5-1978

को उर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण सं हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त मधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रश्तरक के दाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐती किसी आय या किसो धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रम, उनतं श्रधिनियमं की धारा 269-गं के ग्रनुसरण में, उन्द्रं अधिनियम, की धारा 269-मं की उपधारा (1) के श्री गैलेन्द्र कुमार बक्सी, 59/2, महाराजा ठाकुर रोड़, कलकत्ता-31.

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती प्रभा दास, गोरा बाजार, जिला-मुणिदाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोका सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या सत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के मध्याय 20क में यथा परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भव्याय में विथा गया है।

अमुस्ची

प्रेमिसेस सं० 56/2, महाराजा ठाकुर रोड, कलकत्ता-31 में स्थित दो कट्टा बारह छटाक बत्तिश स्को० फिट जमीन के सब कुछ जो कि 1978 का दिलल सं० 2150 के श्रनुसार रिजस्ट्री- कृत है।

वास्कर सेन, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-गा कलकत्ता

तारीख: 1 दिसम्बर 1978

मोहरः

प्रकृप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आवकर भविनियम, 1961 (1961 को 43) की घारा 269 म (1) के भधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

निदेश मं० ए० सि० 32/म्र० रें०-2/कल०/78-79:——यतः, मृझ, एम० सी यादव,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की चारा 269-ध के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य, 25,000/- द॰ से प्रिकृत है

श्रीर जिमकी सं० है तथा जो माँगा शाहापुर, पि० एम० वेहाला में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचीज में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, दि० रजिस्ट्रार-24, परगनास, ग्रालिपुर, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 31-5-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मृझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके
दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्चह प्रतिशत
अधिक है भीर मन्तरक (प्रन्तरकों) भीर धन्तरिती (प्रन्तरितयों)
के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तम पाया गया प्रतिकल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तिकक्ष
रूप से कथिन नहीं किया गया है:~~

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत उक्त विध-नियम के भाषीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी अप या किसी धन या घण्य घास्तियों की, जिन्हें भारतीय घायकर घिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधनियम या धन-कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के खिबे।

धतः ग्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रषीतः :--

1. श्रीमती कनक लता दज।

(ग्रन्सरक)

2. श्री मुकुल मुखर्जी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, यही धर्ष होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

मौजा साहापुर, थाना-बेहाला में 3 कट्टा 4 छटाक 25 स्को० फुट जमीन पर मकान है।

> एस० सी० यादव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 2, कलकत्ता ।

तारीख: 7-12-1978.

प्ररूप धाई• टी॰ एन॰ एस०-

भायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के ग्रधीन सूचना मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 विसम्बर 1978

निवेश सं० ए० सि० 33/ग्र०रें०-2/कल०/789:—ग्रतः, मुझे, एस० सी० यादव,

धायकर धिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धिधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्रत बाजार मूह्य 25,000/- वपए से धिधिक है और

भौर जिसकी सं० 11ए है तथा जो बर्घमान रोड़, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ध्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रिजस्ट्रीर आफ एसुरेसेंस, कलकत्ता, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन, तारीख 10-5-78.

पृश्वीनत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिये घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और मन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक कप मे कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी माम को बाबत, उक्त अधिनियम के भ्रष्टीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐनो सिसी ग्राय या किसो घन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तिरती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रम, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में म, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोत्:——
13—46601/78

1. मैसर्स चौधुरी सेव्हस (प्रा०) लि०।

(भन्तरक)

2. श्री सुन्दर लाल भातार।

(ग्रन्तरिती)

 हिन्दुस्तान मोटर लि०। (वह व्यक्तिः जिसके ग्रिधिभोग में सम्यक्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्यत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए ना सकेंगे।

स्यव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, जो उक्त स्वितियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अब होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं 11ए, वर्धमान रोड़, कलकत्ता का श्रंग है।

एस० सी० यादव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता-16,

तारीख: 7-12-79

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्योलय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज 2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० ए० सी० 34/म्रार०-2/कैल/78-79—न्म्रतः, मुझे, सुरेश चन्द्र यादव,

श्रापकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिविनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिवीन सक्षम ग्रिविनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिवीन सक्षम ग्रिविकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इपये से ग्रिविक हैं ग्रीर जिसकी सं 11-ए०, वर्त्वान रोड हैं तथा जो बर्दवान । कलकत्ता में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध म्नुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिविकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एस्युरेन्सेंस, कलकत्ता, रजिस्ट्रीकरण श्रिविनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिवीन, तारीख 10-5-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घोर प्रस्तरक (धग्तरकों) घोर प्रन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसो ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिशिनयम के ग्रिश्चीन कर देने के ग्रन्थरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य भास्तियों, को जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविश्वा के लिए;

अतः अबं, उक्त शिवियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में मै, उक्त श्रीधनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रीधन, निम्नलिखित व्यक्तियों सर्गात:-— मै० चौधरी स्टेट प्राइवेट लिमिटेंब ।

(ग्रन्तरक)

 श्री मोहन लाल भट्टार, हिन्दुस्तान मोटर्म लि० उजरपाडा । (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी माध्य :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मनिष्ठ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की मनिष्ठ, जो भी भनिष्ठ बाद में समास्त होती हों, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से .45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमब किसो मन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त समि-नियम के झध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम् सूची

मकान नं० 11-ए, वर्दमान रोड, कलकत्ता का श्रंभ है ।

एस० सी० यादव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख: 7-12-78

प्रकप भाई० टी॰ एन० एस॰----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

घारा 269थ (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकसा, दिनांक 7 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० ए० सी० 35/म्रार०-2/कल०/78-79—सतः, मुझे, एस० सी० यादव,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० 33/6-डि० है तथा जो नाजिर लेन, कलकत्ता-23, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार भ्राफ एस्युरेंसेंस कलकत्ता, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 5-5-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यनान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इस से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से तुई किसी भाय की बाबत, उक्त भवि-नियम के अधीन कर देने के भव्यत्व के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भीर/या
- (ब) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय माय-कर मिधनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधनियम, या धन-कर मिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

मतः गव, उक्त गविनियम की भारा 269-ग के मनुसरक म, मै, उक्त अधिनियम की घारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीत निम्ति किंत व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्री भजीत कुमार दास, (2) भ्रमर कृष्ण दास, (3) सुभाष कुमार दास।

(ग्रन्तरक)

2. (1) श्री नीलाद्री चटर्जी, (2) हिमाद्री घटर्जी, (3) मेधाद्री चटर्जी, (4) श्रीमती विद्यावती चटर्जी, किराये-दार ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उपत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मिन नियम, के भ्रष्ट्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रम्य होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

धनुसूची

मकान नं० 33/6-डि०, नाजिर लेन, कलकत्ता-23 में एकतला बिल्डिंग है।

> एस० सी० यादव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख : 7-12-78.

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ष(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 दिम्म्बर 1978

निर्देश सं०ए० सी० 36/म्रार-2/कल/ 78-79---- म्रतः मुझे एस० सी० यादव,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269 —ख के भिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से भिष्ठक है

भौर जिसकी सं० 7-ए है तथा जो बेलमेडिया रोड कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार भ्राफ एस्युरेन्सेस कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5-5-1978 को

पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, द्विपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) श्रद्धीन निनिजिधित व्यक्तियों, श्राप्तीत्:—— 1. श्रीमती मर्पिता मिक्ष

(मन्तरक)

2. कविता मंडल एण्ड दीनबन्धु मंडल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साउद्योक्तरमः →-इनमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस घध्याय में दिया गया है।

बन्सूची

7-ए वेलमेडिया रोड, कलकत्ता में जमीन भौर गिरजामर है।

> एस० सी० यादव, (सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख: 7-12-1978

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 6 दिसम्बर 1978

निदेश सं०ए० सी० 27/श्रार-11/कैल/78-79—श्रतः मुझे एस० सी० यादव

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रीर जिसकी सं०

भीर जिसकी सं० 32-बी है तथा जो न्यू रोड भ्रलीपुर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय रिजस्ट्रार भ्राफ एस्युरेन्स में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 22-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिंशिनयम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भन, उक्त भधिनियम की धारा 269-म के भनुसरण में, उक्त भिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भधीन सिरसलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

- मैसर्स दि मोटर इन्डस्ट्रीज कम्पनी लिमिटेड माइको हाउस 91ए पार्क स्ट्रीट कलकत्ता। (ग्रन्तरक)
- श्री शिमरेश कुमा र चन्दा उडलैन्ड सिन्डीकेट फ्लैट नं० 10 8/7 मलीपुर रांड कलकत्ता ।
 - (2) माइको लिमिटेड 91ए पार्क स्ट्रीट कलकत्ता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उर्देन सम्प्रति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शन्दों स्रोर पदों का, जो 'उन्त स्रधि-नियम', के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही सर्य होगा, जो उस सहयाय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फ्लैंट नं० 7 तीसरी मंजिल क्रिटेनिया कोर्ट 32 टी न्यूरोड भलीपुर।

> एस० सी० यादव सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-II 54, रफीग्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता 16

तारीख 6-12-1978 मोहर। प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

म्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 दिसम्बर 1978 निदेश सं० ए० सी० 28/रेंज-∐/कल०/78-79---ग्रसः मुझे, एस० सी० यादव,

प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रिधिक है श्रौर जिसकी सं० 8-बी० है तथा जो श्रलीपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार श्राफ एस्युरेन्स में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 12-5-1978

श्रधान, ताराख 12-5-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--- श्री स्वराज पाल बैजनाय सिंह,
 59 बी॰, ॰लाक डी, न्य ब्रलीपूर।

(ध्रन्तरक)

श्री राजीय सेठी,
 8 बी०, श्रलीपुर रोड, कलकत्ता

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर<mark>के पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पण्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रौर पक्षों का, जो उक्त भधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस भध्याय में विया गया है।

अनुसूची

्सम्पत्ति नं० 8 बी०, श्रलीपुर रोड, कलकक्ता के पहली मंजिस में 2145 वर्ग फीट का एक फ्लैट।

> एस० सी० यादव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) 54, रफीग्रहमद किदबई रोड, ग्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

तारीख: 6-12-1978

प्रकपः बाई० टी + एन० एस +----

धायकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का ४३) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन मूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, कलकना

कलकत्ता, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

निदेश सं० ए० सी० 29/श्रार०-Ш/कल०/78-79--श्रतः मुक्षे, एस० सी० यादव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- का से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० 8 बी० है तथा जो भ्रलीपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार भ्राफ एस्युरेन्स में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 12-5-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) कौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिक इप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने कें सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर सिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या धन-कर सिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छितने में सुविधा व लिए;

अन: अब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269मा के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269मा की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थात:——

- मैसर्स श्राकाश एण्ड श्रम्बर दृस्ट,
 15, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता।
 (ग्रत्सरक)
- वसन्द्रीला कुण्डु,
 8 बी०, ग्रनीपुर पोड, कलकत्ता । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत सभ्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिस की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मृषमा के राजपत्त में प्रकासन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकारी के पास लिखात में किए जा सकोंगे।

स्पब्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के भड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अयं होगा, जो उस भड़्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 8 बी०, ध्रमीपुर रोड, कलकत्ता का छटी मंजिल में 1981 वर्गफीट का एक फ्लैट।

> ्रम० सी० यादव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), 54, रफीअहमद किदवई रोड, श्रर्जन रोज- , कलकत्ता

तारीखाः 6-12-1978।

प्ररुप ब्राई० टी० एन० एस०----

भागकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 6 दिसम्बर 1978

निदेश मं० ए० सी० 30/ब्राए०-II/कल०/78-79---- ब्रतः म्झे, एस० सी० यादव,

प्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रजोत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-इपए से मधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 8बी० है तथाजो अप्रलीपुर रोड, कलकत्तामें स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार श्राफ एस्युरेन्स में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 12-5-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए भ्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का ग्रधिक है **भौर भन्तरक (भन्तरकों)** पन्द्रह प्रतिशत नौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पात्रा गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रुप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी माय की बाबत उक्त ग्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (बा) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या अन्य स्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए ;

मत: भव, उक्त भिधनियम की धारा 269-ग के भनुसरक में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) घधीन निम्नलिखित स्यक्तियों, घर्यात् :---

1. मैसर्स भाकाश एण्ड भ्रम्बर ट्रस्ट-II 15, पार्क स्टीट, कलकत्ता ।

(मन्तरक)

 श्री रोनक राय चौपड़ा, 8 वी०, भ्रलीपुर रोड, कलकत्ता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाद्वियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी व से 45 दिन की भवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 विन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त घिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित 🕏, वही श्रर्य होगा जो उस घष्ट्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

सम्पत्ति नं ० ८ बी०, भ्रलीपुर रोड, कलकत्ता के द्वितीय मंजिल पर एक फ्लैंट।

> एस० सी० यादव सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) 54, रफी ग्रहमद किदवई रोड श्रर्जन रेंज कलकला

तारीख: 6-12-1978

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सह एक भ्रायकर भ्राय्क्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-∐, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

निदेश मं० ए० सी० 39/श्रार- II/π ल०/78-79—यतः, मुझे, एम० मी० यादव,

ष्मायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 8 बी, है तथा जो श्रलीपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एस्युरेन्स, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 12-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में वास्तविक रूप से कथिन नारीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीत कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/यः
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब. उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— 14 - 466GI/78 मैसर्स ब्राकाण एण्ड ब्रम्बर ट्रस्ट,
 15, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता ।

(ग्रन्तरक)

श्री बद्रीदास डागा,
 8 बी०, अलीपुर रोड, कलकत्ता ।

(भ्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पहों का, जो उन्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-3 में परिभाषित हैं, वहीं अर्थं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं ० ८ बी०, भ्रलीपुर रोड, कलकत्ता के चौथे मंजिल में एक फ्लैंट।

> एस० सी० यादव, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), 54, रफीअहमद किदवई रोड, श्रर्जन रेंज, कलक्षचा-16

तारीख : 6-12-1978

प्रकृप धाई० टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर भक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भिन्नी सूचना

क्षरत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 5 फरवरी 1979

निदेश सं० राज०/सहा०आ० आर्जन/522—~यतः, मुझे, हरी णंकर,

भायकर ग्रांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्समे ध्सके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-न में ग्राधिक है

श्राँर जिसकी संज्ञाला है, तथा जो कोटा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्राँर पूर्ण एप में विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कोटा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 24-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्ष्य से कम के बृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह बिश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह रुनिश्चत प्रश्चिक है और भन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण मिकित में वास्तिक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की गांबत उक्त अधि-नियम, के प्रधीन कर दें के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए। भीर/या
- (आ) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रथः ग्रस, उम्त अधिनियम की घारा 269-ग के मनु-सरण मॅ, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ग्यिकतयों, अर्थान्ः—

- (1) मैं व खंडे लवाल एग्रो इन्डस्ट्रीज, कोटा । (ग्रन्तरक)
- (2) मैं सर्स श्री उन्डस्ट्रीज कोटा थ्रो इट्स श्रोपराईटरी कनमर्न मैं सर्म श्री एजेन्सीज (प्रा०) लिमिटेड (राजि० ग्राफिस कलकता) 45 बी०, इन्द्रप्रस्थ इन्डस्ट्रीयल एरिया कोटा । (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए आर्यवाहियां करता हूं।

उन्त मंपत्ति के ग्रर्भन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, को भी भविध व/व में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीत्स्ताक्षरी के पास किश्वित में किए जा सक्रेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

खंडेलवाल एग्री इन्डस्ट्रीज के नाम से जाने वाला फैक्टरी गैंड, गोदाम शैंड, उनकी मशीनरी सहित जो उप पंजियक, कोटा द्वारा ऋमांक 705 दिनांक 24-5-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> हरी शंकर, मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 5-2-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269घ (1) के श्रिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक रोहतक, दिनांक 27 जनवरी, 1979

निवेश सं० के० एल० के०/1/78-79—श्रतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

जिसकी सं० मकान सं० 596 है तथा जो मेक्टर-7, पंच-कूला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्धग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कालका में, राजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
भन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम,
 के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या ब्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या धन-कर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ ब्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः मन, उक्त मधिनियम की धारा, 269 ग के प्रनुसरण में मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), के सभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रशीत :— (1) श्री रिव भूषण नंदा, पुत्र श्री देस राज नंदा, 223, सेक्टर 18-ए, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्री रजिन्द्र सिंह गिल पुत्र श्री राम सिंह गिल 2. श्रीमती श्रमर कौर पत्नी श्री रजिन्द्र सिंह गिल, निवासी गांव गिल, तहसील जिला लुधि-याना। (श्रन्तरिती,)
- (3) लं कर्नल जे एस० श्रीलख, मकान नं 596 संक्टर-7 पर्च कूला (कालका) वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की गारीख से 45 दिन क श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मन्दी हरणः --इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रक्षितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

मकान नं० 596, सेक्टर-7, पंचकूला। सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं० 148 में दी गई है श्रौंर जो रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी कालका के कार्यालय में मई, 1978 को लिखा गया।

> रवीन्द्र कुमार पठानिया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक।

ना**रीख** : 28-1-1979

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi,-110011, the 30th December 1978

No. A.12019/1/75-Admin.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri S. P. Bansal, a permanent Asstt. Superintendent (Holl.) of this office who was earlier on deputation to the Delhi Milk Scheme, to officiate on an ad-hor hasis as Section Officer (D.P.) for the period from 12-12-1978 to 28-2-1979, or until further orders, whichever is earlier.

Further, Shri Jagdish I al who appointed to officiate as Section Officer (D.P.) vide notification of even number dated 30-11-1978, stands reverted to the post of Assistant Superintendent (Holl.) w.e.f. the forenoon of 12-12-1978.

S. BALACHANDRAN, Under Secy,

for Secy.

New Delhi, the 8th January 1979

No. A. 32014/1/78-AJmn. III.—The President is pleased to appoint the following permanent Assistants of the C.S. S. Cadre of Union Public Service Commission to officiate as Section Officer, on aa hoc basis, for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier:

Sł. No.	Name	Period for which promoted as Section Officer	Remarks
1	2	3	4
1.	Shri S. R. Khanna	for a period from 17-11-78 to 8-1-79	
2.	Shei N. K. Dhingra .	for a period 11 om 13-11-78 to 31-12-78	_
3.	Shri B. L. Sharma .	for a period from 20-11-78 to 4-1-79	
4.	Shri Kailash Chanden	for a period from 7-11-78 to 21-12-78	_
5.	$\begin{array}{c} Sh(i,N,M,L,Bha_{L^{*}}),\\ n(ga_{I}) \end{array}$	for a period from 24-11-78 to 31-12-78	

The 9th January 1979

No. A 12025(ii)/2/76-Admn III. --On completion of training, which commenced on 1st June, 1978 at the LS.T. & New Delhi, Kumari Jayalakshmi Nair, appointed as probationer in the Section Officers' Grade of the C.S.S cadre of the Union Public Service Commission vide this Office Notification of even number dated 6-7-78, assumed charge as Section Officer (Probationer) in the same cadre with effect from the forenoon of 1st January 1979.

> S. BALACHANDRAN Under Secy. (Incharge of Administration) Union Public Service Commission

New Delhi, the 18th January 1979

No. A.19014/1/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Hardayal Singh, an Officer of the Indian Revenue Service (Income-'ax) to the post of Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 15th January, 1979.

> S. BALACHANDRAN, Under Seev. Union Public Service Commission

ENFORCEMENT DIRECTORATE

EXCHANGE REGULATION FOREIGN ACT

New Dolhi, the 26th December 1978

No. A-4/1/78.—The following Asstt. Entorcement Officers have been appointed to officiate as Enforcement Officer w.c.f. the date of their assumption of charge and until further orders.

Their places of posting and dates of assumption of charge are indicated against each :

Sl. No.	Name		Place of posting	Date of assumption of charge
1	2	_	3	4
1.	Shri K. N. Sinha		Ahmedabad	7-12-78 (FN)
2.	Shri K. Vijayaraghavar	1	Mađurai	18-11-78 (FN)
3.	Shri Soot Ram	٠	Jullundur	28-11-78 (FN)
4.	Shri A. M. G. Nair		Trivandrum	8-11-78 (FN)
5.	Shri S. K. Poddar	٠	Calcutta	18-11-78 (FN)
6.	Shri R. D. Gandhi	-	Jaipur	29-11-78 (FN)
7.	Shri Satish Prasad		Jullundar	28-11-78 (FN)

J. N. ARORA Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPT [. OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 24th June 1979

No. A-19036/35/78-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation, and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri Sunder Lal Malik, Dy. Supdt. of Police, an officer of the Haryana State Police, to officiate as Dy. Supdt. of Police in the Central Police, of Investigation with effect from the foregoing of Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 5-1-1979 until further orders.

The 29th January 1979

No. A-35018/6/78-Ad.I.—Deputy Inspector General Police, Special Police Establishment, hereby appoints S. M. Thakur, Inspector of Gujarat State Police, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establish-Division of the Central Bureau of Ahmedabad Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 24-12-78 until further orders.

> JARNAIL SINGH, Administrative Officer (E) C.B.L.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 25th January 1979

No. O.II-II02/78-Hstt.—The President is pleased to appoint Dr. V. Krishna Rao as GDO; Grade-II (Dy. S.P./Copy. Comdr.) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the alternoon of 23rd Nov., 1978, until further orders.

The 30th January 1979

No. O.II-1430/79-Estt.-- The President is pleased to point Dr. Prakash Chandra Dubey as a Senior Medical Officer (Commandant) in the Central Reserve Police Force in a temporery capacity with effect from the forenoon of 1st January 1979 until further orders.

> A. K. BANDYOPADHYAY, Assistant Director (Admn.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 23rd January 1979

No. E-38013(2)/1/78-Pers.—On transfer from Sribart Kota Range. Shi 1. M. Devasahayam assumed the charge of the post of Commandant. CISF Gp. Hqrs. Madras w.c.f. the forenoon of 22nd Dec. 1978 vice Major R. C. Ramaiah, who on transfer to Sribari Kota Range relinquished the charge of the said post w.c.f. the same date.

No. F-38013(3)/2/78-Pers.—On transfer to New Delhi Shri R. M. Upadhayay relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit, BSt. Bokaro w.e.f. the afternoon of 26th December, 1978.

The 29th January 1979

No. E-20920/12/77-GA-L.—The President is pleased to appoint Shri Balraj Mehta, substantively as Fire Adviser in the Central Industrial Security Force with effect from 25th March, 1977.

Sd/- ILLEGIBLE

Inspector General CISF

New Delhi-110011, the 23rd January 1979

No. 5/3 76 RG(Ad. 1).—In continuation of this office notification of even number dated 18th September, 1978,—the President is pleased to extend the ad hoc appointment of the undermentioned officers in the posts mentioned against each of them in the office of the Registrar General, India at New Delhi, with their headquarters continue to he at New Delhi, upto 30th June, 1979, or until further orders,—whichever is earlier:

Sl. No.	Name of the Officer			Name of the post		
1	2	. –				3
1.	Dr. B. K. Roy		•		Assistant General (•
2.	Dr. R. R. Tripathi				Map Off	icer
3.	Shri S. D. Tyagi				Research (Officer (Msp)

2. The above ad hoc appointment will not bestow on the above officers any claim to regularisation of these ad hoc appointments. The services rendered by them on ad hoc basis will not count for the purpose of seniority in the respective grade and for eligibility for promotion to the next higher gride. These ad hoc appointments may be reversed at any time at the discretion of the competent authomy without assigning any reason therefor.

No. 10/26/78-Ad.I(Pt.).—The President is pleased to appoint Shri K. K. Rastogi, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General India, New Delhi, as Deputy Director of Census Operations in the same office on a purely temporary and ad-too basis for the period from 22-12-1978 to 28-2-1979 or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter. The headquarters of Shri Rastogi will be at New Delhi.

2. The ad-hoc appointment as Deputy Dire are of Census Operations will not bestow on Shii Rastogi any claim to regular appointment to the post. The service, rendered by him as Deputy Director of Census Operations on ad-hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade and for eligibility for promotion to any higher post. This

ad-hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the Appointing Authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA, Registrar General, India

S. V. P. NAHONAL POLICE ACADEMY

Hyderabad, the 22nd January 1979

No. 15017/77-Ett.—On transfer from the Civil Aviation Training Centre, Bamrauli, Allahabad Dr. M.F.Z. Adeni, a Medical Officer of the C.H.S. (Ir. Class I Officer) assumed charge as Staff Surgeon in the Academy on the afternoon of 12-1-1979.

P. D. MALAVIYA, Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 29th January 1979

No. k(23)/AII.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri Kirpal Singh, Overseer to officiate as Assistant Manager (Technical) Government of India Press, Ring Road, New Delhi, with effect from the forenoon of 8th January, 1979, until further orders.

The 30th January 1979

No. D(26)/AIL—The Director of Printing is pleased to appoint Shri Ramesh Kumar Dhingra. Overseer, to officiate as Assistant Manager (Technical), Government of India Press, Faridabad, with effect from the forenoon of 27th November, 1978, until further orders.

The 31st January 1979

No. A(8)/AII.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri Ashok Kumar Agnihotri, Overseer, to officiate as Assistant Manager (Technical), Government of India Press, Nilokheri, with effect from the forenoon of 29th December, 1978 until further orders.

P. B. KULKARNI, Joint Director (Admn.)

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL. CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 27th January 1979

No. Admn.I/O.O. No. 503/5-54/76-79/2248.—The Accountant General, hereby appoints Shri R. Vartharajan, a permanent Section Officer and officiating A.O. of this office, substantially against a permanent post of Accounts Officer, in the time scale of Rs. 840-1200, retrospectively with effect from the 1st March, 1974.

Sd/~ [LLEGIBLE

Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum, the 15th January 1979

No. Est. A.VII/9.86/Vol.II/11.—The Accountant General, Kerala is pleased to antedate the confirmation of Shri M. Gopinathan Nair and Smt. P. K. Aleyamma, Accounts Officers to 1-4-78

The Accountant General, Kerala is also pleased to appoint the undermentioned officiating Accounts Officers (Audit & Accounts) of this office in substantive capacity in the

Accounts Officers' grade of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates shown against each :—

- 1. Shri R. Venkitanarayanan-1-4-78.
- 2, Smt. B. Santhakumari-1-5-78,
- 3. Shri P. Thanu Iyer-9-5-78.
- 4. Shri R. Lekshminarayanan—1-12-78.

S. JAYARAMAN, Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, MAHARASHTRA-I

Bombay-400 020, the 23rd January 1979

No. Admn.I/Genl/31-Vol.III/C-1(1)/12.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint the following members of the S.A.S. to official as Accounts Officers in this office with effect from the dates mentioned against their names until further order.

- 1, Shri T. S. Chandran-30-12-1978 A.N.
- 2. Shri N. V. Rajan-21-12-1978 F.N.
- 3. Shri P T, Kulkarni-1-1-1979 F.N.

J. CHAUDHURI, Sr. Dy. Accountant General/Admn-

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR N. F. RAILWAY MALIGAON

Gauhati-11, the 14th June 1978

No. 257.—On return from leave, Shri N. C. Dutta, a permanent S.R.A.S. Section Officer(A) of this office is promoted to the Audit Officer's grade in the scale of Rs. 840 40-1000-EB-40-1200/- w.e.f. 14-6-78 (FN) and posted in the Divl. Audit Office, N. F. Railway, Lumding vice Shri S. M. Roy, Audit officer proceeding on foreign service. Shri N. C. Dutta, will releive Shri S. M. Roy, DAUO, I.MG on 20-6-78 (AN) positively.

The 31st July 1978

No. 258.—On return from leave Shri J. P. Das, a permanent Section Officer (Audit) of Workshop Audit Office, NBQ is promoted to Audit Officer's grade in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 7-8-1978 (FN) as workshop Audit Officer, N. F. Røilway, Now Bongaigaon.

G. M. MANI, Chief Auditor

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR, WESTERN

RAII WAY

Bombay, the 29th January 1979

No. SA/HQ/Admn./IX/1/6703.—Shri S. L. Raje, an officiating Audit Officer of this office, is appointed in a substantive capacity to the Audit Officer's Grade with effect from 1st April 1978.

Λ. N. BISWAS,
 Chief Auditor

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 24th January 1979

No. 5425/A-Admn/130/75-78.—On attaining the age of superannuation, Shri P. C. Adhikari, officiating Audit Officer of the Audit Department, Defence Services, retired from service, with effect from 31-12-78 (AN).

K. B. DAS BHOWMIK, Sr. Dy, Director of Audit Defence Services

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 022, the 24th January 1979

No. 68012-A(5)/78/AN-II.—The President is pleased to appoint Shri Khem Chand Agarwal Permanent Accounts Officer to officiate in the Junior Time Scale of the regular cadre of the Indian Defence Accounts Service (Rs. 700-1300) with effect from the forenoon of 4-1-1979, until further orders.

S. N. CHATTOPADHYAY, Deputy Controller General of Defence Accounts (Pers)

New Dolhi, the 23rd January 1979

No. 23012/79/AN A.—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints the unformentioned pernament Section Officers (Accounts) as Accounts Officers in a substantive capacity with effect from the forenoon of the dates shown against each:

agan	ast cacii .	<u> </u>	
SI. No.	Namo	Organisation where serving	Date of effect
1	2	3	4
5	S/Shri	Controller of Defence Accounts	
1.	Amrik Singh Pall .	Western Command, Mecrut	3-3-1977
2.	Dos Raj	Air Force, Dohra Dun	19-5-1978
3.	Advait Prakash Gulati	Central Command, Meerut	12-5-1978
4.	V. S. Krishnamurthy	(Other Ranks) South Madras.	5-11-1977
5.	Devi Ram	Central Command, Meerut	8-9-1978
6.	V. N. Ram	(Other Ranks), South Madras	6-11-1977
7.	Laxman Joseph Chelliah	(Officers), Poona	29-12-1977
8.	Bhagat Ram Gupta .	Central Command, Mecrut	26-12-1977
9.	Ajit Kumar Basu .	(Factories), Calcutta	23-12-1977
10.	K. R. Sharma	Northern Command, Jammu	29-12-1977
11.	Gridhari Lal Mittal .	Central Command, Mecrut	23-12-1977
12.	Rajinder Singh Ahlu- walio	Contral Command, Meerut	31-12-1977
13.	Gopal Narain Bhatia	Air Force, Dohra Dun	23-12-1977
14.	M. N. Bose	Factories, Calcutta	23-12-1977
15.	N. C. Kashyap .	Pensions, Allahabad	23-12-1977
16.	S. N. Basu	Patna, Patna	14-1-1978
17.	P. R. Malhotra ,	Central Command, Meerut	23-12-1977
18.	Abdul Wazid	Patna, Patna	23-12-1977
19.	Dharam Dev Handa,	Western Command, Meerut	23-12-1977
20.	Vidya Sagar Trikka .	Western Command, Meerut	12-1-1978
21.	R. N. Upadhyay .	(Other Ranks) North Meerut	23-12-1977
22.	S, K, Soni	Patna, Patna	23-12-1977
23.		Western Command, Mecrut	23-1-1978
24.	Nagarmal Mahajan	Western Command, Meerut	9-2-1978
	_		

1	2	3	4	1	2	3	4
S/Sh	ri			S/Sh	II	Demilion Alled 1 1	13 4 40 40
	Shanti Sarup Sharma .	Pensions, Allahabad	23-12-1977		Amrik Singh Chatrath E. M. Gayaskar	Pensions, Allahabad Southern Command,	13-4-1978 6-4-1978
	Pritham Singh Bewaja	Western Command, Meerut	23-12-1977		-	Poona	
27.	B. L. Sharma	Factories, Calcutta	23-12-1977		V. P. Mutrekar .	Navy, Bombay	2-4-1978
28.	H. C. Das	Patna, Patna	13-1-1978	74.	K. V. Verghese	Factories, Calcutta	1-4-1978
29.	Madan Gopal Suri .	Southern Command, Poona	23-12-1977	75.	Pillai	Officers, Poona	1-4-1978
30.	Manohar Lal .	Pensions, Allahabad			Ved Prakash Aggarwal	Meerut	31-5-1978
31.	Om Prakash Ghai .	Air Force, Dehra Du		77.	Parmal Singh	Factories, Calcutta	24-5-1978
	Bhagwat Prasad Sharma	Central Command Meerut	23-12-1977	78.	V. Venugopulan .	Southern Command Poona	2-6-1978
33.	Bidhu Ram Kharwal	Air Force, Dchra Dun	23-12-1977	79.	Madan Lul Kakkar .	Central Command, Meerut	1-5-1978
34.	M. V. Mandayagane	Southern Command Poona		80.	Jagdish Nath Jain .	Central Command, Mecrut	1-5-1978
35.	Sohan Lal Kapur .	Western Command, Meerut	20-1-1978	81.	Kulwant Singh .	Central Command, Meerut	20-5-1978
		Factories, Calcutta	14-1-1978	82.	Chintamani Jetli .	Central Command,	5-7-1978
37.	R. P. Bhardwaj	Pensions, Allahabad	23-12-19 77			Meerut	
38.	Hakim Chand	Air Force, Dehra	23-12-1977	83.		Navy, Bombay	1-5-1978
40	at o mindle	Dun	12-1-1979	84.	Rama Nandan Presad	Pensions, Allahabad	1-6-1978
39.	N. C. Phadke A. K. Sawar Gaonkar	Officers, Poona	23-12-1977	85.	M. G. Jagdale	Officers, Poons	5-6-1978
40. 41.	Naveang Lal Gupta .	Other Ranks, North		86.	V. Seshagiri Rao	Southern Command, Poona	6-6-1978
42.	J. R. Bali	Meerut Officers, Poona	21-1-1978		Kali Prakash Anand .	Northern Command Jammu	14-6-1978
43.	S. L. Tiwari	Air Force, Dehra Dun	30-12-1977	88.	Raghu Nath Schai . Sharma	Other Ranks, North Meerut	7-6-1978
44.	Ramji Das Kapur .	Other Ranks, South Madras	12-1-1978	89.	Jag Mohan Lal Sharma	Other Ranks, North, Meerut	5-7-1978
45 .	Sushil Kumar Ganguly		12-1-1978	90,	• •	Central Command,	30-7-1978
46.	Om Prakash Sharma	Western Command,	31-1-1978	91.	Bhola Nath Nautiyal.	Pensions, Allahabad	1-6-1978
47	Denley Date	Meerut Paina, Paina	31 1 1070	92.	Madan Lal Seth .	Factories, Calcuita	14-6-1978
47. 48.	Braham Datt . C. R. Sen Gupta .	Factories, Calcutta	31-1-1978 3-2-1978	93.	Shyamal Deb	Patno, Patna	22-7-1978
49.	G. C. Srivastava	Officers, Poons	28-1-1978	94.	B. Narayana Rao .	Air Force, Dehra	1-6-1978
50.	R. Devarajan	Officers, Poona	3-2 1978	95.	Jagjit Singh	Dun Southern Command,	14 6 1020
51.	R. L. Sharma	Western Command Meerut	19-1-1978		Krishan Lal Makin .	Central Command,	14-6-1978 30-6-1978
5 2.	O. P. Sharan	Other Ranks, North	28-1-1978	97.	M. M. Ganguly .	Mecrut Factories, Calcutta	1-6-1978
5 3.	Hem Raj Sharma .	Mecrut Other Ranks, North	20-1-1978	98. 99.	Ved Prakash Bhagat . Baldev Krishan .	Officers, Poona Officers, Poona	31-7-1978 14-6-1978
54.	Madan Lal Chibber .	Meerut Western Command,	17-1-1978	100.	C. Suryanarayana .	Central Command, Mecrut	26-6-1978
	M. Kandaşwamy .	Meerut Officers, Poona	23-1-1978	101.	Virendra Varma .	Other Ranks, South, Madras.	28-6-1978
55. 56.	V. Subramanian .	Officers, Poona	18-6-1978	102.	A. K. Nandi .	Patna, Patna	12-6-1978
57.	Mukund Lal Sehgal .	Central Command,	18-3-1978	103,	A. Janakiraman ,	Air Force, Dehra Dun	1-6-1978
58.	P. Stayanarayana Rao		2-2-1978	104.	Randhir Singh ,	Central Command, Meerut	9-8-1978
5 9.	Man Mohan Singh .	Madras Northern Command	23-2-1978	105.	A. R. Chandrasekara . Raju	Other Ranks, South, Madras	13-8-1978
	-	Jammu Navy, Bombay	3-2-1978	106,	Om Peakash Jairath.	Other Ranks, North Meerut	22-7-1978
	_			107.	Pravish Kumar	Air Force, Delu a	31-7-1978
61.	C. R. Mazumdar .	Patna, Patna Factories, Calcutta	16-2-1978 22-3-1978		Saigal	Dun	
62. 63.	E. R. Chakravarthy . Sohan I. al Bhasin .	Northern Command,	19-3-1978		Sardari Lal Kukreja	Other Ranks, North, Meer ut	20-8-1978
64.	Partap Singh	Jammu Western Command,	23-3-1978		Piara Lal Kumar .	Southern Command, Poona	26-7-1978
65.	Rishi Ram Sareen .	Merrut Western Command,	1-3-1978		V. S. Sampath	Air Force, Dehra	1-7-1978
66.	S. M. Dube	Meerut Central Commend,	2-3-1978		Ved Prakash Sharma .	Other Ranks, South Madras	27-7-1978
47	F. Bhanunny	Meerut Factories, Calcutta	4-3-1978		D. K. Kar	Patna, Patna	22-7-1978
	S. P. Kapila	Pensions, Allahabad	4-3-1978 1-4-1978		C. Radhakrishnan .	Factories, Calcutta	19-7-1978
	C. R. Naidu	Officers, Poons	29-4-1978	114.	Trilok Singh Nayar .	Other Ranks, South, Madres	36-7 -197 8
	A. Jambunathan .	Other Ranks, South Madras.	12-5-1978	115,	Kanwal Nain Malhotra		29-7-1978

1	2	3	4
116. 1	Madan Lal Sharma	Other Ranks, North Moet ut	4-9-1978
117.	P, L. Sharma .	Officers, Poona	30-8-1978
118.	S. S. Lamba .	Northern Command, Jammu	18/10-1978
119.	C. R. Ganguly .	Pensions, Allahabad	4-9-1978
120,	V. V. Ramarathnam	Southern Command, Poona	10-9-1978
121.	G. L. Sarkar	Patna, Patna	13-9-1978
122.	V. S. Athavale	Officers, Poona	1-9-1978
123.	V. Swaminathan	Southern Command, Poona	8-9-1978
124.	N. C. Chakraborty	Factories, Calcutta	21-9-1978

(S. N. CHATTOPADHYAY)

Dy. Controller General of Defence Accounts (Pers)

MINISTRY OF DEFENCE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

CORRIGENDUM

Calcutta, the 17th January 1979

No. 2/G/79.—Entries against Scrial No. 1 in the Gazette Notification No. 41/75/G dt. 28-10-75 may be substituted as under :—

Shri N. K. Padmanabhan, Permt. Genl. Manager Gr. II—1st April, 1974.

(Under 'Next below rule')

V. K. MEHTA.

Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CITIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS,

New Delbi, the 31st January 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(FSTABLISHMENT)

No. 6/1261/78-Admn(G)/1092.—Shri K. S. Sahasranaman officiating Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay is permitted to retire voluntarily from Government service with effect from the 11th December, 1978 (AN) after availing of the leave prepartory to retirement.

No. 6/930/71-Admn(G)/1100.—Shri Kewal Krishan officiating Controller of Imports and Exports in the office of the Deputy Chief Controller of Imports and Exports, Faridabad is permitted to retire voluntarily from Government service with effect from the 30th November, 1978 (AN) after availing of the leave preparatory to retirement.

K. V. SESHADRI, Chief Controller of Imports and Exports

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 23rd January 1979

No. A-1/1(509).--Shri A. C. Majumdar, officiating Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Culcutta retired from Government

scrvice with effect from the afternoon of 31st December 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

SURYA PRAKASH,

Deputy Director (Administration) for Director General of Supplies & Disposals

(ADMN, SECTION-6)

New Delhi, the 27th January 1979

No. A-17011/143/78-A6,—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shrj Jaswant Singh, Examiner of Stores (Engg.) in the office of Director of Inspection, Northern Inspection Circle to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Engg.) on ad-hoc basis in the office of Director of Inspection, Calcutta under this Directorate General w.e.f. the forenoon of 29th December 1978 and until further orders.

No. Λ-17011/144/78-A6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri R. S. Minhas, Examiner of Stores (Engg.) in the office of Director of Inspection, Northern Inspection Circle to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Engg.) on ad-hoc basis in the office of Director of Inspection, Bombay under this Directorate General w.e.f. the forenoon of 28th December, 1978 and until further orders.

P. D. SETH,
Dy. Director (Admn.)

for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPARTMENT OF STEEL IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 22nd January 1979

No. IISCO(Compensation/Policy)/5336(.)—In exercise of the powers conferred upon me as Commissioner of Payments under Section 5(2) of the Indian Iron and Steel Company (Acquisition of Shares) Act. 1976 (Central Act 89 of 1976), I hereby authorize Shri S. K. Hajra, an Officer appointed by the Central Government vide Department of Steel Notification dated 30th October, 1978 as endorsed to me in Ministry's No. 8(108)/76-K-I dated 30-10-78 to discharge for and on my behalf, all or any of the powers vested in me as such Commissioner of Payments, as provide under sections 8 and 10 of the said Act.

No. IISCO(Compensation/Policy)/5337(.).—In exercise of the powers conferred upon me as Commissioner of Payments under Section 5(2) of the Indian Iron and Steel Company (Acquisition of Shrares) Act, 1976 (Central Act 89 of 1976). I hereby authorize Shri H. M. Das, an Officer appointed by the Central Government vide Department of Steel Notification dated 16th December, 1978 as endorsed to me in Ministry's No. 8(108)76-K-I dated 16th December, 1978 to discharge for and on my behalf, all or any of the powers vested in me as such Commissioner of Payments, as provided under sections 8 and 10 of the said Act.

P. K. SARKAR Commissioner of Payments.

DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 24th January 1979

No. A19011(253)/78-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri S. R. Kate, Senior Technical Assistant (Mining Engg.) to the post of Assistant Controller of Mines in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in the Indian Bureau of Mines for a period of six months in adhoc basis with effect from the forenoon of 23-12-78, until further orders.

S. BALAGOPAL, Head of Office

MINISTRY OF EDUCATION & SOCIAL WELFARE DEPARTMENT OF EDUCATION

New Delhi, the 27th January 1979

No. F.8-58/78-AE.I.—On transfer (on deputation) from the National Council of Educational Research and Training. New Delhi, Shri Santo Dutta, Editor, is appointed as Deputy Director, in the Directorate of Adult Education, New Delhi in the scale of pay of Rs. 100—1600 on ad-hoc basis with effect from 1-1-1979 (forenoon) for a period of one year.

B. L. MANIHAR, Director of Administration

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 20th January 1979

No. 10/46/77-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri V. K. Chitnis as Assistant Engineer at Doordarshan Kendra Bombay in a temporary capacity with effect from the 25-9-78 until further orders.

J. R. LIKHI,
Deputy Director of Administration
for Director General.

New Delhi-1, the 29th January 1979

No. 4(112)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Salam-ud-Din Bajad as Programme Executive, Radio Kashmir, Jammu in a temporary capacity with effect from the 20th November, 1978 and until further orders.

A. K. BOSF, Deputy Director of Administration, for Director General.

OFFICE OF THE MEDICAL SUPERINTENDENT SAFDARJANG HOSPITAL

New Delhi, the 29th November 1978

Notice of termination of services issued under rule 5(1) of the Central Civil Services (temporary) Service Rules, 1965

No. PF-2587/78-Admn.II.—In persuance of Sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary) services Rules 1965, I hereby give notice to Smt. Sosamma Thomas, Staff Nurse R. No. 2587 that her services will stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month, from the date c. which this notice is served on or as the case may be tendered to her.

Sd/- Illegible Medical Superintendent S. J. Hospital, New Delhi

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION DEPARTMENT OF IRRIGATION DIRECTORATE OF EXTENSION New Delhi, the 6th January 1979

No. 5-36/78-Estt.(I).—Shri O. P. Gupta, Sub-Editor (Hindi), is appointed to officiate as Assistant Editor (Hindi), Group B (Gazetted), in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Agriculture), purely on adhoc basis, with effect from 7th December 1978 for a period of 3 months.

The 31st January 1979

No. F. 2-11/77-Estt.(I).—The adhoc appointment of Shri N. Sivarama Krishnan in the post of Assistant Exhibition Officer (Grade I) is further continued beyond 26th July 1978 and upto 28th February 1979.

B. N. CHADHA, Director of Administration.

DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 24th January 1979

No. A.19025/119/78-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri A. S. Wasnik has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Calcutta with effect from 30-12-78 (F.N.), until further orders.

8. L. MANIHAR,
Director of Administratica
for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay, the 16th December 1978

No. PA/73(13)/78-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. (Smt.) Chandraprabha Satyáprakash Mittal as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of December 7, 1978 to the afternoon of January 5, 1979.

No. PA/73(13)/78-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. (Kum.) Varinder Balwantsingh Kaur as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of December 7, 1978 to the afternoon of January 5, 1979.

The 14th January 1979

No. PA/73(13)/78-R-IV.—In continuation of Notification of even number dated December 16, 1978, the Director, Bhahha Atomic Resarch Centre appoints Dr. (Smt.) Chandraprabha Satyaorakash Mittal as Resident Medical Officer Medical Officer of this Research Centre in a purely temporary capacity for a further period with effect from the foremon of January 6, 1979 to the afternoon of February 5, 1979.

No. PA/73(13)/78-R-IV.—In continuation of Notification of even number dated December 16, 1978. Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. (Kum.) Varinder Balwantsingh Kaur as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity for a further neriod with effect from the forenoon of January 6, 1979 to the afternoon of February 5, 1979.

S. RANGANATHAN, Dv. Establishment Officer (R)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 24th January 1979

No. DPS/2/1(25)/77-Adm./3386—In continuation of this Directorate Notification of even number dated October 19, 1978, Director. Purchase & Stores Department of Atomic Energy appoints Shri Nelluval Haribara Iyer Krishnan. Accountant of this Directorate to officiate as Assistant Accounts Officer on an ad hoc basis in the same Directorate for a further period ending March 31, 1979 or until further orders whichever is earlier.

No. DPS/2/1(5)/77-Adm./3392.—Director. Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri T. C. Malik, Storekeeper to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from forenoon of 3-10-78 to the afternoon of 2-11-78 vice Shri K. I. Upadhyaya, Assistant Stores Officer granted leave.

B. G. KULKARNI, Assistant Personnel Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 25th January 1979

No. 05052/78-401.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Pachchampet Gonglan Sreenivasan, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of August 1, 1978 until further orders.

No. 05052/78/402.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Srinivason Manonmani, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of August 1, 1978 until further orders.

No. 05052/78/E/403.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Sevugan Alagappan, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of August 1, 1978 until further orders.

No. 05052/78/404,—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Chidambaram Ramiah, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of August 1, 1978 until further orders.

No. 05052/78/405.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Ramachandran Venka araman a temporary Foreman of Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of August 1, 1978 until further orders.

No. 05052/78/405.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Nellayanpan Ramaswamy, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of August 1, 1978 until further orders.

No. 05052/78/407.—Officer-on-Special Duty. Heavy Water Projects, appoints Shri Narayanaswamy Srinivasan, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of August 1, 1978 until further orders.

K. SANKARANARAYANAN.
Senior Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380053, the 23rd January 1979

No. TESC/62/79.—The Director is pleased to expoint Shri Manjeri Ranganathan Goral Krishnan as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation, Department of Space with effect from the forenoon of November 17, 1978 for a period upto August 31, 1979.

S. G. NAIR, Head, Personnel & Gen. Admn.

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

New Delhi, the 22nd January 1979

No. A-32013/19/78-VE.—The President is pleased to appoint Air Marshal Jafar Zaheer, PVSM, AVSM, as Director General of Civil Aviation, with effect from the 20th January, 1979 (F.N.), on deputation basis, until further orders.

S. EKAMBARAM, Dy. Secy.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 19th January 1979

No. A.35018/2/78-E.I.—In partial modification of this Department Notification No. A.35018/2/78-E.I, dated the 30th December, 1978, the President is pleased to appoint Shri Bhawani Mal, I.P.S. (Raj. 1950) as Director, Civil Aviation Security and ex-officio Additional Director General of Civil Aviation in the pay scale of Rs. 2500—125/2—2750, with effect from the 27th November, 1978, for a period of one year in the first instance.

The 20th January 1979

No. A.19012/1/79-Hindi.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Sant Ram Tripathi, as Hindi Officer in the Civil Aviation Department, with effect from 26th December, 1978 (F/N) on ad-hoc basis and until further orders, and to post him in the Office of the Principal, Civil Aviation Training Centre, Allahabad.

The 22nd January 1979

No. A.19012/2/79-Hindi.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri N. Sadasivan, as Hindi Officer in the Civil Aviation Department, with effect from 11th January, 1979 (forenoon) on ad-hoc basis and until further orders, and to post him in the Office of the Regional Director, Madras Region, Madras Airport, Madras.

H. L. KOHLI, Director of Administration

New Delhi, the 27th January 1979

No. A-39013/1/79-EA.—The Director General of Civil has been pleased to accept the resignation from Government Service of Shri F. N. Buhariwalla, Asstt. Aerodrome Officer, Bombay Airport, Bombay with effect from the 20th January, 1979 (F.N.).

C. K. VATSA, Asstt. Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 29th January 1979

No. 1/8/78-EST.—The Director General, Oveaseas Communications, Service, hereby appoints Shri Suresh Datt Awasthi, as Assistant Engineer, in a temporary capacity in Debra Dun Branch, with effect from the forenoon of the 25th October, 1978, and until further orders.

No. 1/11/78-FST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri John Silva as Assistant Engineer in an officiating capacity in Arvi Branch, with effect from the forenoon of 30th August, 1978, and until further orders.

No. 1/430/78-EST.—The Director General Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Narain Singh, Superintendent, Dehra Dun, as Assistent Administrative Officer, in an officiating capacity in the same Brench for the neriod from the 16th May, 1977 to the 8th Iuly, 1977 (both days inclusive), against a short-term vacancy, purely on ad-hec basis.

P. K. G. NAYAR, Director (Admn.). for Director General

COLLECTOR OF CFNTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Indore, the 2nd January 1979

No. 11/1978.—Shri E. A. Theodore, Superintendent, Central Excise. Group 'B' MOR Sihora in Madhya Pradesh, Central Excise Collectorate Indore having attained the age of Superannuation has retired from Government service in the afternoon of 31st October, 1978.

2. Shri P. R. Sama, Superintendent, Central Excise Group 'B' (Prev.), Divisional Office, Jabalpur in Madhya Pradesh Central Excise Collectorate, Indore having attained the age of superannuation has retired from Government service in the afternoon of 30th November, 1978.

The 20th January 1978

No. 1/1979.—Consequent upon their promotion as Superintendent of Central Excise Group 'B' the following Inspectors of C. Ex. (S. G.) have assumed their charge as Supdts. of C. Excise Group 'B' as shown against their names:—

SI. No.	Name of the Officer		Place of Posting	Date of assumption of charge
	S/Shri			
1.	H. S. Mahatme .	٠	Sihora (Jabalpur Divn).	29-11-1978 F.N.
2.	A. N. Khandalkar	•	Supdt. Outer-J, Raipur	23-12-1978 F.N.
3.	V. L. Saptarshi	•	Supdt., Range-I Jabalpur	26-12-1978 A.N.

The 23rd January 1979

No. 2/79.—Shri T. K. Sadhwani, Supdt. Central Excise Group 'B' Itarsi in Madhya Pradesh, Central Excise Collectorate, Indore having attained the age of superannuation has retired from Government Service in afternoon of 30th November, 1978.

M. S. BINDRA, Collector

SOUTH EASTERN RAILWAY

Calcutta-43, the 27th January 1979

No. P/G/14D/2/Confer/Pt.II.—The following officiating Class-II Officers of the Accounts Department are confirmed as Assistant Accounts Officer (Class II) in that Department of this Railway from the date noted against each:—

Sl. No., Name & Date of confirmation

- 1. Shri R. S. Pande-1st November, 1976.
- 2. Shri G. Rath-1st March, 1977.

J. S. D. DAVID, General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Vibgyor Savings & Finance Company Limited.

Bhubaneswar, the 25th January 1979

No. S.O./727/3825(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Vibgyor Savings & Finance Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

D. K. PAUL, Registrar of Companies, Orissa In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, Sahney Hotels Private Limited

Bombay, the 12th January 1979

No. 13520/560(3).—Notice is hereby given pununat to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereot the name of the M/s. Sahney Hotels Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck oil the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Display & Decorations Private Limited

Bombay, the 12th January 1979

No. 12266/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Display & Decorations Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

L. M. GUPTA, Asstt. Registrar of Companies, Maharashtra

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Hurdathoral Tea Private Ltd. Madras, the 7th January 1979

No. DN/4323/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Hardathorai Tea Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Keralayam Transports Private Limited Madras, the 17th January 1979

No. DN/4102/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Karalayam Transports Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of Sti Valliammal Rice Mills Transports Private Limited

Madras, the 17th January 1979

No. DN/4102/650(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 of Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date here of the name of Sri Valliammai Rice Mills Transports Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

C. ACHUTHAN, Asstt. Registrar of Companies, Tamil Nadu

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Prakash Pen Company Private Limited. Kanpur, the 23rd January 1979

No. 690/3360-LC.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Prakash Pen Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Lucknow Commercial Chit Fund and Finance Pvt. Ltd.

No. 697/3073-LC.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that

at the expiration of three months from the date hereof the name of the Lucknow Commercial Chit Fund and Finance Private Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN, Registrar of Companies, U.P.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Pratapgarh Trust Private Limited. Calcutta, the 29th January 1979

No. 16308/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Pratapgarh Trust Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- Illegible Asstt. Registrar of Companies, West Bengal.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Karaikal Commercials Private Limited.

Pondicherry, the 27th January 1979

No. 59.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name 'Karaikal Commercial Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA, Registrar of Companies, Pondicherry.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Mayura Chemicals Private Ltd.

Bangalore, the 29th January 1979

No. 2639/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Mayura Chemicals Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Kamath & Company Private Ltd.

Bangalore, the 29th January 1979

No. 1145/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Kamath & Company Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Flawles Chemicals Private Ltd.

Bangalore, the 29th January 1979

No. 2483/560/78.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Flawles Chemicals Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the mater of the Companies Act, 1956 and of M/s. Micro Mess Private Ltd.

Bangalore, the 29th January 1979

No. 2331/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Micro Mess Private Ltd. unless cause is

shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. N. GUHA, Registrar of Companies, Karnataka, Bangalore,

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX DELHI-IV, NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1979

INCOME TAX

No. JUD/DLI/IV/78-79/38576.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-IV, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Circle shall be created with effect from 10-1-1979.

District III-A (10), Addl., New Delhi.

No. JUR-DLI/IV/78-79/38717—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the order No. JUR-DLI/IV/78-79/9642 dated 27-6-1978 on the subject, the Commissioner of Income tax, Delhi-IV, New Delhi hereby directs that the Income-tax Officer mentioned in column 2 of the Schedule herein below shall perform their functions in respect of persons or classes of persons. Incomes or classes of income an cases or classes of cases specified in column 3 of the said schedule other than the persons or classes of persons, income or classes of cases which have been assigned or may hereafter the assigned u/s 127 of the said Act to any other Income-tax Officer.

SCHEDULE

SI. No.	Designation of the ITO	Jurisdiction		
1	2	3		
1. Income-tax Officer, Distt. III-A(10), New Delhi.		A. All persons other than those falling in the jurisdiction of the Incometax Officer, Distt. III-A (5), New Delhi, whose names begin with alphabets M to Z (both inclusive).		
		B. All persons being partners of firms filling in A above.		
2.	Income-tax Officer, Distt.	A. All persons other than		

- Income-tax Officer, Distr. III-A(10) Addl., New Delhi.
- A. All persons other than those talling in the jurisdiction of income-tax Officer, Distr. III-A(5), New Delhi, whose names begin with any of the elphabet A to L (both inclusive)
- B. All persons being partners of firms talling in A above.

This Notification shall take effect from 10-1-1979.

No. JUR-DLI/IV/78-79/38857—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject the Commissioner of Income-tax Delhi-IV., New Delhi, hereby diercts that the Inspecting Assistant Commissioners of Incometax mentioned in Col. 1 of the Schedule herein below shall perform all the functions of Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax under the said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons of such Incomes or classes of income or of such cases of classes of cases as fall within the jurisdiction of the ITOs of the Distt./Circles men-

tioned in Col. 2 of the said Schedule :— SCHEDULE

Name of the Range	Income-tax Distt/Circles		
(1)	(2)		
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Range III-A, New Delhi. 	1. Distt. III-A-1 2. Distt. III-A-2 3. Distt. III-A-3 4. Distt. III-A-5 6. Distt. III-A-6 7. Distt. III-A-7 8. Distt. III-A-8 9. Distt. III-A-9 10. Distt. III-A-10 11. Distt. III-A-10 (Add1.)		

This notification shall take effect from 10-1-1979.

KANBIR CHANDRA. Commissioner of Income-tax, Delhi-IV, New Delhi

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 22nd September 1978

Ref. No. Acq. F. No. 796.—Whereas I, N. K. Nagarajan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5/70, Sri Vijayadurga Rice & Flour Mill, Denduluru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhimadolu on 1-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vallabhaneni Satyanarayana (now in USA) GPA Holder Sri Vankineni Raghavendra Rao, Eastern Street, Eluru—534001.

(Transferor)

(2) 1. Shri Vallabhaneni Rajarajeswari, 2. Shri Vallabhaneni Nagasukumari c-o V. Ramaseshayya Chowdary Pathebada, Eluru-534002.

(Transferec)

(3) Partners of Sri Vijaya Durga Fnterprises, Eluru.
 1. Shri V. Subbayya Chowdary, 2. V. Srikrishna.
 (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 724/78 registered before the Sub-Registrar, Bhimadoluduring the F.N. ended on 15-5-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 22-9-1978

Dhanaraiu.

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

D. Satyanarayana, 3. D. Veerabhadrudu, 4. D. Subrahmanyam, 5. D. Tatayya, M/M mother D. Manikyalamma, 6. D. Satnibabu, 7. Srinivasa Rao M/G fether Sri D. Satyanarayana, Gorripudi, Kakinada Taluk.

(1) 1. Dhanisetti Manikyalamma, W/o

(Transferors)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 20th October 1978

Rcf. No. Acq. F. No. 819.—Whereas, I, N. K. Nagarajan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

RS 144/2B situated at Manjeru

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 8-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Smt. Venkayamma, W/o Shaik Pccr Saheb,
 Sattar, Narendrapuram, Via. Rajanagarm,
 Rajahmundry Tq.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used horein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1923/78 registered before the Sub-registrar, Kakinada during the fortnight ended on 15-5-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 20-10-1978

FORM ITNS - - - -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 8th November 1978

Ref. No. Acq. F. No. 833.—Whereas, I, N. K. Nagarajan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12-13-54 situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons nnamly:—

(1) Kanigicherla Durga Sambasiva Venkata Krishna Murty, 2. K. Durga Narayanarao, M/s Brother Sri K. Durgaramarao, s/o Ananta Kotaiah, Iron Centre, Main Road, Vijayawada-1.

(Transferors)

(2) S. Galeeb, Prop: Mahaboob, Old Iron Merchants, Chittinagar, Vijayawada-1.

(Transferee)

(3) M/s. Bhoruka Steel Ltd., Islampet, Vijayawada-1. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2481/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 31-5-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Date: 8-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 18th November 1978

Ref. No. Acq F. No. 839.—Whereas, I, N. K. Nagarajan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000./-and bearing

No. Asst. 25403, situated at Machavaram Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 18-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any lineome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
16—466GI/78

(1) Shri Kudarayalli Subashchandra Bose, C/o M/s Kudarayalli Fancy and Medical Stores, Suryaraopeta, Vijayawada-2.

(Transferor)

(2) Shrimati Chukkapalli Lalitha Kumari, W/o Krishna Murthy, 549/2, DBK Railway Quarters, S. E. Railway, Waltair (A.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The schedule property as per Registered Document No. 2299/78 registered before the Sub Registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 31-5-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 18-11-1978

(1) Shrimati Ravuri Rani Prameela, W/o Satyanarayana, Chirravuru, Tenali Tg., Guntur Distt. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Panchumarthi Bapuji, Minor/Guardian father, Sri P. Subbarao, Gakarajupalli village, Nandigama Tq., Krishna District. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Kakinada, the 22nd November 1978

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Acq. F. No. 840.—Whereas, I, N. K. Nagarajan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

RS No. 198 and 198/3 situated at Jujjuru village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nandigama on 25-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

The schedule property as per Registered Document No. 1043/78 registered before the Sub Registrar, Nandigama during the fortnight ended 30-5-1978.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 22-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMESTAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 22nd November 1978

Ref. No. Acq. F. No. 841.—Whereas, I, N. K. Nagarajan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS No. 198 and 198/3 situated at Jujjuru village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Nandigamma on 25-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Ravuri Rani Prameela, W/o Satyanarayana Chirravuru, Tenali Tq. Guntur District.

(Transferor)

(2) Shri Panchumarthi Venkata Ramana Minor/ Guardian Father: Sri P. Subbarao, Gakarajupalli village, Nandigama Tq., Krishna District.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per Registered document No. 1042/78 registered before the Sub Registrar, Nandigama during the fortnight ended on 30-5-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Date: 22-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 23rd November 1978

Ref. No. Acq. F. No. 842.—Whereas, I, N. K. Nagarajan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. 5/84 situated at Masula Road, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 24-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Gorthy Rama Brahma Sastry, S/o Jagannadham, Labbipeta, Vijayawada-10,

(Transferor)

(2) M/s Paper Engineering Services (P) Ltd., 5/84, Masulipatnam Road, Industrial Estate Post, Vijayawada-520007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered Document No. 2431/78 registered before the Sub Registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 31-5-78.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 23-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME.
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDÍA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACOUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 23rd November 1978

Ref. No. Acq. F. No. 843.—Whereas, I, N. K. Nagarajan being the competent authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 5/84, situated at Masula Road, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been (ransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 24-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I the property as aforesaid exceeds the apparent conuoijusepisuoo equ tequ pur uoijusepisuoo marudde qons
jo tue led ueejjy uequ eloum of lojelequ uoijusepis
for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Shri Govinda Raju Venkata Srinivas, S/o G. V. Chalapathi Rao, B-12, Industrial area, Uppal, Hyderabad-39.

(Transferor)

(2) M/s Paper Engineering Services (P) Ltd., 5/84, Masulipatnam Road, Industrial Estate Post, Vijayawada-520007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms aid expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedulo property as per registered document No. 2430/78 registered before the Sub Registrar Vijayawada during the fortnight ended on 31-5-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 23-11-1978

FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 23rd November 1978

Ref. No. Acq. F. No. 844.—Whereas, I, N. K. Nagarajan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5/84, situated at Masula Road, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on 24-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Govindaraju Venkata Murali Krishna, S/o Sri G. V. Chalapathi Rao, GPA holder: Sri G. V. Ramarao, B-12, Industrial Area, Uppal, Hyderabad-39.

(Transferor)

(2) M/s Paper Engineering Services (P) Ltd., 5/84, Masulipatnam Road, Judustrial Estate Post, Vijayawada-520007.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per Registered Document No. 2429/78 registered before the Sub Registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 31-5-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 23-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 23rd November 1978

Ref. No. Acq. F. No. 845.—Whereas, I, N. K. Nagarajan being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5/84, situated at Masula Road, Vijayawada

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 24-5-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Govindaraju Venkata Ramarao, S/o Sri G. V. Chalapathi Rao, B-12, Industrial area, Uppal, Hyderabad-39.

(Transferor)

(2) M/s Paper Engineering Services (P) Ltd., 5/84, Masulipatnam Road, Industrial Estate Post, Vijayawada-520007.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2428/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 31-5-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 23-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 25th November 1978

Ref. No. 846.—Whereas J, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

TS No. 294, 436, 304 & 305 situated at Kothapeta, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed nereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur on 15-5-1978.

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Neelam Charles Victor Roberts, s/o Samuel Johan Robert,
 - N John Pradeep Kumar, s/o
 N. Charles Victor Roberts,
 Kannavarithota, Guntur.
- (2) Gummadi Nagendramma, w/o Veerayya, Syamaldas Agrabaram, Guntur.

(Transferee)

(4) N. S. V. Robert, Guntur. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1534/78 registered before the Sub-Registrar, Guntur, during the F.N. ended on 15-5-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 25-11-1978.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 2nd December 1978

Ref. No. Acq F. No. 847.—Whereas, I, N. K. Nagarajan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Asst. No. 5328, situated at Bobbili

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at Bobbili on 31-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax 'Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceeding for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the said Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :-

17-466GI/78

(1) 1. Volcti Sitaramamurty, Advocate, 2. Smt. Tentu Chinnammi Nairalu, China Bazar Street, Bobbli.

(Transferor)

(2) Chelikani Leela Bharati Suryakumari, Ch. Ranganayakulu, Velmavari Street, w/o Dr. Bobbili. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule properly as per registered document No. 2380/78 registered before the Sub-Registrar, Bobbill, during the fortnight ended 31-5-1978.

> N. K. NAGARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Kakinada

Date: 2-12-1978

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS
SIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 6th December 1978

Ref. No. Acq. F. No. 848.—Whereas, f, N. K. Nagarajan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'snid Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29-12-20 situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 4-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pa ytax under the said Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Gullapalli Scetharatnam, w/o Venkateswara Rao, 10/3, R.T.M., I.G.H., Vijayanagar Colony, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Gadiraju Sarojini Devi, w/o Ramachandra Raju, 29-12-20, Venkataratnam Street, Suryaraopet Vijayawada-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2067/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the fortnight ended on 15-5-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Kakinada

Date: 6-12-1978

FORM I.T.N.S.—--

(1) Smt. Aruna Pushparaj Mridul.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 25th January 1979

Ref. No. AR-1/3074-4/July-78.—Whereus, 1 V. S. SESHA-DRL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

C.S. No. 1778 of Fort Division situated at Netaji Subhas Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 5-7-1978

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income parising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the sald Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(2) Shri F. B. Ajmera and Mrs. Sharda F. Ajmera. (Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2485/77/Bom and as registered on 5-7-1978 with the Sub-Registrar, Bombay.

V. S. SESHADRI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 25-1-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 24th October 1978

Ref. No. 10/May/78.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Kakkaveri Village, Rasipuram Tk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rasipuram (Document No. 565/78) on 9th May, 1978 for an apparent consideration which is les than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to bme disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Venkatachalam, S/o Nallaiya Gounder & Shri Nallayya Gounder, S/o Chinnagounder. Kakkaveri Village, Rasipuram Tlk.

(Transferor)

(2) Shri Viswanathan, S/o Paramasiva Gounder, Kakkaveri Village, Raslpuram Tk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2.59 acres of agricultural lands at Kakkaveri Village, Rusipuram Tk.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 24 October 1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 2nd February 1979

Ref. No. LDH/R/21/78-79.—Whereas, I NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 4 kanals situated at Village Nandpur, Tehsil Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Harjit Singh & Sh. Ajmer Singh sons of Shri Chanan r/o Village Nandpur, Tehsil, Ludhlana.

(Transferor)

(2) M/s Sagar Engg. Works, Unit No. 2, Plot No. 419 Industrial Area A, Ludhiana through Sh. Kirpal Singh s/o Sh. Atma Singh, 419 Indl. Area A, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanals situated at Village Nandpur, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 746 of May, 1978 of the Registering Officr, Ludhiana).

NATHU RAM.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 2-2-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 1st February 1979

Ref. No. AP-524 NSW/78-79.—Whereas 1, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Khai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nihal Singh Wala on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Banchit Singh s/o Harnam Singh s/o Natha Singh V.P.O. Khai, Nihal Singh Wala. (Transferor)
 - (Transferor)
- (2) Sh. Makhan Singh s/o Bikar Singh s/o Banta Singh Vill. Khai.

 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 20K & 6M in village Khai as per sale deed no. 471 of June 1978 registered with the S.R. Nihal Singh Wala.

P. N. MALIK.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 1-2-79.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 1st February 1979

Ref. No. AP-525/NSW/78-79.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule, situated at Khai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration officer at

Nihal Singh Wala on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Banchit Singh s/o Harnam Singh s/o Natha Singh V.P.O. Khai, Nihal Singh Wala.

(Transferor

(2) Sh. Jagir Singh 870 Bikar Singh 830 Banta Singa V Khai.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 20K & 6M in village Khai as per sale deed no. 472 of June 1978 registered with the S.R. Nihal Singh Wala.

P. N. MALIK.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 1-2-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 1st February 1979

Ref. No. AP-526/NSW/78-79.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Khai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nihal Singh Wala on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Banchit Singh s/o Harnam Singh s/o Natha Singh, V. P.O. Khal, Nihal Singh Wala. (Transferor)
- Sh. Jagtar Singh s/o Bikar Singh s/o Banta Singh V. Khai. (Γransferee)
- *(3) As per sr. no. 2 above. (person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 20K & 6M in village Khai as per sale deed no. 471 of June 1978 registered with the S.R. Nihal Singh Wala.

P. N. MALIK.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 1-2-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 1st February 1979

Ref. No. A.P. 527/FR/28-29.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Ferozepur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

18—466°GI/78

- (1) Sh. Yashwant Ram s/o Anant Ram, Dhanwant Ram Malhotra & Balwant Ram Anant Ram R/o England c/o Yashwant Ram s/o Anant Ram, Mukhtiar-i-am r/o Ferozepur.

 (Transferor)
- (2) S/Sh. Bihari Lal, Hira Devi, Des Raj, Sheela Rani, Ripan Kumar Chanchal Rani, Paras Ram, Sheela Wanti, Parshotam Lal, Patvesh Kumar, Parmod Kumar, Rajan Kumar r/o Ferozepur City.

 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be

nom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are delned in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

85 Kanal land/property in Ferozepur City as per sale deed No. 1704 of June 1978 registered with the S. R. Ferozepur.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhatinda

Date: 1-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, POONA-5

Poona-5, the 9th January 1979

Ref. No. CA5/Jalgon/August '78/398.—Whereas I, SMT. P. LALWANI,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

CTS No. 1967A, R. S. No. 214/B/1/2 situated at Julgaon, gaon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalgaon on 7-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) The India Mission of the Christian & Missonery Alliance Methodist Centre, 21, Club Back Road, Pembay-400 008.

 (Transferor)
- (2) Mishrilal Onkardas Joshi & Sons, by its partners Ganesh Building, Navi Peth, Jalgaon, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Out of Jalgaon CTS No. 1967-A R.S. No. 214B/1/2, Jalgaon.

Area: 102860 sq. ft. i.e. 9555.9 sq. mts.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1897 dated 7-8-78 in the office of the Sub-Registrar, Jalgaon).

SMT. P. LALWANI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Poons

Date: 9-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 14th December 1978

No. Acq. 23-I-1758(760)/16-6/77-78.—Whereas I. S. C. PARIKH:

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 640/2 & 265 situated at "Kailash Bhawan" Bapunagar, Plot No. 14, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at Rajkot on 19-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Maniben Jivrajbhai Vasoya; "Ashok Samrat", Building No. B, Block No. 2, Malad, Bombay-64. (Transferor)
- (2) New Philips Manufacturers; Proprietor Shri Bachubhai Valjibhai; "Kailash Bhawan" Bapunagar, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building known as "Kaitash Bhawan" bearing S. No. 640/2 & 265 situated at Bapunagar—80'-0" Road, Bapunagar, Rajkot standing on land admeasuring 359 sq. yd. duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 1984/19-5-1978 and as fully described in the said saledeed.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 14th December 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 14th December 1978

No. Acq. 23-I-1967(761)/5-1/78-79.—Whereas I, S. C. PARIKH;

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1870-A situated at Atabhai Chawk, Near Golibar Hanuman Mandir, Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Bhavnagar on 3-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Prankunvarben Chhotalal Valiya; through P. A. Holder: Shri Parmananda Chhootalal Valiya; Opp. Alaka Cinema, Gujarat Oxygen & Acitylin Co. Bhavnagar.

(Transferor)

Patel Kalubhai Zinabhai; Plot No. 1102, Near Rubber Factory, Bhavnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land, admeasuring 571-27 sq. mts. bearing Plot No. 1870-A situated at Atabhai Chawk, Near Golibar Hanuman Mandir, Bhavnagar and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 601 dated 3-5-1978.

S. C. PARIKH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I.
Ahmedabad

Date: 14-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 14th December 1978

No. Acq. 23-I-1968(762)/5-1/78-79.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot Nos. 1870B&1870C situated at Atabhai Chawk, Nr. Golibar Hanuman Mandir, Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Bhavnagar on 12-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the libility of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Parmananddas Chhotalal Valiya; P. A.Holder of Prankunvarben Chhotalal Valiya; Opp. Ataka Cinema, Gujarat Oxygen & Acitylin Co. Bhavnagar. (Transferor)
- (2) Patel Narsibhai Zinabhai Savani; Near Rubber Factory, Plot No. 1132-B/2, Bhavnagar.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 1049.10 sq. mts. bearing Plot Nos. 1870b & 1870c, situated near Golibar Hanuman Mandir, Atabhai Chawk, Bhavnagar and as fully described in the sale-deed Registered vide Regn. No. 602 dated 4-5-1978.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Ispecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-1,
Ahmedabad

Date: 14-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME- TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL M. P.

Bhopal, the 3rd January 1979

Ref. No. IAC/Acq./BPL/1222/78-79.—Whereas I, B. L. RAO.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open Land situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on 3rd May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Srut. Tirathbai, W/o Shri Hotchand, 13, Ushaganj, Street No. 1, Indore through Spl. Attorney Shri Gehimal S/o Shri Bhojumal, 13, Ushaganj, Street No. 1, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Jyotika, W/o Shri Harish, 13, Ushagani Street No. 1, Indore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land plot Nos. 2-B & 2-C admeasuring 6910 Sq. ft. and 2400 sq. ft. respectively (Total area 9310 Sq. ft.) forming part of the property bearing Block No. III & IV situated at Kanchan Bagh Road, Indore.

B. L. RAO
Competent Athority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Bhopal

Date: 3-1-1979

(1) Smt. Usha ,W/o Harimohan Saxena, Through At-torney Dr. Ramchandraji Raghunath Rishi, 6/2, South Tukoganj, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER S..CTION 269D (1) OF TH.. INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Sonobai, W/o Shri Tukaramji Gayake, 298, Shivaji Nagar, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL M. P.

Bhopal, the 3rd January 1979

Ref. No. IAC/Acq./BPL/1223/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO.

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Open land situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 1st July, 1978,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazettee or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, which 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land plot No. 14-C, Victory Estate Colony, Indore admeasuring 5000 Sq. ft.

> B. L. RAO Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bhopal

Date: 3-1-1979

(1) Shri Govinddas Goval S/o Seth Ghanshyamdas Vaishya Agrawal, Sadar Bazar, Shivpuri,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shankerlal Govinddas Vaishya Gupta, Village Bira Tehsil Pichore Distt. Shivpuri, (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BHOPAL M. P.

Bhopal, the 11th January 1979

Ref. No. IAC/Acq./BPL/78-79.—Whereas, I. B. L. RAO, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to us the leaf Act), hereinafter referred income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Shivpuri (M.P.) (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shivpuri on 8-5-1978, for an annarent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Explanation:—The terms and Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lower portion of House No. 665 Ward No. 18 situated at Hanuman Gali, Shlvpuri.

> B. L. RAO Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under tsubsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date: 11th January 1979

(1) Shri Govind Das Goyal, S/o Seth Ghanshyamdas Vaishya Agrawal, Sadar Bazar, Shivpuri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

> ACQUISITION RANGE BHOPAL M. P.

Bhopal, the 11th January 1979

Ref. No. IAC/Acq./BPL/78-79.--Wheeras I, B. L. RAO, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House (Part) situated at Shivpuri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Shivpuri on 8-5-1978,

for an apparent considertaion which is les than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to bmc disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

19---466GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

(2) Smt. Siyabai W/o Shri Babulal Vaishya Gupta, Village BIRA Tehsil Pichore Distt. Shivpuri

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Upper portion of House No. 665 Ward No. 18 Situated at Hanuman Gali, Shivpuri.

> B, L. RAO Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 11-1-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 11th January 1979

Ref. No. RAC. No. 283/78-79.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing;

No. Port. 18-7-24 situated at Koil Street, Chittoor.

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chittoor on 22-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under tsubsection (1), of section 269D of the said Act, to the following persons namely:

(1) Smt. P. Visalakshmamma, W/o Sri P. Doraswami Naidu, R/o Gurrappanaidu, Street, Chittoor.

(Transferor)

(2) 1. S/Sri P. Radhakrishnaih Chetty, 2. B. Sathyanarayanachetty, 3. S. Pandarangiahchetty, all partners in M/s Andhra Timber Co., Old Market Street, Chittoor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House. No. 18-7-24 situated at Ponniamman Koil street, Chittoor, registered vide Document No. 2348/78 in the office of the Sub-Registrar Chittoor,

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 11-1-1979

Scal:

(1) M/s Swastic Builders, H. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

Smt. Manepalli Kumari, W/o M. Raja Rao, H. No. 40-1-112 at Customs quarters, Kakinada-7.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th January 1979

Ref. No. RAC. No. 284/78-79.—Whereas I, K. S. Venkataraman,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Office No. 110 situated in Sagar View Building, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Hyderabad, on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act; 1961 (43 of 1961) or the wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chap'er XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 110 in 1st floor of Sagar view Building situated at 1-2-524/3 Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 1991/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad,

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 11-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th January 1979

Ref. No. RAC. No. 285/78-79.—Whereas I, K. S. Venkataraman.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Shop No. 13 situated at in Sagar View Building, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Swastic Builders, H. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Suguna Omapathi Rao, W/o Sri Omapathi Rao, H. No. 5-9-90 at Chapel Road, Fateh Maidan Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop. No. 13 (Rear Cellar) in Sagar View Building bearing M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, area of 393 Sq. Ft. registered vide Document No. 1992/78 in the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 11-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 11th January 1979

Ref. No. RAC. No. 286/78-79. -Whereas I, K. S. Venkataraman.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop. No. 9 & 18 situated at 1-2-524/3 Domalguda, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on May 1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

M/8 Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domulguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Harikrishen Soni, H. No. 14-2-332/1 at Gyan Bagh Colony, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop, No. 9 Rear Cellar & No. 18 front cellar in the Sagar Vicw Building M. No. 1-2-524/3 situated at Domalguda, Hyderabad registered vide Document No. 1993/78 in the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

> K. S. VENKATARAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 11th January 1979

Ref. No. RAC. No. 287, 78-79.—Whereas I, K. S. Venkataraman.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/and bearing

No. Port. H. No. 16,25 situated at Jonalagada, St. Nellore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at Nellore, on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Amencherlu Madhawa Rao, H. No. 1-8-702/ 29-2 at Nallagutta, Hyderabad.

(Transferee)

(2) Smt. Thoomati Ramanamma, W/o Sri Ramamurthy, R/s Thoomativari Pulem, Kaniviri-Tq. Prakasam, Dist.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of house No. 16/25 situated at Johnalagadda Vari Street, Nellore, known as "Manzu Hotel" registered vide Doc. No. 1179/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Nellore.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 11-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 11th January 1979

Ref. No. RAC. No. 288/78-79.—Whereas I, K. S. Venkataraman.

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No.15-1-503/A/71 situated at Feelkhana Hyderabod. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Doodbowli, on 4-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Bharat Construction Company, Managing partners Sri Babulal Iain, H. No. 15-1-503 at Siddiember Bazar Hyderabad.

(Transferor)

(2) All India Sikwal Brahman Maha Sabha, Puskaraj through Netramji Upadiya, H. No. 15-8-105 at Feelkhana, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 15-1-503/A/71 situated at Feelkhana, Siddiamber Bazar Hyderabad, registered vide Document No. 449/78 in the office of the Sub-Registrar Doodhbowli, Hyderabad.

K. S. VFNKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 11-1-1979

FORM LT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 11th January 1979

Ref. No. RAC. No. 289/78-79.—Whereas J. K. S. Venkataramon.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 4-1-917, 917/A& 917/1 situated at Tilak Road Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad, on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M's. Shiv Harsha, Hotels, Ltd. Company, Represented by Managing Director Sri P. R. Gopala Krishna Reddy, 4-1-917 at Tilak Road, Hyderabad. (Transferor)

(2) Sri Radhakrishna Kabra, 2. Smt. Phool Kunwar Kabra, both at H. No. 4-1-917 at Parsi Golli, Tilak Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building bearing M. No. 4-1-917, 917/A and portion of 4-1-917/1 at Parsi Galli, Tilak Road, Hyderabad, registered vide Document No. 2041/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 11-1-1979

PART III—SEC. 1]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 17th January 1979

Ref. No. RAC. No. 299/78-79.---Whereas I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 5-7-637/15 situated at Station Road, Nizamabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nizamabad, on 1-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trasnfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:— 20—466GI/78

 (1) Smt. Laxmibai, W/o Sri Madanial Agarwal, 15-1-1 at Osmanguni, Hyderabad, 2. Smt. Ieelabai, W/o Sri Shankerlal Agarwal, 15-1-1 at Os Manguni, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri M Raja Reddy, S o M. Narsimha Reddy, R/o Bardipur, Village, Nizamabad-Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop bearing M. No. 5-7-637/15 front platform, common stairi case 1st and 2nd floor of the R.C.C. constructed, part of Jagdesh Niketan, building situated at Station Road, Nizamabad; registered vide Document No. 1527/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 17-1-1979

Senl:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 17th January 1979

Ref. No. RAC. No. 300/78-79.—Whereas I. K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 14 situated in 5-7-637/14 Station Road, Nizamabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nizamabad, on 1-5-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or >
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. (1) Smt. Laxmi Bai, W/o Sri Madanlal Agarwal, 2. Smt. Leela Bai, W/o Sri Shankerlal Agarwal, both residing at 15-1-1 at Osmanguni, Hyderabad. (Transferors)
- Sri M. Rajreddy, S/o M. Narsimhn Reddy R/o Bardipur Village, Nizamabad-Tq, Nizamabad. Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop. M. No. 5-7-637/14 along with front platform, statrcase common on the first and 2nd floor of the R.C.C. construction with balcony and Varandh, part of "Jagdesh Niketan Building" situated at Station Road, Nizamabad, registered vide Document No. 1526/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 17-1-1979

PORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE

HYDERABAD

Hyderabad, the 17th January 1979

Ref. No. RAC. No. 301/78-79,—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1-1-154,155 situated at S. P. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Secunderabad on 11-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Zenobia Rustom Ranji, H. No. 1-1-152 and 153 at Sardar Patel Road, Secunderabad. (Transferor)
- (2) God HAS Spoken Ministries, 1-1-154, 155 at Sardar Patel Road, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land forming the sourthern part of premises bearing M. No. 1-1-154 and 155 known as 'DARAB VILLA' situated at Sardar Patel Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1329/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 17-1-1979

[PART III—SEC. 1

Chandanmal, R/o

(Transferee)

FORM ITNS

(1) Sri Y. Gyaneshwar, S/o Y. Jagannadham, H. No. 7-1-272 at Maruthi Veedhi, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISTION RANGF HYDERABAD

Hyderabad, the 17th January 1979

Ref. No. RAC. No. 302/78-79.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 7-2-883 situated at Hissamgunj Secunderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Secunderabad on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, nuamely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Sri. C. Kavrilal Jain, S/o Maruthi Vcedhi, Secunderabad.

may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi M. No. 7-2-883 situated at Hissamgunj, Secunderabad, registered vide Document No. 1178/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 17-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 17th January 1979

Ref. No. RAC. No. 303/78-79.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot. No. 10 situated at S. D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

 (1) S/Sri K. Sona Gai, H. No. 83-A Ramgopalpet, Secunderabad 2, K. Santosh Rani, H. No. 67-B, R. P. Road Secunderabad, 3, L. Lingashetty, H. No. 3-2-50 Subhash Road, Secunderabad, 4, Y. Prabhu S/o Ramaswamy, 4-2-289 Mahankali St. Secunderabad, 5, P. Muthyam, S/o Malliah, R/o Totabai, Subhash Nagar, Secunderabad, 6, R. Ramesh, S/o Shankeriah, H. No. 1-51/5 Fathenagar, Hyderabad.

(Transferor)

S/Sri V, Krishna S/o Raaen Shah, 2. V. Nagehs S/o V. Krishna, 3. V. Satyanarayana Aao, 4. Suresh, (Minro) guardian father Sri V. Krishna, all residing at H. No. 330 at New Bhoiguda, Secunderabad. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Thrible storeyed building on a plot of land No. 10 admeasuring 311.65 Sq. Mets. H. No. 9-1-127/1/A/2, 127/1/A, 127/1/A/1 situated at Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide Document No. 1284/78 in the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 17-1-79

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 17th January 1979

Ref. No. RAC. No. 304/78-79.—Whereas I, K. S. VFNKATARAMAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 7 in situated at 1-11-252/1 Begumpet, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Secunderabad, on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Jabbar Real Estate, H. No. 54, at Nallagutta, Secunderabad

(Transferor)

(2) Smt. G. Veeramma, Chikadpally, Hyderabad.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7 on 1st floor of H. No. 1-11-252/1 situated at Begumpet, Hyderabad, registered vide Document No. 1280/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 17-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE **HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th January 1979

Ref. No. RAC, NO. 290/78-79.—Whereas, J, K, S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 3-3-934 situated at Kutbiguda, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Hyderabad, on 5-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Ubaidullah Khan, H. No. 16-3-844/845, at (1) Sri Chenchalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2)S/Sri M. Pandit Rao, 2, M. Naising Rao, Gopal Rao, 4. M. Suryanarayana, all residing at 3-3-934 at Kutbiguda, Hyderabad, (Transferee)

Objectition, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 3-3-934 situated at Kutbiguda, Hyderabad, registered vide Document No. 1683/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

> K. S. VENKATARAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 16-1-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 16th January 1979

Ref. No. RAC. No. 291/78-79.—Whereas I, K. S. Venkataraman,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 3 in situated at 1-11-252/1 Begumpet, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad, on 15-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s Jabbar Real Estate, 54, Nallagutta, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. Subba Rao, Indian Forest Service, Project Officer, A. P. Forest Development Corp. Ltd., 12-84, 2nd street, Prakashnagar, Rajahmundry, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 on ground floor admeasuring 1122 Sq. ft. in compound M. No. 1-11-252/1 at Begumpet, Hyderabad, registered vide Document No. 1281/78 in the Office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 16-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 16th January 1979

Ref. No. RAC. No. 292/78-79.—Whereas I, K. S. Venkataraman.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 9 in situated a S. No. 17/1, Amecrpet, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 6-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
21—466GI/78

(1) Sri Ramotar S/o late Sri Murarilal H. No. 4-1-967 at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. Rama Rao, H. No. 7-1-613/14 at Ameerpet, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 9 in Survey, Nos. 17/1, 18/5, admeasuring 715 Sq. Yds. situated at Ameerpet, Hyderabad, registered vide Document No. 1715/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 16-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderobad, the 16th January 1979

Ref. No. RAC. No. 293/78-79,—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Inocme-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Shop. No. 16 in situated at 5-8-522 Chiragali lane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sri Jagdish Pershad, H. No. 21-1-293 at Rikabguni, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Dr. Mir Masood Ali, H. No. 5-9-97 at Razzak manzil, Public Garden Road, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 16 in premises No. 5-8-522 situated at Chiragali lane Abid Road, Hyderabad, registered vide Document No. 1578/78 in the Joint Sub-Registrar Office, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 16-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABΛD

Hyderabad, the 16th January 1979

Ref. No. RAC. No. 294/78-79.—Whereas I, K, S. Venkataraman.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 13 in situated at 5-8-522 Chiragali, lane Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Sri Jagdish Pershad, H. No. 21-1-293 at Rikabgunj. Hyderabad.
 - (Transferor)
- Sri Mir Azmath Ali, H. No. 18-8-4 at Edi Bazar, Hydcrabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop. No. 13 being portion of premises No. 5-8-522 at Chiragali lane, Abid Road, Hyderabad, registered vide Document No. 1669/78 in the Joint Sub-Registrar Hyderabad

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 16-1-1979

FORM ITNS----

 Sri Giriraj Goyal, H. No. 5-3-1053 at Shankerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Syed Ishaq Ahmed, H. No. 19-3-175/1 at Jahanuma Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 16th January 1979

Ref. No. RAC. No. 295/78-79.—Whereas I, K. S. Venkataraman.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Shop No. 11 in situated at 5-9-522/2 Chiragali lane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at Hyderabad, on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Sald Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by 'he issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D o fthe 'said Act' to the

following persons, namely:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 11 in premses No. 5-8-522/2 situated at Chiragali lane Hyderabad, registered vide Doc. No. 1983/78 in the Joint Sub-Registrar office, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 16-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 16th January 1979

Ref. No. RAC. No. 296/78-79,—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Shop No. 15 in situated at 5-8-522/1 Chiragali lane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri Raj Kumar, H. No. 21-2-293 at Rikabgunj. Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Gulam Ahmed, H. No. 5-9-97 at Razam Manzil, Public Garden Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop. No. 15 in portion of H. No. 5-8-522/1 in Chiragali lane Hyderabad, registered vide Document No. 1984/78 in the Joint Sub-Registrar Office Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 16-1-1979

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 16th January 1979

Ref. No. RAC. No. 297/78-79.—Whereas I, K. S. Venkataraman,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair maket value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Shop No. 12, & 13 situated at 5-8-522/2 Chiragali lane, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Giriraj Goyal, H. No. 5-3-1053 at Shanker bagh, Hyderabad.

 (Transferor)
- (2) Dr. Mir Rashid Ali, H. No. 5-9-522/2 at Chiragali lane Hyderabad.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 12 and 13 in premises No. 5-8-522/2 at Chiragali lane, Hyderabad, registered vide Document No. 1986/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad

Date: 16-1-1979

 Smt. Pushpalatha, P/r Associated Builders, & Real Estate Agents, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Mohd Arif, S/o Mod. Ibrahim. 11-2-147 at Nampally market, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad the 16th January 1979

Ref. No. RAC. No. 298/78-79.—Whereas I, K. S. Venkataraman,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Office No. 19 in situated at Abid Shoping Centre, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazettee or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Room No. 9 on IInd floor in Abid Shoping Centre, Chiragali lane, Hyderabad, registered vide Document No. 1924/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad

Date: 16-1-1979.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE ERNAKULAM, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 27th September 1978

Ref. No. L.C. 240/78-79.—Whereas, I K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Thiruvalla

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thiruvalla on 29-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) K. M. Samuel, Chennamkara House, Koipuram,
 (ii) Jacob, Tharayasseril House, Vallamkulam Kizhakke Muri, Eravlperoor village.

(Transferor

(2) (i) M. George Abraham, Maliakal Malayil, Puramattom village, Madathubhagom Thekkekara Muri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

28 Cents 11 Sq. links of land with building in Sy. No. 378/2 and 379/1 of Thiruvalla village.

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 27-9-1978.

Scal:

PORM ITNS-

(1) Shri N. Harihara Iyer.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) V. N. Vodsala,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.

ANJIPARAMBII BUILDINGS, ANAND BAZAAR,

COCHIN 682 016

Cochin-682 016, the 23rd October 1978

Ref. No. L.C. 254/78-79.—Whereas, I V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Methala Panchayath (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodungallur on 17-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

22--466GT-78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10 cents of land with buildings vide document No. 1245/78 of S.R.O. Kodungallur,

V. MOHANLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Incometax, Acquisition Range,
Ernakulam.

Date: 23-10-1978.

 Sri B. G. N. Menon, "Sarojam", Divan Narayana Menon Road, Trichur-1.

(Transferors)

(2) Sri K. P. Ravindran, Near H. No. 27/135, Divan Narayana Menon Road, Trichur-1.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 16th November 1978

Ref. No. 1..C. 267/78-79,—Whereas, I K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinaftre referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Trichur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Trichur on 29-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building as per schedule to document No. 2446 of SRO, Trichur.

K. NARAYANA MENON.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Incometax, Acquisition Range,
Ernakulam.

Date: 16-11-1978,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 20th November 1978

Ref. No. L.C. 268/78-79.—Whereas, I K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Alwaye

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office o. the Registering Officer at Alwaye on 24-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K. Radhakrishna Reddiar, S/o Late S. Kumaraswamy Reddiar, "Priya Nivas", Vadakkumbhagom Chery, Quilon.

(Transferors)

- (2) 1. Smt. Jameela, D/o E. Hamced Bawa, Mys Indīa Bungalow, Perumbavoor.
 - 2. Shri S. A. Rajan, S/o Alikunhi, Navaratha Mahal, Alwaye.

(Transferecs)

(4) Catholic Syrian Bank Ltd., Alwaye. (Persons to whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

11 cents of land with buildings vide schedule to document No. 2168/78 of SRO, Alwaye.

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Incometax, Acquisition Range,
Ernakulam.

Date: 20-11-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 23rd November 1978

Ref. No. L.C. 269/78-79.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ticuvalla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Tiruvalla, on 16-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sri K. C. Thomas, Kunniparambil, Kuttankeril, Thittayil, Niranom South, Tiruvalla.

 (Transferors)
- (2) Sri K. Joseph, S/o Karippayil Kurien (by Power holder Varghese Kurien), Karipayil, Alamthuruthy, Tiruvalla.

(3) Resurvey Office, Tiruvalla.

(persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

84 cents of land with an old type tiled building situated in Tiruvalla Municipal area in Sy. No. 128/3.

K. NARAYANA MENON, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 23-11-78.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM. COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 22nd December 1978

Ref. No. L.C. 273/78-79.—Whereas I, K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. asp er schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 29-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe t hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of- ~

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--

- (1) 1. Mr. Frederick Collis, 46/1152, Hill Terrace. Sivarama Menon Road, Ernakulam.
 - 46/1152, Hill 2. Mr. Ivor Lancelot Jude Collis, Terrace, Sivarama Menon Road, Etnakulam. (Transferors)
- (2) 1. Smt. Mary, W/o Pathrose Isaac, Kurithadom House, Elanji, Muvattupuzha, Ernakulam Dt.
 - 2. Sri Isaac Jose, S/o Issac, -do-

3. Sri Francis, S/o Issae, -do-

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

61.64 cents of land in Sy. No. 35/1 (Part) together with bungalow bearing Corporation No. XLVI/1152 in Ernakulam Village—vide Schedule to Document No. 1621/1978.

> K. NARAYANA MENON, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 22-12-1978.

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 2nd January 1979

Ref. No. L.C. 274/78-79.—Whereas I, K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Guruvayoor village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 29-5-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 V. Ramaswamy Iyer & others, c/o R. Sreekrishnan, Law Officer, State Bank of India, Madras.

(Transferors)

(2) K. K. Sivaraman, Kollara House, Chendrapini, Crangannore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

16 cents of land 26 per schedule to document No. 2440/78 of SRO, Trichur.

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Incometax, Acquisition Ránge,
Ernakulam.

Date: 2-1-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, FRNAKULAM, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 2nd January 1979

Ref. No. L.C. 275/78-79.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy. No. as per schedule situated at Guruvayoor village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 29-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said -Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) V. Ramaswamy Iyer & others, c/o Sri Sreekrishnan, Law Officer, State Bank of India, Madras. (Transferors)
- (2) Smt. A. V. Vijayalakshmy Amma, W/o N. Kumaran Nair, Development Officer, L.I.C. of India, Muthuvattoor, Chavakkad. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

 $31\ 2/3$ cents of land as per schedule to document No. 2435/78 of SRO, Trichur.

k. NARAYANA MENON,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Incometax, Acquisition Range,
Ernakulam.

Date: 2-1-1979,

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

ERNAKULAM, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 2nd January 1979

Ref. No. L.C. 276/78-79.—Whereas I, K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Sy. No. as per schedule at Guruvayoor village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at . Trichur on 29-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following namely:—

(1) V. Ramaswamy Iyer & others, c/o Sri R. Sreekrishnan, Law Officer, State Bank of India, Madras.

(Transferors)

(2) C. C. Jose, Cheruvathur House. Palayoor, P.O. Chavakkad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

16 3/5 cents of land as per schedule to document No. 2434/78 of SRO. Trichur.

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Ernakulam.

Date: 2-1-1979.

Scal;

NOTICE UNDER SICTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 2nd January 1979

Ref. No. L.C. 277/78-79.—Whereas I, K. NARAYANA MENON, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy. No. as per schedule situated at Guruvayoor village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 29-5-1978 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

23-46678

(1) V. Ramaswamy Iyer & others, c/o Sri R. Sreekrishnan, Law Officer, State Bank of India, Madras.

(Transferors)

(2) K. S. Prabhakaran, Kondiyara, Kara, Cranganuore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

18.5 cents of land as per schedule to document No. 2439/78 of SRO Trichur.

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Incometax, Acquisition Range,
Ernakulum.

Date: 2-1-1979.

Seal;

NOTICE UNDER SECION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.", BAZAAR, ERNAKULAM SOUTH, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 2nd January 1979

Ref. No. L.C.-278/78-79.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Guruvavoor village (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 29-5-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:

 V. Ramaswamy Iyer & others, C/o. Sri R. Sreekrishnan, Law Officer, State Bank of India, Madras.

(Transferor)

(2) C. P. Varghese, Cheruvathoor House, Palayoor, P.O. Chavakkad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

20.25 cents of land as per schedule to document No. 2437/78 of SRO Trichur.

K. NARAYANA MENON.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 2-1-1979

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.", BAZAAR, ERNAKULAM SOUTH, COCHIN-682 016

Cochen-682 016, the 2nd January 1979

Ref. No. L.C.-279/78-79.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Guruvayoor village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Trichur on 29-5-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to the disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 V. Ramaswamy Iyer & others, C/o. Sri R. Sreckrishnan, Law Officer, State Bank of India, Madras.

(Transferor)

(2) K. C. Rajan, Kuniyara, West Vemballoor, Crangannore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person Interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

19 cents of land as per schedule to document No. 2438/78 of SRO. Trichur.

K. NARAYANA MENON.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ernakulam

Date: 2-1-1979

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 V. Ramaswamy Iyer & others, C/o. Sri R. Sreekrishnan, Law Officer, State Bank of India, Madras.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR, ERNAKULAM SOUTH, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 2nd lanuary 1979

Ref. No. L.C.-280/78-79.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON.

being the competent authority under section 269 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Guruvayoor village (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Trichur on 29-5-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) P. K. Babu, Parassery, Edathuruthy, Crangannore.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

22 cents of land as per schedule to document No. 2433/78 of SRO, Trichur.

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 2-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBJI BLDGS.", ANAND BAZAAR, ERNAKULAM SOUTH, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 2nd Junuary 1979

Ref. No. L.C.-281.78-79.--Whereas, J, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Guruvavoor village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Trichur on 29-5-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 V. Ramaswamy Iyer & others, C/o. Sri R. Sreekrishnan, Law Officer, State Bank of India, Madras.

(Transferor)

(2) K. V. Sadanandan, Kollara House, Edathuruthy, Crangannore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

30 cents of land as per schedule to document No. 2441/78 of SRO. Trichur.

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 2-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 V. Ramaswamy Iyer & others, C/o. Sri R. Sreekrishnan, Law Officer, State Bank of India, Madras.

(Transferor)

(2) P. D. Viswambharan, Pallath House, Edathuruthy, Crangannore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANIIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR, ERNAKULAM SOUTH, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 2nd January 1979

Ref. No. L.C.-282/78-79.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Guruvayoor village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 29-5-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

31 cents of land as per schedule to document No. 2436/78 of SRO. Trichur.

K. NARAYANA MENON.

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 2-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TA XACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR, ERNAKULAM SOUTH, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 2nd January 1979

Ref. No. L.C.-283/78-79.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Orumanayoor village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chayakkad on 25-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) K. S. Krishna Iyer, Advocate, P.O. Chavakkad.

(Transferee)

(2) P. K. Kamaru, Puthiyaveettil karayil, P.O. Orumanayoour, Chavakkad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

80 cents of land as per schedule to document No. 967/78 of SRO. Chavakkad.

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 2-1-1979

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Gopalan Nair & others, Potteth House, P.O. Thrikandiyoor, Tirur-1, Malapuram Dist.

(Transferor)

(2) Shri T. Balakrishnan, Thencheri House, Annara, P.O. Tirur, Malapuram Dist.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIJ BLDGS.", ANAND BAZAAR, ERNAKULAM SOUTH, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 3rd January 1979

Ref. No. L.C.-284/78-79.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No, as per schedule situated at Thrikandiyoor village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tirur on 15-5-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official.

 Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2.41 acres of land as per schedule to document No. 1151/- 78 of S.R.O. Tirur.

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 3-1-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIFARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAAR, ERNAKULAM SOUTH, COCHIN-682 316

Cochin-682 016, the 3rd January 1979

Ref. No. L.C.-285/78-79.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON,

inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Elayavoor village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Cannanore on 31-5-1978,

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
24—466GI/78

 Smt. Rajalakshmi & others, Potheri House, Chovva, Cannagore.

(Transferor)

(2) Smt. P. P. Kunhibi, W/o Shri A. K. Moosakutty, Rahmath Manzil, New Mahe, Tellicherry, Cannanore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1.04 acres of land as per schedule to document No. 1228/78 of S.R.O. Cannanore.

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Renge, Ernakulam.

Date: 3-1-1979

(1) Shri Jai Dinshaw Kapadiya, 121A, Elphistone Road, Kirkee.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Kanagraj Tiwarl Agarwal and Associates, 57, Bopodi, Bombay Pune Road, Pune.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 60161 ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 27th January 1979

Ref. No. CA5/Haveli-II(Pune)/July'78/400.—-Whereas, I. SMT. P. LALWANI,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 12-A, Elphistone Road, situated at Bopodi, Kirkee,

(and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Pune on 24-7-78,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective

persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at 12-A, Elphistone Road, Bopodi, Kirkee, Pune. Area: 4000 sq. mets.
(Property as described in the sale deed registered under No. 1194 dated 24-7-78 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II, Pune).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 27-1-1979

(1) Shri Rohidas Baburao More, Hadapsar, Pune-411 028.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60161 ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 27th January 1979

Ref. No. CA5/Haveli-II(Pune)/Aug'78/402,-.-Whereas, 1, SMT. P. LALWANI,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land measuring 46 kanals 19 marlas situated at No. S. Nos. 105 situated at Hadapsar, Dist. Punc,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pune on 29-8-78.

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Pune Estate Development Pvt. Ltd. Soniya 288 Shree Co-operative Housing Society, Sahajeevannagar, Pune-411009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Hadapsar, Dist. Pune:
S. No. H. No. H.A. Area F.P. No.
105 20 0-78 9,44
105 25E 0-04 69,78
0-82

i.e. 89298 sq. ft.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1400 dated 29-8-78 in the office of the Sub-Registrar. Haveli- Π , Pune).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 27-1-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60161 FRANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 27th January 1979

Ref. No. CA5/Haveli-II(Punc)/Aug'78 '404.—Whereas, I, SMT, P. LALWANI,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 103, H. No. 7 and F.P. Nos. 40, 70, 75 & 84 situated at Hadapsar, Dist. Pune,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Pune on 29-8-78,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nivruti Dnyanoba More, H. No. 199, Hadapsar, Pune-411028.

(Transferor)

(2) Pune Estate Development Pvt. Itd. Soniya 238 Shree Co-operative Housing Society, Sahajeevannagar, Pune-411009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lend at Hadapsar, Dist, Pune: S. No. H. No. H.A. Area 103 7 0-80

F.P. No. 40,70 75,84

(Property as described in the sale deed registered under No. 1407, dated 29-8-78 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II, Pune).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 27-1-1979

Part III—Sec. 1]

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 27th January 1979

Ref. No. CA5/Haveli-II(Pune)/Aug'78/405.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 103, II. No. 19, 20, 25, F.P. Nos. 40, 70, 75 & 84, situated at Hadapsor, Dist. Pune,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Pune on 29-8-78,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reductio nor evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Sambhaji Tukaram More, II. No. 199, Hadapsar, Punc-411 028.

(Transferor)

(2) Pune Estate Development Pvt, Itd. Soniya 288 Shree Co-operative Housing Society, Sahajcevanuagar, Pune-411 009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Hadapsar, Dist. Pune:

S. No. H. No. H.A. Area
103 19+20 0-62 40.79,
103 25 0-11 75,84

0-73 i.c. 79,497 sq.ft.

(Property as described in the sole deed registered under No. 1405, dated 29-8-78 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II, Punc).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 27-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Dnyanoba Bahire More & others, H. No. 199, Hadapsar, Pune-411 028.

(Transferor)

(2) Pune Estate Development Pvt. Ltd. Soniya 288 Shree Co-operative Housing Society, Sahajeevannagar, Pune-411 909.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60161 ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 27th January 1979

Ref. No. CA5/Haveli-II(Pune)/Aug'78/406.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 105, H. Hons. 2, 9, 16+17, 19, 25H, F. P. Nos. 40, 70, 75, and 84, situated at Hadapsar, Dist. Pune,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pune on 29-8-78,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land	at Hadapsar,	Dist. Pune	:
S.No.	H. No.	Aren.	F. P. Nos.
105	2	0-20	
105	9	0—33	44,70
105	16+17	02 7	
105	19	031	75,84
105	25H	0—14	,

(Property as described in the sale deed registered under No. 1404, dated 29-8-78 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II, Pune).

SMT. P. LALWANI,
Competent Anthority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 27-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 27th January 1979

Ref. No. CA5/Haveli-II(Pune)/Aug'78/407.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 105, H.No. 12, F.P. Nos. 9, 44, 69 & 78 situated at Hadapsar, Dist Pune,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pune on 29-8-78,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) Shri Damodar Baburao More, Dadapsar, Pune-411 028.

(Transferor)

(2) Pune Estate Development Pvt. Ltd. Soniya 238 Shree Co-operative Housing Society, Suhajeevannagar, Pune-411 009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1.and at Hadapsar, Dist Pune : S. No. H. No. Area. H.A. 105 12 0-34 9,44,69,78 37026 sq. ft.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1401, dated 79-8-78 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II, Pune).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 27-1-1979

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 60161 ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 27th January 1979

Ref. No. CA5/Haveli-II(Punc)/Aug'78/408.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S.Nos. 103, 105, H.No. 22A, 22B 5A, F.P. No. 81, situated at Hadapsar, Dist. Pune,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pune on 29-8-1978.

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Bagubai Babu More, H. No. 48, Hadapsar, Pune-411 028,
- (Transferor)
- (2) Pune Estate Development Pvt. I td. Soniya 238 Shree Co-operative Housing Society, Sahajeevannagar, Pune-411 009. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Hadapsar, Dist. Pune: F.P. No. S. No. H. No. H.A. Area 103 22 A 0-11 81 103 22 B 0-11 0-12 105 5 A 0-34 i. e. 37026 sq. ft.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1399, dated 29-8-78 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II, Pune).

SMT. P. I.ALWANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 27-1-1979

(1) Shri Dattatraya Babu More, H. No. 48. Hadapsar, Pune-411 028.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pune Estate Development Pvt. Ltd. Soniya 238 Shree Co-operative Housing Society, Sahajeevannagar, Pune-411 009.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 60161 ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 27th January 1979

Ref. No. CA5/Haveli-II(Pune)/Aug'78/409,--Whereas, I. SMT. P. LALWANI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing

No. S No. 105, H. Nos 23B, 22A+4B (-25A, F.P. No. 81, situated at Hadapsor, Dist. Pune,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the Office of the Registering (Registering Officer at Pune on 29-8-78,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

persons, namely :---25-466GI/78

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Hadapsar, Dist. Pune:

S. No.	H. No.	H.A. Area	F.P. No.
105	23 B	0-4	
105	22A + 4B +	0-25	81
	25A.	0-29 i. e. 31;	581 sq. ft.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1398, dated 29-8-78 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II. Pune).

> SMT, P. LALWANI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Date: 17-1-1979

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60161 ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poons-411004, the 27th January 1979

Ref. No. CA5/Haveli-II(Pune)/Aug'78/410,—Whereas, I, SMT. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 103, 105, II. No. 9A, 9B, 6A, F.P. No. 81, situated at Hadapsar, Dist Pune,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pune on 29-8-78,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dasharath Luxman More and others, H. No. 48, Hadapsar, Pune-411 028,

(Transferor)

(2) Pune Fstate Development Pvt. Ltd, Soniya 288 Shree Co-operative Housing Society, Sahajeevannagar, Pune-411 009.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Hadapsar, Dist. Pune : S. No. H.A. Arca F.P. No.H, No.105 9A 0-11 81 103 9В 0-11 105 0-12 6A 0-34 i. e. 37026 sq. ft.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1395, dated 29-8-78 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II, Pune).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 27-1-1979

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta-1, the 30th November 1978

Ref. No. Sl.No. 471/TR-327/C-414/Cal-1/78-79.—Whereas, I, I, V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 3 situated at Chaitan Sett St. Calcutta-7,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

at Registrar of Assurance, 5 Govt. Place (North) Calcutta on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) (1) Snit. Prativa Sett

 - (2) Malati Das, (3) Rama Basak,
 - (4) Shri Renu Basak.
- (2) (1) Smt. Radhe Rani Saha,
 - (2) Sushil R. Saha, (3) Tushar Kanti Saha,
 - (4) Krishna Saha
- (3) (1) Smt. Radhe Rani Saha,

 - (2) Sushil R. Saha, (3) Tushar Kanti Saha,
 - (4) Krishna Saha.
 - (Person in occupation of the property),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4/10th share of land measuring area of 1 ka, 14 ch, 27 sq. ft, with structure situated at 3 Chatan Sett Calcutta-7, as per Deed No. 2434 registered by Registrar of Assurances on

I. V. S. JUNEJA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisicion Range-1,

Dated: 30-11-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME--TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta-I, the 30th November 1978

Ref. No. Sl. No. 472/TR-328/C-415/Cal-1/78-79.--Whereas, J, I, V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3 situated at Chaitan Sett St. Calcutta-7,

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurance, 5 Govt. Place (North) Calcutta on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) (1) Sri Bipra Kumar Sett,
 - (2) Shri Asoke Kumar Sett and
 - (3) Shri Dwijindra Kumar Sett.
- (2) (1) Smt. Radhe Rani Saha,
 - (2) Sushil R. Saha,
 - (3) Smt. Tushar Kanti Saha,
 - (4) Smt. Krishna Saha,
- (3) (1) Smt. Radhe Rani Saha,

 - (2) Sushil R. Saha.(3) Tushar Kanti Saha.
 - (4) Krishna Saha.
 - (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6/10th share of land measuring area of 1 k 14ch. 27 sq. ft. with structure situated at 3, Chaitan Sett St. Calcutta-7, as per Deed No. 2433 registered by Registrar of Assurance on 12-5-78.

> I. V. S. JUNEJA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I

Dated: 30-11-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 1st December 1978

Ref. No. 428/Acq. R-III/78-79/Cal.---Whereas, 1, VASKAR SEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'soid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. 59/2, situated at Meharaja Tagore Road, Calcutta-31, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 23-5-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sailendra Kumar Bakshi, 59/2, Maharaja Tagore Road, Calcutta-31.

(Transferor)

(2) Smt. Prova Des of Gorabazar, Dist. Murshidabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring two cottahs twelve chittacks and thirty two sq. ft. at premises No. 59/2, Maharaja Tagore Roed, Calcutta-31, registered under deed No. 2150 of 1978.

VASKAR SEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, (3rd floor),
Calcutta-16

Date: 1-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Kanak Lata Dutta, w/o Late Tarapada Dutta. 1/1, Rupchend Mukherjee Lane, P. S. Bhowanipore, Calcutta-25.

(Transferor)

Mukherice.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 7th December 19.

Ref. No. Ac-32/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. YADAV.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Mouza-Sahapur, P. S. Behala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Distt. Registrar, 24-Parganus, Alipore on 31-5-1978,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

(2) Shri Mukul Mukherjee, s/o Sti Santi Mukherje 75/41, S. N. Roy Road, P.S. Behala, Calcutta-38.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULF

Land measuring 3-cottahs, 4-chittaks and 25 sq. ft. with building under Mouza-Sahapur, P.S. Behala,

> S. C. YADAV, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 7-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. CALCUTTA

Calculta the 7th December 1978

Ref. No. Ac-33/R-II/Cal/78-79.--Whereas, I, S. C. YADAV,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11A, situated at Burdwan Road, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Registrar of Assa ances, Calcutta on 10-5-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I, have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Chowdhury Estate P.t. Itd., 19, R. N. Mukherjee Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Sunder I al Bhatter, 40, Netaji Subhys Road, Calcutta,

(Transferee)

(3) Hindusthan Motor Ltd., Uttarpara, (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of premises No. 11A, Burdwan Road, Calcutta.

S. C. YADAV,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 7-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 7th December 1978

Ref. No. Ac-34/R-II/Cal/78-79,---Whereus, I, S. C. YADAV.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 11A, situated at Burdfan Road. Celcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Registrar of Assurances, Calcutta on 10-5-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

M/s. Chowdhury Estate Pvt. Ltd.,
 19, R N. Mukherjee Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal Bhatter, 40, Netaji Subhas Road, Calcutta.

(Transferee)

 Hindusthan Motor Ltd., Uttarpara, (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of premises No. 11A, Burdwan Road, Calcutta.

S. C. YADAV, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 7-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 7th December 1978

Ref. No. AC-35/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I. S. C. YADAV.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing;

33/6D, situated at Nazir Lane, Calcutta-23

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on Registrar of Assurances, Calcutta on 5-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

26-466GI/78

(1) Ajit Kr. Das, (2) Amar Krishna Das & (3) Subhas Kr. all of 33/6D, Nazir Lane, Calcutta.

(Transferor)

- (2) (1) Niladri Chatterjee, (2) Himadri Chatterjee.
 (3) Meghadri Chatterjee & (4) Biva Bati Chatterjee, all of 33B, Nazir Lane, Calcutta.
 - (Transferce)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3-cottahs, 6-chittaks & 21-sq. ft. along with one storeyed building at 33/6D, Nazir Lane, Calcutta-

S. C. YADAV,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta-16.
54, Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-16.

Dated: 7-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 7th December 1978

Ref. No. Δc -36/R-H/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. YADAV,

being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. 7A. situated at Belvedere Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 5-5-1978

for an apparent consideration which is less than the falt market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Arpita Mitra, of 18/2, Ballygunj Circular Road Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Kabita Mondal & Dinabhandhu Mondal, 93/ 3/A, Acharya Prafulla Ch. Road, Calcutta,

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and garage at No. 7A, Belvedere Road, Calcuttacontaining 3-cottahs.

S. C. YADAV.
Competent Authtority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta-16.

Dated: 7-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 6th December 1978

Ret. No. Ac-27/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. YADAV,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

32-B, situated at New Road, Alipore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Registrar of Assurances, Calcutta on 22-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 The Motor Industries Co. Ltd. 'Mico House' at 91A. Park Street, Calcutta.

(Transferor)

- (2) Shri Samares Kumar Chanda Woodland Syndicate, Flat No. 10, 8/7, Alipore, Road, Calcutta-27.

 (Transferce)
- (3) Mico Ltd., 91A, Park Street, Calcutta.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Vendor.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No: 7 on the 3rd floor of 'Britannia Court' of premises No. 32B. New Road, Alipore.

S. C. YADAV.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Dated: 7-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 6th December 1978

Ref. No. Ac-28/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I. S. C. YADAV,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8-B, situated at Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrar of Assurances, Calcutta on 12-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfet with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) (i) Shri Swaraj Paul & (ii) Baijnath Singh 59-B, Block-D, New Alipore. (Transferor)

(2) Shri Rajeev Sethi 8-B, Alipore Road, Calcutta. (Transferee)

(3) Transferee.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the flat situate on the first floor of premises No. 8-B, Alipore Road, Calcutta, measuring about 2145-sq. ft.

S. C. YADAV,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Dated: 6-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 6th December 1978

Ref. No. Ac-29/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

believe that the immovable property, having a value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 8-B, situated at Alipore Road, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 12-5-1978 for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Akash & Ambar Trust, 15, Park Street, Calcutta.
 - (Transferor)
- (2) Smt. Oindrilla Kundu, 8-B, Alipore Road, Calcutta. (Transferee)
- (3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the flat situate on the 6th floor of premises No. 8-B, Alipore Road, Calcutta, measuring 1981-sq. ft.

S. C. YADAV, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 6-12-1978.

FORM ITNS----

Trust, 15, Park Street. (1) M/s. Akash & Ambar Calcutta.

Property of the second second

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raunaq Rai Chopra, 8-B, Alipore Road, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 6th December 1978

Ref. No. Ac-30/R-II/Cal/78-79.--Whereas, I, S. C. YADAV,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

8-B, situated at Alipore Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 12-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION: -The terms aid expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One flat on 2nd floor of premises No. 8-B, Alipore Road, Calcutta.

> S. C. YADAV, Competent Authority, Inspecting Assistant Commission of Income-tax Acquisition Range-II, 54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 6-12-1978.

FORM ITNS

(1) M/s Akash & Ambar Trust, 15, Park Street, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Badii Das Daga, 8-B. Alipore Road, Calcutta. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 6th December 1978

Ref. No. Ac-31/R-H/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. YADAV,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8-B, situated at Alipore Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registrar of Assurances, Calcutta on 12-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One flat on 4th floor at premises No. 8-B, Alipore Road, Calcutta.

S. C. YADAV,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Abmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Dated: 7-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 5th February 1979

Ref. No. Raj/IAC (Acq) /522.—Whereas I, HARI SHANKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) (herein-after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Kota, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kota on 24-5-1978

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen

percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Khandelwal Agro Industries Kotte. (Transferor)
- (2) M/s. Shree Industries Kota through its proprietory concerned Shri Agencies (P), Ltd. Regd. Office at Calcutta, 45-B Inderprastha Industrial Area, Kota.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory Shed, Godown Shed including its machinery known as Khandelwal Agro Industries, situated in Inderprastha Industrial area, Kota and more fully described in the sale deed registered by S. R. Kota vide registration No. 705 dated 24-5-1978.

HARI SHANKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalpur

Date: 5-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 27th January 1979

Ref., No. KLK/1/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. 596 situated at Sector 7, Panchkulla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalka in May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:——

(1) Shri Ravi Bhushan Nanda s/o Shri Des Raj Nanda 223, Sector 18-A, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) (i) Shri Rajinder Singh Gill S/o Shri Ram Singh Gill.
 - (ii) Smt. Amar Kaur w/oShri Rajinder Singh GillR/o Vill. Gill Teh. Distt. Ludhiana.

(Transferees)

(3) Lt. Col. J. S. Aulakh H. No. 596 Sector 7, Panchkulla (Kalka). (Person in occupation of the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property No. 596 situated at Sector 7, Panchkulla Teh. Kalko as mentioned in Registration deed No. 148 of May, 1978 and Registered in the office of the Registering Authority, Kalka).

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 27-1-1979



	,	